THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 117 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आषाढ शु.14 2083 मंगलवार, 28 जुलाई-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ✻ पृष्ठ : 14 मूल्य : 8 रुपये

केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी को बड़ी राहत

नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)। केरल के त्रिशूर से भाजपा के इकलौते सांसद और केंद्रीय राज्य मंत्री सुरेश गोपी को बड़ी राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने उनकी एक विशेष याचिका पर सुनवाई करते हुए विरोधी पक्ष को नोटिस जारी किया है।

यह मामला 2024 के लोकसभा चुनाव से जुड़ा है। त्रिशूर से मिली ऐतिहासिक जीत को केरल हाईकोर्ट में चुनौती दी गई थी। हाईकोर्ट ने इस याचिका को खारिज करने से इनकार कर दिया था। अब सुप्रीम कोर्ट इस पूरे विवाद की सुनवाई करेगा। केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी ने केरल हाईकोर्ट के उस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है, जिसमें उनके खिलाफ दायर चुनाव याचिका को सुनवाई योग्य माना गया था।

पेपरलीक पर चर्चा करने को विपक्ष तैयार

> लोकसभा स्पीकर बिरला ने नेताओं को मनाया > आज हंगामे के कारण 4 बार स्थगित हुई संसद

नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)। 'पब्लिक एग्जामिनेशन (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन बिल, 2026' को लेकर संसद में हंगामा खत्म होने की उम्मीद है। विपक्ष मंगलवार को इस पर चर्चा शुरू करने के लिए सहमत हो गया है।

स्पीकर ओम बिरला ने पार्टियों के नेताओं से बातचीत की। जिसके बाद सरकार और विपक्ष दोनों ही 28 जुलाई को बिल पर चर्चा करने और वोटिंग के लिए तैयार हो गए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मंगलवार दोपहर 12 बजे से बिल पर चर्चा शुरू हो सकती है। इससे पहले सोमवार को लोक परीक्षा संशोधन बिल पेश किया गया। हालांकि विपक्ष के हंगामे की वजह से चर्चा नहीं हो सकी। विपक्ष छात्रों पर नीट पेपर लीक के विरोध प्रदर्शन के दौरान लाठीचार्ज के

मामले पर बहस के लिए अड़ा रहा। कांग्रेस का कहना है कि इस मुद्दे पर गृह मंत्री अमित शाह सदन में आकर बयान दें। इस वजह से लोकसभा की कार्यवाही दिन में 4 बार स्थगित हुई।

जब भी कार्यवाही शुरू हुई, कांग्रेस, सपा के सांसद वेल में बैनर लेकर पहुंच जाते और नारेबाजी करने लगते। पूर्व शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफे के बाद सोमवार को पहली बाहर संसद पहुंचे। एनडीए सांसदों ने उन्हें शॉल और मिथिला पाग पहनाकर सम्मानित किया और संसद भवन के अंदर तक ले गए। सांसदों ने 'धर्मेंद्र प्रधान जिंदाबाद' के नारे भी लगाए। प्रधान ने नीट पेपर लीक विवाद के बीच 25 जुलाई को इस्तीफा दिया था।

10 और 20 के 200 करोड़ प्लास्टिक नोट आएंगे

नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)। बाजार में जल्द ही 10 और 20 के प्लास्टिक नोट नजर आएंगे। रिजर्व बैंक 100-100 करोड़ यानी टोटल 200 करोड़ पॉलिमर यानी प्लास्टिक से बने नोट छापेगी। यह प्लास्टिक करेंसी का ट्रायल है, अगर यह सफल होता है तो आगे और नोट भी छापे जाएंगे। केंद्र सरकार ने इसकी मंजूरी दे दी है। यह जानकारी वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने सोमवार को लोकसभा में दी। पॉलिमर बैंकनोट के ट्रायल सफल होने के बाद आरबीआई 10 और 20 दोनों वैल्यू के नोटों को रेगुलर तौर पर जारी करेगा। हालांकि कागज की मौजूदा करेंसी भी चलती रहेगी। इसे बंद नहीं किया जाएगा।

'प्रदर्शन पर पुलिस की बर्बरता सही नहीं'

नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन करना संवैधानिक अधिकार है, जिसे छीना नहीं जा सकता। केवल प्रदर्शन या आंदोलन होने के आधार पर पुलिस की बर्बरता या सख्ती को सही नहीं ठहराया जा सकता।

कोर्ट ने 20 जुलाई को जंतर-मंतर पर पुलिस लाठीचार्ज से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए यह बात कही। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहना की बेंच ने साथ ही कहा कि प्रदर्शन के दौरान पुलिसकर्मियों पर हमले होना उतनी ही चिंता की बात है और सरकार से इस पर जवाब मांगा जा सकता है। अब कोर्ट मंगलवार को इन सभी याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई करेगा।

हाई कोर्ट द्वारा हाइड्रा कमिशनर रंगनाथ को हटाने का आदेश

> रंगनाथ के खिलाफ 63 अवमानना याचिकाएं लंबित

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना उच्च न्यायालय में हाइड्रा आयुक्त एवी रंगनाथ को बड़ा झटका लगा है, जिसने राज्य के मुख्य सचिव को उन्हें हाइड्रा आयुक्त के पद से हटाने का निर्देश दिया है। अदालत ने इस तथ्य पर गंभीर चिंता व्यक्त की कि रंगनाथ के खिलाफ 63 अवमानना याचिकाएं लंबित हैं।

उच्च न्यायालय ने कहा कि प्रत्येक नागरिक को न्यायालयों में जाने का अधिकार है और किसी वरिष्ठ अधिकारी द्वारा बार-बार न्यायालय के आदेशों का उल्लंघन करना अस्वीकार्य है। न्यायालय ने

रंगनाथ की कई बार न्यायिक निर्देशों की अवहेलना करने के लिए आलोचना की। ये टिप्पणियां शान्था श्रीराम कंस्ट्रक्शंस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा दायर अवमानना याचिका की सुनवाई के दौरान आईं, जिसमें आरोप लगाया गया था कि हाइड्रा ने मेडचल-मलकाजगिरि जिले के लोथुकुंटा में भूमि से संबंधित उच्च न्यायालय के पूर्व आदेशों का उल्लंघन किया है। याचिकाकर्ता ने दावा किया कि अदालत के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद, हाइड्रा कर्मियों ने विवादित भूमि पर लगी बाड़ को हटा दिया। उच्च न्यायालय ने कहा कि एक ही मामले में बार-बार उसके आदेशों की अवहेलना करना एक गंभीर अपराध है और रंगनाथ को अदालत के समक्ष पेश होने का निर्देश दिया। इसी बीच, राज्य सरकार की ओर से पेश हुए एडवोकेट जनरल ने अदालत को सूचित किया कि जल्द ही एक विस्तृत हलफनामा दाखिल किया जाएगा।

सीजेपी का सरकार को अल्टीमेटम

✻ वादे के बावजूद हो रही पुलिस कार्रवाई
✻ एफआईआर वापस न हुई तो फिर शुरू होगा प्रदर्शन

नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)। कॉकरोच जनता पार्टी के प्रवक्ता आशुतोष रांका ने सरकार पर समझौते के गंभीर उल्लंघन का आरोप लगाते हुए एक बार फिर से आंदोलन शुरू करने की चेतावनी दी है। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और डॉ. जितेंद्र सिंह को एक्स पर सीधे तौर पर लिखते हुए पुलिस कार्रवाई और छात्रों की गिरफ्तारी पर कड़ी आपत्ति जताई है। आशुतोष ने स्पष्ट किया है कि यदि उनकी मांगें तुरंत नहीं मानी गईं, तो वे दोबारा धरने पर बैठने को मजबूर होंगे।

सरकार और पुलिस पर लगाए गए मुख्य आरोप :
आशुतोष रांका का कहना है कि सरकार के साथ यह तय हुआ था कि किसी भी प्रदर्शनकारी पर पुलिस कार्रवाई नहीं की जाएगी, लेकिन इस वादे को पूरी तरह से तोड़ा जा रहा है। आरोप है कि बिहार और बंगाल में सैकड़ों छात्रों को गिरफ्तार कर लिया गया है। दिल्ली और अन्य राज्यों में सैकड़ों छात्रों की निगरानी की जा रही है और उन्हें परेशान किया जा रहा है। दिल्ली से ऐसी कई रिपोर्टें सामने आ रही हैं कि जो वालंटियर्स प्रदर्शनकारियों तक रसद और अन्य जरूरी सामान पहुंचा रहे थे, उन्हें भी हिरासत में लिया गया है।

सीजेपी की प्रमुख मांगें :
तत्काल रिहाई और केस वापसी : प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज सभी एफआईआर तुरंत रद्द की जाएं और गिरफ्तार किए गए सभी छात्रों को बिना किसी देरी के रिहा किया जाए।

भविष्य की कार्रवाई पर रोक : दिल्ली पुलिस, केंद्रीय जांच एजेंसियों और भाजपा-गठबंधन वाले राज्यों की पुलिस द्वारा (समझौते के अनुरूप) भविष्य में कोई नई एफआईआर दर्ज न की जाए।

कल तक चाहिए लिखित आश्वासन : रांका ने मांग की है कि कानूनी मामलों की वापसी को लेकर हुए समझौते का लिखित मसौदा, तय समय-सीमा के अनुसार कल तक उनके साथ साझा किया जाए।

नीट केस-फास्ट ट्रैक कोर्ट में पहले दिन सुनवाई टली

नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)। नीट पेपर लीक मामले में राउज एवेन्यू की स्पेशल फास्ट ट्रैक कोर्ट में सोमवार को पहले ही दिन सुनवाई टल गई। सुनवाई के दौरान सीबीआई की ओर से कोई सरकारी वकील मौजूद नहीं था। इसके बाद कोर्ट ने डायरेक्टर ऑफ प्रोसिक्यूशन को सीबीआई का पक्ष रखने के लिए सरकारी वकील नियुक्त करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने आरोपी दिनेश बिवाल और विकास बिवाल की जमानत याचिका पर सुनवाई 3 अगस्त तक टाल दी। आरोपियों की ओर से वकील एपी सिंह पेश हुए थे। यह पब्लिक एग्जामिनेशन (प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) एक्ट, 2024 के तहत बनी स्पेशल फास्ट ट्रैक कोर्ट में इस मामले की पहली सुनवाई थी।

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री के साथ मंच साझा करने वाली 10वीं की छात्रा ने आत्महत्या की

अमरावती, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के पोलावरम जिले में एक सरकारी स्कूल में 'मेगा पैरेंट-टीचर मीटिंग' के दौरान आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू के साथ मंच साझा करने वाले 10वीं कक्षा के एक छात्रा ने सोमवार को आत्महत्या कर ली।

रामपाचोडावरम के जिला परिषद हाई स्कूल में 'मेगा पैरेंट-टीचर मीटिंग 4.0 के दौरान मुख्यमंत्री के बगल में बैठकर बोलने वाली मुर्रम शिवानी ने इर्लापल्ली गांव में अपनी दादी के घर पर आत्महत्या कर ली। लड़की ने हाथ से लिखा एक सुसाइड नोट छोड़ा, जिसमें उसने अपने माता-पिता के सपने पूरे न कर पाने के लिए उनसे माफी मांगी। उसके इस कठोर कदम का कारण पता नहीं चल सका। लड़की के माता-पिता कोरुकोंडा के एक होटल में काम करते हैं, जबकि वह अपनी दादी के साथ रहती थी और रामपाचोडावरम के सरकारी हाई स्कूल में पढ़ती थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पढ़ाई में होनहार मानी जाने वाली शिवानी ने मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की मौजूदगी में 'मेगा पैरेंट-टीचर मीटिंग 4.0 में अपने भाषण से सबका ध्यान खींचा था। उसने कड़ी मेहनत करने और अगले साल 'शाइनिंग स्टार अवॉर्ड' जीतने की इच्छा जताई थी। भाषण के बाद, मुख्यमंत्री ने उसे बुलाया और अपने बगल में बिठाया। उन्होंने उससे बातचीत भी की थी। मुख्यमंत्री नायडू ने कहा कि मुर्रम शिवानी के निधन से उन्हें गहरा दुख हुआ है। उन्होंने अधिकारियों को शिवानी की मौत की गहन जांच करने का आदेश दिया।

आवारा कुत्तों के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट का सुनवाई से इनकार

नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एक याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। इस याचिका में भारतीय पशु कल्याण बोर्ड (एडब्ल्यूबीआई) को पशु जन्म नियंत्रण केंद्रों और आश्रयों में कुत्तों के प्रति क्रूरता के मुद्दे को प्रभावी ढंग से संबोधित करने के लिए निर्देश देने की मांग की गई थी। सर्वोच्च न्यायालय ने उस याचिका को खारिज कर दिया जिसमें केंद्र, सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों (यूटी) को यह सुनिश्चित करने का निर्देश देने की मांग की गई थी।

राहुल को नेता प्रतिपक्ष पद से हटाने की तैयारी? : निशिकांत दुबे का बड़ा दावा

नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)। लोकसभा में भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधा है। उन्होंने राहुल गांधी के विदेश यात्रा को लेकर सवाल उठाया। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि भाजपा जल्द उन्होंने विपक्ष के नेता के पद से हटाने का प्रस्ताव पेश करने की कोशिश करेंगे। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए। 2004 से 2026 तक, उनकी किसी भी विदेश यात्रा के बारे में किसी को कुछ नहीं पता। राहुल गांधी ने अब तक जितनी भी यात्राएं की हैं। उनमें उन्होंने सरकार और संविधान के खिलाफ बात की है। हम उन्हें विपक्ष के नेता के पद से हटाने का प्रस्ताव पेश करने की कोशिश करेंगे। ये टिप्पणियां तब आईं जब विपक्षी सांसदों ने संसद के मकर द्वार पर प्रदर्शन किया।

दलबदल कानून : 10वीं अनुसूची पर कपिल सिब्बल की याचिका

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को भेजा नोटिस

नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने संविधान की 10वीं अनुसूची की व्याख्या को चुनौती देने वाली वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल की याचिका पर केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया। इस व्याख्या के तहत किसी राजनीतिक दल में विलय का रास्ता अपनाकर विधायक दलबदल कानून के तहत अयोग्य घोषित होने से बच सकते हैं। कपिल सिब्बल ने यह याचिका खुद पक्षकार बनकर दायर की है। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की पीठ ने सिब्बल की दलीलें सुनने के बाद नोटिस जारी किया। सुनवाई की शुरूआत में जस्टिस नरसिम्हा ने पूछा कि इस मामले में संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत याचिका क्यों दायर की गई है। सिब्बल ने कहा कि विलय की वजह से देश की राजनीति पर बड़ा असर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया से चुनाव में मिले बहुमत का फैसला अल्पमत में बदला जा सकता है।

'एसआईटी में शामिल करें फोरेंसिक ऑडिटर'

> राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले पर सुप्रीम कोर्ट का निर्देश

नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में चल रही है। इस बीच सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश राज्य को आरोपों की जांच के लिए गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) में एक फोरेंसिक ऑडिटर को शामिल करने का निर्देश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने एसआईटी को चल रही जांच के संबंध में एक स्टेटस रिपोर्ट 2 हफ्ते में पेश करने का भी निर्देश दिया।

सीबीआई जांच की मांग :
भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहना की पीठ अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी आरोपों की केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा जांच और मंदिर ट्रस्ट के फाइनेंस की ऑडिट कराने की मांग वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी।

उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से भारत के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को बताया कि

लखनऊ के आईजी एस किरण आईपीएस की अध्यक्षता में एक विशेष जांच टीम (एसआईटी) का गठन किया गया है, जिसमें एक उप महानिरीक्षक और एक वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शामिल हैं।

एसआईटी के साथ एक फ़ोरेंसिक ऑडिटर को जोड़ा जाए
तुषार मेहता ने बेंच के उस सुझाव को मान लिया कि एसआईटी के साथ एक फ़ोरेंसिक ऑडिटर को जोड़ा जाए। एक याचिका में पेश हुए वरिष्ठ वकील देवदत्त कामत ने कहा कि एसआईटी को राम मंदिर निर्माण के लिए देश भर से मिले दान की रसीदों का ऑडिट करना चाहिए। उन्होंने कहा, लोगों ने 500 या 1000 रुपये दिए हैं।

आखिर में, ऐसी खबरें हैं कि यह पैसा ट्रस्ट तक नहीं पहुंचा है। ट्रस्ट को जो भी मिला है, उसे किसी वेबसाइट पर दिखाया जाना चाहिए ताकि लोगों को पता चल सके कि उनका पैसा पहुंच गया है। सीजेआई ने कहा कि एसआईटी को सभी रिकॉर्ड्स तक पहुंच मिलेगी। सीजेआई ने कहा, एसआईटी को अपनी रिपोर्ट देने दें। हम इसे बंद नहीं कर रहे हैं। सुधारात्मक कदम उठाने होंगे। आप पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए उठाए जाने वाले कुछ कदमों को नोट कर सकते हैं। इसमें सीनियर अधिकारी और एक फोरेंसिक ऑडिटर शामिल होंगे।

वहीं देवदत्त कामत ने सुझाव दिया कि जांच की निगरानी के लिए सुप्रीम कोर्ट के किसी पूर्व जज को नियुक्त किया जाना चाहिए। एसजी ने कहा कि ऐसे निर्देश की शायद ज़रूरत नहीं है क्योंकि तीन जजों की मौजूदा बेंच एसआईटी जांच की निगरानी कर रही है।

हमारा पूरा ध्यान जांच पर :
सीजेआई ने कहा कि फिलहाल हमारा ध्यान जांच पर है। उन्होंने कहा, अभी आप सभी मुद्दों को नोट कर लें। फिलहाल हमारा पूरा ध्यान जांच पर है। हमें तुरंत और सही जांच करनी होगी। हम उनसे रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कह रहे हैं। बाकी का फैसला हम बाद में करेंगे।

न्यायालय ने रिहाई का अनुरोध करने वाली अबू सलेम की याचिका पर फैसला सुरक्षित रखा

नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को गैंगस्टर अबू सलेम की उस याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया जिसमें उसने रिहा करने का अनुरोध किया है।

सलेम ने याचिका में दावा किया है कि उसने भारत में जेल में 25 साल पूरे कर लिए हैं, जैसा कि पुर्तगाल से उसके प्रत्यर्पण की शर्तों में तय किया गया था। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ बंबई उच्च न्यायालय के अप्रैल के आदेश को चुनौती देने वाली सलेम की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। सलेम ने याचिका में दावा किया कि उसकी तुरंत रिहा करने की याचिका 'समय से पहले' और 'गलत आधार पर आधारित' बताकर खारिज कर दी गई थी।

पूर्व आप पार्षद ताहिर हुसैन और चार दोषियों को फांसी हो : दिल्ली पुलिस

नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस ने सोमवार को आईबी अधिकारी अंकित शर्मा की हत्या के मामले में पूर्व आप पार्षद ताहिर हुसैन और चार अन्य दोषियों के लिए मौत की सजा की मांग की। पुलिस ने अदालत में कहा कि दोषियों ने पीड़ित पर लगातार हमला करते हुए 'जानवरों के स्तर तक गिरकर' अपराध किया। यह दलील अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश प्रवीण सिंह के समक्ष दी गई। दोषियों की सजा पर कड़कड़डूमा कोर्ट में बहस हुई और अब 31 जुलाई को फैसला आएगा। विशेष लोक अभियोजक मधुकर पांडे ने अदालत को बताया कि अंकित शर्मा का अपहरण कर बेरहमी से हत्या हुई। दोषियों ने उनकी मृत्यु के बाद भी यातना देना जारी रखा। शर्मा के शरीर पर 51 घाव मिले, जिनमें से 18 नुकीले हथियारों से थे। पांडे ने इसे सुनियोजित और जघन्य हत्या बताया। हुसैन के अधिवक्ताओं राजीव मोहन और तारा नरूला ने मौत की सजा का विरोध किया। उन्होंने तर्क दिया कि उनके मुवक्किल की कोई विशिष्ट भूमिका नहीं बताई गई है।

ई-20 से मुनाफे के आरोपों पर नितिन गडकरी का बड़ा कदम

सोशल मीडिया पोस्ट और डीपफेक के खिलाफ हाईकोर्ट पहुंचे

नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने ई-20 इथेनॉल कार्यक्रम से खुद को और अपने परिवार को मुनाफा मिलने का दावा करने वाली मानहानिकारक पोस्ट और डीपफेक सामग्री के खिलाफ बॉम्बे हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है।

हाईकोर्ट ने उन्हें मेटा, अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स और अज्ञात संस्थाओं के खिलाफ दीवानी मुकदमा दायर करने की इजाजत दे दी है।

इन पर ऐसी भ्रामक सामग्रियों को होस्ट करने या फैलाने में मदद करने का आरोप है। मेटा एक अमेरिकी बहुराष्ट्रीय प्रौद्योगिकी कंपनी है, जो फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप और थ्रेड्स जैसे लोकप्रिय सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को चलाती है। इथेनॉल सम्मिश्रण के सबसे प्रमुख समर्थकों में से एक माने जाने वाले नितिन गडकरी ने लेटर पेटेंट के क्लॉज XII के तहत एक याचिका दायर की थी।

नितिन गडकरी ने बॉम्बे हाईकोर्ट का रुख क्यों किया :
मानहानिकारक ऑनलाइन सामग्री और डीपफेक पोस्ट से अपनी छवि की रक्षा के लिए केंद्रीय मंत्री को अदालत का सहारा लेना पड़ा।

ई-20 कार्यक्रम और झूठे दावे
प्रस्तावित याचिका के अनुसार, विवादित सामग्री में सोशल मीडिया पोस्ट और डीपफेक कंटेंट शामिल हैं। इनमें आरोप लगाया गया है कि नितिन गडकरी और उनके परिवार ने ई-20 इथेनॉल कार्यक्रम से मुनाफा कमाया है। याचिका में इस बात को रेखांकित किया गया है कि ई-20 इथेनॉल सम्मिश्रण नीति का संचालन और प्रशासन वास्तव में पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा किया जाता है, न कि गडकरी के मंत्रालय द्वारा।

मामले की सुनवाई के दौरान अदालत में क्या तर्क दिए गए :
इस मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति अभय आहूजा के समक्ष हुई, जहां गडकरी का पक्ष अधिवक्ता संदीप एस लड्डा ने रखा। अधिवक्ता लड्डा ने तर्क दिया कि विवादित ऑनलाइन सामग्रियां मुंबई में उपयोगकर्ताओं के लिए आसानी से उपलब्ध थीं और उन्हें वहीं देखने के उद्देश्य से प्रसारित किया गया था। इससे अदालत के क्षेत्राधिकार में इस मामले की ठोस वजह बनती है।

भारतीय नाविकों की सुरक्षा पर सरकार सख्त

✻ यूक्रेनी राजदूत को तलब, सुनाई खरी-खरी

नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)। काले सागर के समुद्री क्षेत्र में व्यापारिक जहाज को लेकर जा रहे चार भारतीयों पर हुए बड़े हमले के चलते नाविकों की सुरक्षा पर लगातार सवाल खड़े हो रहे हैं। इसके चलते भारतीय विदेश मंत्रालय ने सख्त रुख अपनाते हुए सोमवार को यूक्रेनी राजदूत को तलब किया है।

भारतीय नाविकों वाले जहाज में हुए हमले की बात करें तो यूक्रेन के ओडेसा बंदरगाह के पास हुआ है। इसके दो दिन बाद ही भारतीय दूतावास ने यूक्रेनी राजदूत को तलब किया है। इस हमले के बाद दो भारतीय नाविकों के बारे में पता लगा लिया गया है।

वे सुरक्षित हैं लेकिन अन्य दो अभी भी लापता हैं, जिनका सर्च ऑपरेशन जारी है। राजदूत को भारतीय विदेश मंत्रालय द्वारा तलब करने को लेकर मंत्रालय की तरफ से कहा गया, आज वाणिज्यिक पोत एमवी ओमोर्फी पर हुए हमले के संबंध में यूक्रेन के भारत में राजदूत डॉ. ओलेक्सांद्र पोलिशचुक को विदेश मंत्रालय में तलब किया गया। मंत्रालय ने कहा, मंत्रालय ने घटना पर अपनी गहरी चिंता व्यक्त की और वाणिज्यिक जहाजों पर ऐसे हमलों की कड़ी निंदा करते हुए समुद्री नौवहन की सुरक्षा, नौवहन की स्वतंत्रता और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर उनके प्रतिकूल प्रभाव को रेखांकित किया।

एमईए ने कहा, राजदूत से यूक्रेनी अधिकारियों को वाणिज्यिक जहाजों को निशाना बनाए जाने पर भारत की गहरी चिंता से अवगत कराने का अनुरोध किया गया और यह दोहराया गया कि ऐसे कृत्य, जो निर्दोष नागरिक नाविकों के जीवन को खतरे में डालते हैं, अस्वीकार्य हैं और इनसे बचा जाना चाहिए।

> अब ओडिशा के शिक्षा मंत्री पर संकट

किताबों में 2000 से ज्यादा त्रुटियां नवीन पटनायक ने की इस्तीफे की मांग

भुवनेश्वर, 27 जुलाई (एजेंसियां)। ओडिशा विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और बीजद प्रमुख नवीन पटनायक ने सरकारी स्कूलों में त्रुटिपूर्ण पाठ्यपुस्तकों के वितरण को लेकर स्कूल एवं जनशिक्षा मंत्री नित्यानंद गोंड के इस्तीफे की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया कि छात्रों तक गलतियों से भरी किताबें पहुंचाकर उनका भरोसा तोड़ा गया है।

> कक्षा 1 से 8 तक की पाठ्यपुस्तकों में बड़ी संख्या में हुई गलतियां स्वीकार्य नहीं हैं और इससे शिक्षा व्यवस्था पर लोगों का भरोसा कमजोर हुआ है। शिक्षा मंत्री नित्यानंद गोंड को केंद्रीय शिक्षा मंत्री का उदाहरण अपनाते हुए पद से इस्तीफा दे देना चाहिए।
>
> *नवीन पटनायक, बीजद प्रमुख*

नवीन पटनायक ने कहा कि कक्षा 1 से 8 तक की पाठ्यपुस्तकों में बड़ी संख्या में हुई गलतियां स्वीकार्य नहीं हैं और इससे शिक्षा व्यवस्था पर लोगों का भरोसा कमजोर हुआ है। उन्होंने कहा कि शिक्षा मंत्री नित्यानंद गोंड को केंद्रीय शिक्षा मंत्री रहे धर्मेंद्र प्रधान का उदाहरण अपनाते हुए पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। उन्होंने बताया कि बीजद पिछले दो-तीन सप्ताह से यही मांग कर रही है। रिपोर्ट के अनुसार, राज्य बोर्ड की स्कूल पुस्तकों में 2,000 से अधिक गलतियां सामने आई हैं। इनमें वैज्ञानिक आइजैक न्यूटन को एक बेहतरीन पायलट बताया गया, जबकि ओडिशा की नियामगिरि पहाड़ियों को झारखंड में दर्शाया गया है। एक दिन पहले प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भक्त चरण दास ने चेतावनी दी थी कि यदि शिक्षा मंत्री एक सप्ताह के भीतर इस्तीफा नहीं देते हैं तो कांग्रेस ओडिशा बंद का आह्वान करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि इस्तीफा नहीं देने पर कांग्रेस कार्यकर्ता मंत्री के आवास का घेराव करेंगे। वहीं, माकपा भी इस मुद्दे पर मास्टर कैंटीन चौक पर प्रदर्शन कर रही है। भाजपा के महासचिव बिरंची नारायण त्रिपाठी ने बीजद के नैतिक रुख पर सवाल उठाते हुए पूछा कि जब बीजद सत्ता में थी और उसके कई मंत्रियों पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे थे, तब कितने मंत्रियों ने नैतिक आधार पर इस्तीफा दिया था।

महाराष्ट्र-गुजरात में दो नीट स्टूडेंट्स ने आत्महत्या की

री-एग्जाम के बाद तनाव में थे सुसाइड नोट में लिखा-डॉक्टर बनने का सपना अधूरा रह गया

मुंबई, 27 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के अहिल्यानगर में 19 साल की मेडिकल छात्रा अंकिता सुरेश सांगले ने आत्महत्या कर ली। पुलिस को घटनास्थल से एक सुसाइड नोट मिला है, जिसमें उसने लिखा है कि परीक्षा में उम्मीद के मुताबिक सफलता नहीं मिलने से वह मानसिक तनाव में थी और डॉक्टर बनने का उसका सपना अधूरा रह गया। वहीं, गुजरात के सूरत में 17 साल के नीट-यूजी के छात्र कहान पटेल ने आत्महत्या कर ली। परिजनों का कहना है कि वह परीक्षा से जुड़े तनाव और अनियमितताओं से परेशान था।

पुलिस को सुसाइड नोट मिला

पुलिस को अंकिता के कमरे से एक सुसाइड नोट भी मिला है। इसमें उसने लिखा कि री-एग्जाम में उसे 166 अंक मिले, जबकि कटऑफ 177 अंक था। उसके इस कदम के लिए उसके माता-पिता और भाई को जिम्मेदार न ठहराया जाए।

पीएम पर आपत्तिजनक पोस्ट पर दिल्ली पुलिस का एक्शन

› पोस्ट, वीडियो और कमेंट्स हटाने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को भेजे जाएंगे नोटिस

नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)। जंतर-मंतर पर सीजेपी (सीजेपी) प्रदर्शन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अन्य नेताओं के खिलाफ सोशल मीडिया पर की गई आपत्तिजनक और अभद्र टिप्पणियों पर दिल्ली पुलिस कार्रवाई की तैयारी कर रही है। पुलिस सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी।

सूत्रों के मुताबिक, पुलिस सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को नोटिस जारी कर सकती है। इन नोटिस के जरिए पुलिस आपत्तिजनक पोस्ट, वीडियो और कमेंट्स को हटाने की मांग करेगी। पुलिस का कहना है कि प्रदर्शन के दौरान और उसके बाद अपलोड किए गए कंटेंट की समीक्षा की जा रही है। समीक्षा के बाद अभद्र प्रकृति वाली पोस्ट को हटाने के लिए संबंधित प्लेटफॉर्म्स को नोटिस भेजे जाएंगे।

कंटेंट की पहचान करने का काम जारी

पुलिस सूत्रों ने बताया कि अलग-अलग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर इस तरह के कंटेंट की पहचान करने की प्रक्रिया पहले से ही चल रही है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि क्या कोई कंटेंट किसी कानून का उल्लंघन करता है या उससे सार्वजनिक व्यवस्था बिगड़ने की संभावना है। दिल्ली पुलिस की सोशल मीडिया मॉनिटरिंग टीम इस पूरे मामले पर नजर बनाए हुए है। टीम प्रदर्शन से संबंधित आपत्तिजनक कंटेंट की पहचान करने के लिए पूरे दिन सोशल मीडिया की निगरानी कर रही है।

व्यंग्य, डिजिटल नेटवर्क बने जेन-जी के हथियार

दिल्ली के जंतर-मंतर पर चला 36 दिन का छात्र आंदोलन सिर्फ अपनी मांगों की वजह से चर्चा में नहीं रहा। इसने विरोध प्रदर्शन का एक अलग मॉडल भी पेश किया। यहां न सिर्फ आंदोलन का तरीका बदला, बल्कि आंदोलन करने वाली पीढ़ी की सोच भी अलग दिखाई दी। व्यंग्य, आपसी सहयोग, डिजिटल नेटवर्क, चौबीसों घंटे ऑनलाइन सक्रियता व महिला सुरक्षा जैसे पहलुओं ने इसे बाकी आंदोलनों से अलग बनाया। हालांकि, आखिर के दिनों में कुछ ऐसी घटनाएं भी हुईं, जिन्होंने सवाल भी खड़े किए।

इन चार नए ट्रेंड्स ने आंदोलन की तस्वीर बदली

चंदा नहीं, एप पर मददः इस आंदोलन में मदद का तरीका भी बदला। पारंपरिक आंदोलनों की तरह नकद चंदा या लंगर कम दिखे। देश-विदेश से लोगों ने स्विगी और जोमैटो जैसे प्लेटफॉर्म के जरिए खाना, दवाइयां और दूसरी जरूरत की चीजें सीधे प्रदर्शन स्थलों पर भेजीं। वहां बने एसओएस हेल्प डेस्क पर इनका रिकॉर्ड रखा जाता। सिर्फ अपना नहीं, साथी का भी ध्यानः जंतर-मंतर पर इस तपती गर्मी में छात्र सिर्फ नारे नहीं लगा रहे थे।

महिला सुरक्षा सबसे बड़ी ताकत बनी

आंदोलन में बड़ी संख्या में युवतियां मौजूद रहीं। कई छात्राओं ने कहा कि यहां युवकों के बीच होने के बावजूद सुरक्षित महसूस किया। आंदोलन में छेड़छाड़ या महिला उत्पीड़न जैसी कोई शिकायत नहीं आई। यह आंदोलन के सबसे सकारात्मक पहलू में से एक रहा। इंटरनेट सबसे बड़ा सहाराः नेट बाधित होने के बावजूद आंदोलन की सबसे बड़ी ताकत डिजिटल माध्यम ही रही। मीम्स, रील्स, लाइव स्ट्रीम, एक्स पोस्ट व इंस्टा अपडेट्स के जरिए हर जानकारी देशभर में पहुंचती रही। आंदोलन केवल जंतर-मंतर पर नहीं, बल्कि सोशल मीडिया पर लगातार जीवित रहा।

एकतरफा प्यार का खौफनाक अंजाम

प्रेम प्रस्ताव ठुकराने पर छात्रा पर चाकू से किया हमला, हालत गंभीर

चिदंबरम, 27 जुलाई (एजेंसियां)। तमिलनाडु में एक व्यक्ति ने 16 वर्षीय स्कूली छात्रा की गर्दन पर कथित तौर पर चाकू से हमला किया। जिसके कारण वह जीवन-मरण के लिए संघर्ष कर रही है। आरोप है कि छात्रा ने हमला करने वाले व्यक्ति के प्रस्ताव को बार-बार ठुकरा दिया था।

यह घटना रविवार को तमिलनाडु के कुड्डालोर जिले के कीझामूंगिलाडी गांव में पीड़ित के आवास पर घटी। आरोपी, जिसकी पहचान अयप्पन के रूप में हुई है। वे कक्षा 11 की छात्रा के घर बिजली के काम के लिए अक्सर आता-जाता था। इसी दौरान उसे उससे लगाव हो गया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि उसने नाबालिग से कई बार संपर्क किया, लेकिन उसने लगातार उसके प्रस्तावों को ठुकरा दिया। लड़की की मां, जो एक कपड़ा दुकान में काम पर गई हुई थी। उसकी अनुपस्थिति का फायदा उठाते हुए अयप्पन रविवार को घर में घुस गया। यह जानते हुए कि किशोरी अकेली थी। जब लड़की ने उसे एक बार फिर मना कर दिया, तो उसने चाकू से उस पर हमला कर दिया, जिससे उसकी गर्दन पर गहरा घाव हो गया और फिर वह मौके से फरार हो गया।

खबरें जरा हटके

सांप का भी स्क्रीनटाइम बढ़ रहा है! बच्चे के साथ मजे से कार्टून देख रहा था सांप

लोग बोले-फोन की लत ही ऐसी है

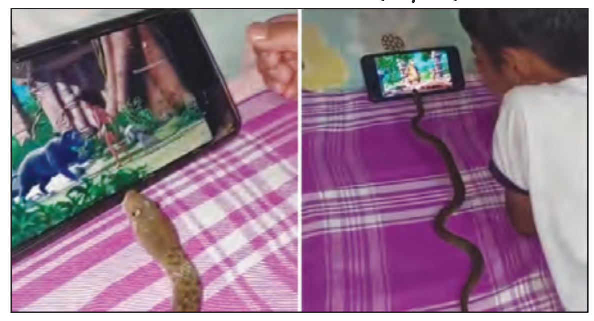

सांप ऐसा नाम है जिसे असल में देखने से पहले ही रूह कांप जाती है। मगर एक बच्चे और सांप का अनोखा वीडियो आपके चेहरे पर मुस्कान ले आएगा। इसमें बच्चा और सांप दोस्तों की तरह आसपास लेटकर वीडियो के मजा ले रहे हैं। सांप फोन पर वीडियो देख रहा था। ये लाइन ही सुनने में अजीब लगती है। लेकिन अब ये अजीब नहीं है। ये लाइन सच हो चुकी है। सांप के वीडियो देखने के विजुअल वायरल हो रहे हैं। ये सांप इतना फ्रेंडली है कि एक बच्चे के साथ वीडियो के मजे ले रहा है। ये अचंभित करने वाला वीडियो आपको भी पसंद आएगा।

वीडियो में एक बच्चा सांप के साथ वीडियो के मजे करता दिखाई दे रहा है। इस वीडियो में दीवार से टिका कर फोन रखा है और सामने सांप के साथ बच्चा भी लेटा हुआ है। वीडियो देखकर आप सिर्फ ये नहीं सोचेंगे कि सांप मजे कर रहा है, आपको इसका प्रूफ भी मिलेगा। दरससल सांप बकायदा गर्दन उठाकर वीडियो देख रहा है। एकटक उसी को देखते हुए उसे फिक्र ही नहीं है कि बगल में एक बच्चा भी लेटा हुआ है। वीडियो पर तरह-तरह के कमेंट आ रहे हैं। एक यूजर ने लिखा है कि ये सांप भी जेन जी है। वहीं दूसरे यूजर का कहना है कि ये नकली सांप है। अन्य यूजर को ये वीडियो देखकर इतनी हंसी आई है कि पेट ही दुखने लगा है।

दुनिया के सबसे बड़े देश पर मकड़ियों ने किया अटैक

जहर से फैला रही आतंक, खतरे में पड़ी लाखों जान!

रूस इन दिनों एक ऐसे खतरे का सामना कर रहा है, जिसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की थी. दुनिया के सबसे बड़े देश के कई हिस्सों में पहली बार जहरीली ब्लैक विडो मकड़ियां देखी गई हैं. इन मकड़ियों की मौजूदगी ने वैज्ञानिकों, स्वास्थ्य विभाग और स्थानीय लोगों की चिंता बढ़ा दी है. विशेषज्ञों का कहना है कि यदि मौजूदा परिस्थितियां बनी रहीं तो आने वाले समय में ये मकड़ियां रूस के और भी उत्तरी इलाकों के साथ-साथ राजधानी मॉस्को तक स्थायी रूप से पहुंच सकती हैं. हाल ही में रूस के कई क्षेत्रों से ब्लैक विडो मकड़ियों के देखे जाने की खबरें सामने आई हैं.

इनमें ओरेनबर्ग, कुर्गान, नोवोसिबिर्स्क, ओम्स्क, सारातोव और स्वेर्दलोव्स्क जैसे इलाके शामिल हैं. खास बात यह है कि इन क्षेत्रों में पहले कभी इस प्रजाति की मौजूदगी दर्ज नहीं की गई थी. यही वजह है कि वैज्ञानिक इस बदलाव को गंभीरता से ले रहे हैं. रूसी कीट वैज्ञानिक फ्योदोर मार्तीनोवचेंको के अनुसार, ब्लैक विडो मकड़ियां अब उन इलाकों में भी दिखाई दे रही हैं जहां पहले का मौसम इनके जीवित रहने के लिए अनुकूल नहीं माना जाता था. उनका मानना है कि बढ़ते तापमान और बदलती जलवायु के कारण अब इन मकड़ियों के लिए नए क्षेत्रों में भी जीवित रहना संभव हो गया है. विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि यदि तापमान में इसी तरह वृद्धि होती रही तो आने वाले वर्षों में इनका दायरा और बढ़ सकता है. रूस की राजधानी मॉस्को में भी इस वर्ष ब्लैक विडो मकड़ियों के कुछ अलग-थलग मामले सामने आए हैं. हालांकि विशेषज्ञों का मानना है कि ये मकड़ियां संभवतः खाद्य सामग्री, सामान या परिवहन के जरिए शहर तक पहुंची होंगी, ना कि यहां उनकी स्थायी आबादी बन चुकी है. फिर भी वैज्ञानिकों का कहना है कि भविष्य में यदि मौसम लगातार गर्म होता रहा तो मॉस्को जैसे इलाकों में भी इनकी स्थायी मौजूदगी संभव हो सकती है. विशेषज्ञ इस पूरे घटनाक्रम के पीछे जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग को प्रमुख कारण मान रहे हैं.

शख्स ने बॉडी में गुदवाया 3 करोड़ 40 लाख का टैटू

बताया कहां हुआ सबसे ज्यादा दर्द, सुई चुभते ही निकल गई जान!

दुनिया में ऐसे कई लोग हैं जो अपने शौक और जुनून के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार रहते हैं. कोई दुर्लभ चीजों का संग्रह करता है, कोई महंगी कारों का शौकीन होता है, तो कोई अपने शरीर को अनोखा रूप देने के लिए लाखों-करोड़ों रुपये खर्च कर देता है. इन दिनों कनाडा के एक ऐसे ही शख्स की कहानी सोशल मीडिया और विदेशी मीडिया में चर्चा का विषय बनी हुई है, जिसने अपने शरीर पर टैटू बनवाने के जुनून में अब तक करीब 5 लाख कनाडाई डॉलर (लगभग 3 करोड़ 40 लाख रुपये) खर्च कर दिए हैं.

इस शख्स का नाम रेमी स्कोफील्ड है. वह पिछले कई वर्षों से अपने शरीर पर लगातार टैटू बनवा रहे हैं. आज उनकी स्थिति यह है कि उनके शरीर का लगभग हर हिस्सा टैटू से ढका हुआ है. केवल चेहरे के कुछ छोटे हिस्से ही ऐसे हैं, जहां अब तक टैटू नहीं बनवाया गया है. रेमी स्कोफील्ड ने बताया कि उनके शरीर में बदलाव की शुरुआत साल 2001 में हुई थी. उस समय उन्होंने सबसे पहले अपने चेहरे पर पियर्सिंग करवाई थी. इसके बाद धीरे-धीरे उन्हें बॉडी मॉडिफिकेशन में दिलचस्पी बढ़ने लगी. हालांकि, टैटू बनवाने का सफर साल 2009 में शुरू हुआ, जब उन्होंने अपने बेटे के नाम का पहला टैटू अपने शरीर पर बनवाया था. यही वह पल था जिसने उनके जीवन की दिशा बदल दी. इसके बाद उन्होंने लगातार नए-नए टैटू बनवाने शुरू कर दिए.

दो दशक से जारी है टैटू का सफर

रेमी बताते हैं कि पिछले करीब 20 वर्षों से वह लगातार अपने शरीर पर काम करवा रहे हैं. उन्होंने केवल नए टैटू ही नहीं बनवाए, बल्कि पुराने टैटू पर भी कई बार नई लेयर चढ़वाई है. उनका कहना है कि शरीर के कई हिस्सों पर 100 से भी अधिक बार नई परतें बनाई जा चुकी हैं, जबकि अधिकांश हिस्सों पर 10 से 40 तक लेयर मौजूद हैं. यही वजह है कि उनका शरीर अब पूरी तरह अलग और अनोखा दिखाई देता है. टैटू की वजह से उनकी पहचान भी दुनिया भर में बन चुकी है.

फिल्म 'महाप्रभु जगन्नाथ' की रिलीज मामला

चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट सहमत

नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को ओडिशा सरकार की उस याचिका पर सुनवाई करने पर सहमति जताई, जिसमें एनिमेटेड फिल्म 'महाप्रभु जगन्नाथ' की रिलीज को चुनौती दी गई थी। इस फिल्म को सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन (सीबीएफसी) से स्क्रीनिंग की मंजूरी मिल चुकी थी। कोर्ट ने ओडिशा सरकार के इस तर्क पर ध्यान दिया कि फिल्म की रिलीज से राज्य में कानून-व्यवस्था की समस्या पैदा हो सकती है। इससे पहले, जस्टिस बी.वी. नागरत्ना और आर. महादेवन की बेंच ने भगवान जगन्नाथ यात्रा के कार्यक्रमों के बाद, 28 जुलाई या उसके बाद इस एनिमेटेड फिल्म को पूरे देश में रिलीज करने की अनुमति दी थी। सोमवार को भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची और वी. मोहना की बेंच के सामने इस याचिका का जिक्र किया गया, और बेंच ने मंगलवार को मामले की सुनवाई करने पर सहमति जताई। सुप्रीम कोर्ट ने कपिल सिब्बल की ओर से दायर एक जनहित याचिका पर केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया है। इस याचिका में संविधान की दसवीं अनुसूची की उस व्याख्या को चुनौती दी गई है, जो विधायकों को राजनीतिक पार्टी के विलय का रास्ता अपनाकर दलबदल विरोधी कानून के तहत अयोग्य होने से बचने की इजाजत देती है।

महबूबा मुफ्ती को अपने बयान पर माफी मांगनी चाहिए थी : उमर अब्दुल्ला

श्रीनगर, 27 जुलाई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सोमवार को कहा कि पीडीपी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती को जंतर-मंतर पर बल प्रयोग के बारे में अपनी टिप्पणी के लिए माफी मांगनी चाहिए थी, न कि इसके लिए एआई जनरेटेड वीडियो को जिम्मेदार ठहराना चाहिए था। मीडिया से बात करते हुए उमर अब्दुल्ला ने महबूबा मुफ्ती पर जम्मू-कश्मीर के बाहर के कुछ वर्गों को खुश करने की कोशिश करने और व्यापक आलोचना के बावजूद अपनी कही बात को न मानने का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री अब्दुल्ला ने कहा कि मुफ्ती जंतर-मंतर पर जम्मू-कश्मीर के लोगों की बात रखने नहीं गई थीं। उन्होंने आरोप लगाया कि मुफ्ती की बातों से कश्मीर घाटी में बल प्रयोग को सही ठहराया गया और उसका समर्थन भी किया गया।

नेपाल में फिर सड़कों पर उतरे जेन-जी

एमबीएस पेपर लीक को लेकर सड़कों पर दिखा छात्रों का आक्रोश

काठमांडू, 27 जुलाई (एजेंसियां)। नेपाल की जेन-जी एक बार फिर से सड़कों पर उतर चुकी है। नेपाल में परीक्षा में हुए पेपर लीक के खिलाफ युवाओं का गुस्सा सड़कों पर देखने को मिल रहा है। एक बार फिर से नेपाल की सरकार के खिलाफ युवाओं का गुस्सा देखने को मिल रहा है। मार्च 2026 में बालेंद्र उर्फ बालेन शाह की सरकार के आने के बाद यह दूसरी बार है जब युवा सड़कों पर उतरे हैं। वहीं, नेपाल पुलिस का कहना है कि पेपर लीक मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। नेपाल पुलिस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, एमबीएस फर्स्ट सेमेस्टर का प्रश्न पत्र लीक करने के आरोप में एक व्यक्ति गिरफ्तार किया गया है।

बालेन शाह की सरकार ने युवाओं को भरोसा दिलाया है कि इस मामले में सख्त कार्रवाई की जाएगी। भारत में मेडिकल एंट्रेंस एग्जाम नीट का पेपर लीक होने के कुछ ही दिनों बाद छात्रों ने विरोध प्रदर्शन किया, जिसके बाद केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा देना पड़ा। भारत में हुए व्यापक प्रदर्शन के बीच नेपाल की सबसे बड़ी यूनिवर्सिटी में भी ऐसी ही एक गड़बड़ सामने आई है।

त्रिभुवन यूनिवर्सिटी के मास्टर ऑफ बिजनेस स्टडीज (एमबीएस) के पहले सेमेस्टर का पेपर 24 जुलाई को लीक हुआ था, उसी दिन भारत में केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने भी इस्तीफा दिया था। यह घटना 25 जुलाई को सामने आई, जब सबूत मिले कि परीक्षा के दौरान पेपर ऑनलाइन उपलब्ध था। द काठमांडू पोस्ट के अनुसार, परीक्षा शुरू होने के ठीक पांच मिनट बाद एक व्हाट्सएप ग्रुप में पेपर सर्कुलेट हो गया, जिससे यूनिवर्सिटी की परीक्षा के दौरान सुरक्षा और गोपनीयता प्रणाली में गंभीर कमियां सामने आईं। इस घटना ने त्रिभुवन यूनिवर्सिटी के परीक्षा सिस्टम की ईमानदारी पर नए सवाल खड़े कर दिए हैं।

'हद हो गई है' प्रियंका गांधी बोलीं

बिहार, बंगाल में छात्रों के खिलाफ फिर एफआईआर दर्ज की गई

नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस पार्टी की नेता प्रियंका गांधी ने सोमवार को एक बार फिर से बीजेपी पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि बीजेपी अपनी आदतों से बाज नहीं आ रही है, अभी भी बिहार और पश्चिम बंगाल में छात्रों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई हैं।

प्रियंका गांधी ने संसद परिसर में मीडियाकर्मियों के एक सवाल के जवाब में कहा, "हद हो गई है, इन्होंने अभी भी एफआईआर दर्ज की है छात्रों के खिलाफ, शायद कल रात को या आज सुबह बिहार में, बंगाल में... ये अपनी आदतों से बाज तो आए नहीं हैं।" उन्होंने आगे कहा कि उन्होंने सुना है कि जो लड़कियां जंतर मंतर पर प्रदर्शन में गई थीं, उनमें से कई लोगों को फोन कर धमकाया जा रहा है कि उनकी बेटियां प्रदर्शन में शामिल क्यों हुईं। इसपर सवाल करते हुए कहा, "क्या मतलब है ये, क्या हमारे देश में लड़की प्रोटेस्ट नहीं की जा सकती।" पैलेट गन और एके-47 के कथित इस्तेमाल पर अन्य सासंदों ने सरकार से सवाल किए। डिंपल यादव ने कहा कि बीजेपी के शासन में छात्रों पर अत्याचार खत्म नहीं हो रहे हैं। दिल्ली में पैलेट गन का इस्तेमाल हुआ और अब बिहार में एके-47 के इस्तेमाल की खबर आ रही है। यह निंदनीय है, बीजेपी सरकार में लोगों की आजादी की भावना को कुचला जा रहा है। कांग्रेस के सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा कि गृह मंत्री कहां छिपे हुए हैं, उन्होंने लोकसभा में आना होगा और इस बात का जवाब देना होगा कि किसने बिहार में छात्रों पर एके-47 और दिल्ली में पैलेट गन के इस्तेमाल की इजाजत दी। लोगों को लग रहा है कि वे ही ये आदेश दे रहे हैं। कांग्रेस के चंडीगढ़ से सांसद मनीष तिवारी ने सवाल किया, "क्या निहत्थे और शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर पैलेट गन और एके-47 का इस्तेमाल करना सही है? इसका सीधा जवाब है कि यह बिल्कुल गलत है। जब भी कोई विरोध-प्रदर्शन होता है, तो घोषणा की जाती है कि धारा 144 लागू है और प्रदर्शनकारियों को वह इलाका छोड़ देना चाहिए।" उन्होंने आगे कहा, अगर प्रदर्शनकारी नहीं हटते, तो वॉटर कैनन का इस्तेमाल किया जाता है, और उसके बाद लाठीचार्ज और आंसू गैस का प्रयोग होता है। जब स्थिति और ज्यादा गंभीर हो जाती है, तभी सबसे वरिष्ठ अधिकारी फायरिंग का आदेश देते हैं। पिछले सोमवार को आपने निहत्थे छात्रों पर पैलेट गन का इस्तेमाल किया, और बिहार का एक वीडियो वायरल हो रहा है।

पंजाब के संगरूर में बीजेपी के कार्यालय पर पेट्रोल बम से हमला, जांच में जुटी पुलिस

चंडीगढ़, 27 जुलाई (एजेंसियां)। पंजाब के संगरूर में बीजेपी के जिला कार्यालय पर पेट्रोल बम से हमला किया गया है। पुलिस के द्वारा इस मामले में जांच की जा रही है। बीजेपी नेताओं का कहना है कि उनकी पार्टी के कार्यालय को निशाना बनाया गया है।

यह घटना शनिवार रात को करीब 2 बजे हुई। पंजाब में विधानसभा चुनाव से पहले यह एक बड़ी घटना है और इससे राज्य की कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं। इससे पहले चंडीगढ़ में भी बीजेपी के कार्यालय पर हमला हो चुका है। पुलिस ने बताया है कि यह हमला पेट्रोल बम से किया गया है। हमले के वक्त कार्यालय में कोई भी मौजूद नहीं था। सोमवार सुबह इस घटना का पता चला तो पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की।

जल्द होगी दोषियों की गिरफ्तारी-पुलिस

इस मौके पर एसपी दविंदर अत्री ने मीडिया को बताया कि बीयर की बोतल में पेट्रोल डालकर बाहर से अंदर बम फेंका गया। उन्होंने बताया कि पुलिस की अलग-अलग टीम इस मामले की जांच कर रही हैं। पुलिस ने मामले में केस दर्ज किया गया है और जल्द ही दोषियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। घटनास्थल पर मौजूद बीजेपी के नेता रणदीप सिंह देओल ने बताया कि सोमवार सवेरे जब बीजेपी के कार्यकर्ताओं ने कार्यालय का ताला खोला तो उन्हें इस बारे में पता चला और उन्होंने पार्टी के नेताओं को सूचना दी।

'दिल्ली में अशांति फैलाने वाले लोगों को किसने फंडिंग की?'

सीजेपी की 'फाइव-स्टार' होटल पार्टी पर सुप्रीम कोर्ट के वकील ने उठाए सवाल

नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद एक होटल में जश्न मनाते हुए कॉकरोच जनता पार्टी के प्रवक्ताओं के डांस करते हुए कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ वकील महेश जेठमलानी ने सीजेपी की फंडिंग पर सवाल उठाया। इन वीडियो में सीजेपी के प्रवक्ता सौरव दास और आशुतोष रांका कुछ अन्य लोगों के साथ, बॉलीवुड गानों पर नाचते हुए दिखाई दिए।

यह घटना नीट पेपर लीक विवाद के बीच धर्मेंद्र प्रधान के केंद्रीय शिक्षा मंत्री का पद छोड़ने के बाद की है। वरिष्ठ वकील महेश जेठमलानी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा, "सच में? सीजेपी की लीडरशिप एक होटल में जीत का जश्न मना रही है! दिल्ली में कई दिनों तक हिंसा होने के बाद, ये तथाकथित युवा एक्टिविस्ट गाना बजाकर नाचने लगे।" उन्होंने आगे पूछा, "इस पूरे आंदोलन के दौरान यात्रा, खाने-पीने, रहने की जगह, साजो-सामान का खर्च किसने उठाया? दिल्ली में अशांति फैलाने वाले लोगों को किसने फंडिंग की।"

कांग्रेस पार्टी के राज्यसभा सांसद पवन खेड़ा ने वकील महेश जेठमलानी के बयान पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा, "हम महेश जेठमलानी को सलाह देते हैं कि शांत रहें, मुंह बंद रखें इसमें उन्हीं का लाभ है और उनकी पार्टी का लाभ है। सही वक्त पर बोलना अच्छा होता है और गलत वक्त पर बोलना में बहुत नुकसान होता है। यह बात उन्हें समझ लेनी चाहिए।" इस मामले पर सीजेपी के प्रवक्ता सौरव दास ने सफाई दी है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, "इससे साफ पता चलता है कि सरकार Gen Z और युवा पीढ़ी की भाषा बिल्कुल नहीं समझते। हम जितनी देर चाहें सड़क पर बैठ सकते हैं। हम नाचते-गाते हुए भी विरोध कर सकते हैं। हम कोल्ड कॉफी पीते हुए भी लोगों को इकट्ठा कर सकते हैं।

'मेरे बच्चे भी मेरी कई बातें नहीं मानते'

गुवाहाटी, 27 जुलाई (एजेंसियां)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने राज्य सरकार में मंत्री केशव महंता की बेटी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ की गई टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उन्हें इस बात का दुख है, लेकिन हर वयस्क व्यक्ति को अपनी राजनीतिक सोच रखने का अधिकार है। सीएम सरमा ने कहा, 'मेरा भाई भी हमेशा मेरी बात नहीं मानता। मेरे बच्चे भी मेरी कई बातें नहीं मानते। जरूरी नहीं कि बच्चों की राजनीतिक विचारधारा उनके माता-पिता जैसी ही हो।

> मेरा भाई भी हमेशा मेरी बात नहीं मानता। मेरे बच्चे भी मेरी कई बातें नहीं मानते। जरूरी नहीं कि बच्चों की राजनीतिक विचारधारा उनके माता-पिता जैसी ही हो। किसी वयस्क बेटे या बेटी के विचारों के लिए माता-पिता को जिम्मेदार ठहराना उचित नहीं है।
>
> *हिमंत बिस्वा सरमा*, सीएम, असम

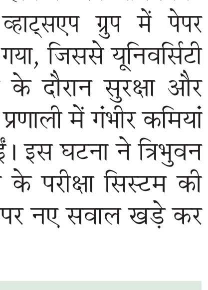

प्रधानमंत्री मोदी के बारे में उनकी बेटी ने जो कहा, उससे मुझे दुख हुआ। जब मैं उससे मिलूंगा तो इस विषय पर बात करूंगा'। उन्होंने कहा कि किसी वयस्क बेटे या बेटी के विचारों के लिए माता-पिता को जिम्मेदार ठहराना उचित नहीं है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा, 'अगर मेरा बेटा कल वकील बनता है और किसी ऐसे व्यक्ति का केस लड़ता है जिसे मैं पसंद नहीं करता, तो उसके लिए मुझे जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता'। मुख्यमंत्री ने मंत्री केशव महंता का भी बचाव किया। उन्होंने कहा कि केशव महंता इस समय ऐसी जिम्मेदारी निभा रहे हैं, जिसमें उन्हें राज्य के बाढ़ प्रभावित लोगों की मदद करनी है। ऐसे समय में उन पर मानसिक दबाव डालने से किसी का भला नहीं होगा। देश भर में नीट पेपर लीक के क्रम में गुवाहाटी में भी छात्रों ने विरोध-प्रदर्शन किया। जिसमें राज्य के मंत्री केशव महंता की बेटी दिविशा महंता भी शामिल हुईं। इस दौरान उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री और प्रधानमंत्री पर कई टिप्पणियां भी की, जो सोशल मीडिया पर काफी तेजी से वायरल हुआ।

सुविचार: असफलता से घबरा कर पीछे मत हटो। ये वो सीढ़ियां जो आपको एक दिन सफलता के शिखर पर ले जाएंगी।

कल्याणकारी योजना एक निवेश है मुफ्त की सुविधा नहीं : भट्टी

उपमुख्यमंत्री ने केंद्रीकृत सामुदायिक रसोई का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने जोर देकर कहा कि कल्याणकारी योजनाएं मुफ्त उपहार नहीं हैं, बल्कि सरकार द्वारा अपनी जनता में किए गए निवेश हैं।

उन्होंने उन लोगों की कड़ी आलोचना की जो अधूरी समझ के आधार पर कल्याणकारी योजनाओं को मुफ्त का नाम देते हैं। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार सरकारें उद्योगों, अवसंरचना और विकास परियोजनाओं में निवेश करती हैं, उसी प्रकार वे जनता, विशेषकर गरीबों, दलितों, पिछड़े समुदायों और समाज के सभी वर्गों में भी निवेश करती हैं। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि इस प्रकार के निवेश नागरिकों को सामाजिक और आर्थिक रूप से प्रगति करने में मदद करते हैं। भट्टी विक्रमार्क ने सोमवार को मधिरा विधानसभा क्षेत्र में केंद्रीकृत सामुदायिक रसोई का उद्घाटन किया, जो सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले छात्रों को पौष्टिक नाश्ता प्रदान करेगी। एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेतृत्व वाली जन सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि तेलंगाना में कोई भी बच्चा भूखा न रहे। उन्होंने कहा, वित्तीय बाधाओं के बावजूद, सरकार ने छात्रों को हर सुबह स्वच्छ, स्वादिष्ट और पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के लिए मुफ्त नाश्ता योजना शुरू की है, जिससे उनके शारीरिक और मानसिक विकास को बढ़ावा मिलेगा।

यह योजना अब मधिरा निर्वाचन क्षेत्र से शुरू होकर सभी सरकारी स्कूलों में लागू कर दी गई है। उन्होंने कहा, तेलंगाना भर में 27 लाख छात्रों को एक साथ गर्म नाश्ता परोसना एक ऐतिहासिक निर्णय है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने 27 लाख सरकारी स्कूल के छात्रों और 7 लाख आवासीय स्कूल के छात्रों को हर सुबह गर्म नाश्ता परोसने की भारी जिम्मेदारी अपने कंधों पर ली है।

भट्टी विक्रमार्क ने टिप्पणी की कि किसी अन्य राज्य या देश ने इतने बड़े पैमाने पर नाश्ता कार्यक्रम लागू नहीं किया है, और कहा कि जो कभी असंभव लगता था वह दृढ़ संकल्प और जन प्रतिबद्धता के माध्यम से संभव हो गया है। उपमुख्यमंत्री ने बताया कि यह कार्यक्रम हरे कृष्णा मिशन के सहयोग से चलाया जा रहा है, जिसने अत्याधुनिक और स्वच्छ रसोईघर स्थापित किए हैं। फिलहाल, मधिरा स्थित अस्थायी केंद्रीकृत रसोईघर 16 मंडलों के स्कूलों को नाश्ता उपलब्ध करा रहा है, और राज्य भर में स्थायी केंद्रीकृत रसोईघर अगले तीन महीनों के भीतर तैयार हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि नाश्ते के अलावा, सरकार छात्रों के पोषण में सुधार के लिए सप्ताह में तीन दिन दूध और तीन दिन रागी का दलिया भी उपलब्ध करा रही है।

रिमांड कैदी को फिर से पकड़ा

सिद्दिपेट, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सिद्दिपेट पुलिस ने पुलिस कस्टडी से भागे रिमांड कैदी को 24 घंटे के अंदर पकड़ लिया।

कैदी साईं कुमार को शनिवार को सामान्य स्वास्थ्य जांच के लिए पुलिस गाड़ी में सिद्दिपेट के सरकारी अस्पताल ले जाया जा रहा था, तभी वह हथकड़ी खोलकर भाग निकला।

बाद में, उसने कोमाटीचेरुवु बंड से एक बाइक चुराई और सिद्दिपेट शहर से भाग गया। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज की जांच करके उसका पता लगाया। रविवार को उसे कामारेड्डी रेलवे स्टेशन के पास हिरासत में ले लिया गया।

फिर से रिमांड पर भेज दिया गया। पुलिस कमिश्नर रश्मि पेरुमल ने 24 घंटे के भीतर उस व्यक्ति का पता लगाने के लिए पुलिस टीम की सराहना की।

विवेक ने रोजगार, खनन और एससीसीएल पेंशन के लिए केंद्र सरकार से समर्थन मांगा

मंत्री ने नई दिल्ली में केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात की

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। शक्ति (श्रम, रोजगार, प्रशिक्षण एवं कारखाना) और खान मंत्री डॉ.जी. विवेक वेंकटस्वामी ने पेद्दापल्ली सांसद गड्डम वामसी कृष्णा के साथ सोमवार को नई दिल्ली में केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात की और तेलंगाना के विकास के लिए महत्वपूर्ण कई मुद्दों पर केंद्र का समर्थन मांगा। चर्चाओं में रोजगार सृजन, कौशल विकास, खनन, बुनियादी ढांचे के विस्तार और श्रम कल्याण पर ध्यान केंद्रित किया गया। प्रतिनिधिमंडल ने सबसे पहले केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया से मुलाकात की और तेलंगाना में श्रम कल्याण पहलों का विस्तार करने, अधिक रोजगार के अवसर पैदा करने और केंद्रीय योजनाओं के कार्यान्वयन को मजबूत करने के लिए केंद्र से अधिक समर्थन की मांग की। बाद में, उन्होंने कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री जयंत चौधरी से मुलाकात की और युवाओं के लिए उन्नत कौशल प्रशिक्षण, उन्नत प्रौद्योगिकी केंद्रों (एटीसी) के विकास और उभरती रोजगार आवश्यकताओं के अनुरूप उद्योग-उन्मुख प्रशिक्षण कार्यक्रमों के विस्तार पर चर्चा की। प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी से भी मुलाकात की और उनसे पेद्दापल्ली संसदीय क्षेत्र के लिए रणनीतिक महत्व रखने वाली ताडिचेरला-II कोयला खनन परियोजना को शीघ्र पूरा करने का आग्रह किया। उन्होंने अनुरोध किया कि परियोजना को बिना किसी देरी के पूरा किया जाए और स्थानीय युवाओं को कम से कम 1,000 रोजगार के अवसर प्रदान किए जाएं, जिनमें परियोजना से प्रभावित गांवों के निवासियों को प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने विस्थापित परिवारों के लिए पुनर्वास और पुनर्स्थापन पैकेज के तहत व्यापक पुनर्वास और पुनर्स्थापन उपायों की भी मांग की। मंत्री और सांसद ने केंद्र से सिंगारेणी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) के सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए न्यूनतम 10,000 रुपये की मासिक पेंशन सुनिश्चित करने का अनुरोध किया, साथ ही अपर्याप्त पेंशन प्राप्त करने वाले हजारों सेवानिवृत्त श्रमिकों की वित्तीय कठिनाइयों को भी उजागर किया। उन्होंने सिंगारेनी के परिचालन के विस्तार, नई कोयला खदानों के विकास और खनन प्रभावित क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए केंद्र से समर्थन की भी मांग की। केंद्रीय मंत्रियों ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि तेलंगाना सरकार द्वारा प्रस्तुत प्रस्तावों पर सकारात्मक रूप से विचार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ताडिचेरला-II परियोजना के शीघ्र क्रियान्वयन, स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार, पुनर्वास पैकेज के कार्यान्वयन और सेवानिवृत्त सिंगारेनी श्मिकों के लिए बढ़ी हुई पेंशन से संबंधित मुद्दों पर संबंधित विभागों के साथ चर्चा की जाएगी और उचित कार्रवाई की जाएगी। इस अवसर पर बोलते हुए विवेक वेंकटस्वामी ने कहा, तेलंगाना सरकार राज्य के विकास को बढ़ावा देने, युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने, श्मिक कल्याण को मजबूत करने और खनन क्षेत्र के विकास में तेजी लाने के लिए केंद्र सरकार के साथ मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध है। हम तेलंगाना के हितों से जुड़े हर मुद्दे को आगे बढ़ाने और यहां की जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए प्रयासरत रहेंगे।

उत्तर प्रदेश के स्पीकर ने तेलंगाना विधानसभा का दौरा किया

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना अपनी पत्नी अनीता महाना के साथ सोमवार को तेलंगाना विधानसभा पहुंचे। तेलंगाना विधानसभा अध्यक्ष गड्डम प्रसाद कुमार ने अतिथि गणमान्य व्यक्तियों का हार्दिक स्वागत किया। उन्होंने उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष और उनकी पत्नी को शॉल और फूलों का गुलदस्ता भेंट किया और उन्हें स्मृति चिन्ह भी दिया। बाद में, दोनों अध्यक्षों ने विधानसभा अध्यक्ष के कक्ष में एक बैठक की, जहां उन्होंने तेलंगाना और उत्तर प्रदेश विधानसभाओं के कामकाज पर चर्चा की। विधान परिषद सचिव डॉ.वी. नरसिम्हा चार्युलु, विधानसभा सचिव रेंडला तिरुपति और अन्य अधिकारी बैठक में उपस्थित थे।

उज्जयिनी महाकाली बोनालु उत्सव के लिए श्रीधर बाबू को आमंत्रित किया

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद स्थित श्री उज्जयिनी महाकाली मंदिर के शासी निकाय के सदस्यों ने तेलंगाना के सूचना प्रौद्योगिकी, उद्योग और विधायी मामलों के मंत्री डी. श्रीधर बाबू को आषाढ़ मास बोनालू समारोह में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया है। मंदिर के शासी निकाय के सदस्यों और पुजारियों सहित एक प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को सचिवालय में मंत्री से मुलाकात की और उन्हें आधिकारिक निमंत्रण पत्र प्रस्तुत किया। उन्होंने उनसे 2 अगस्त को होने वाले बोनालू उत्सव और 3 अगस्त को होने वाले रंगम और ध्वजारोहण समारोहों में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने का अनुरोध किया। कार्यकारी अधिकारी मनोहर रेड्डी के नेतृत्व में, मंदिर के पुजारी रामतीर्थ शर्मा और वेनुमाधवा शर्मा ने मंत्री को वैदिक आशीर्वाद प्रदान किया।

इस अवसर पर मंदिर समिति के सदस्य देवीवारा प्रसाद, मंत्री सोनल, मल्लिकार्जुन, गंता गीता और किरण मुप्पिदी भी उपस्थित थे।

महिलाओं के आरक्षण की मांग को लेकर जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन तेज हुआ

दूसरे सप्ताह में प्रवेश किया

नई दिल्ली, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। महिला आरक्षण के लिए राष्ट्रीय गठबंधन (एनसीडब्ल्यूआर) ने जंतर-मंतर पर अपना आंदोलन तेज कर दिया है। संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण को तत्काल लागू करने की मांग को लेकर चल रहा उसका अनिश्चितकालीन धरना दूसरे सप्ताह में प्रवेश कर गया है। दिल्ली, हरियाणा और कई अन्य राज्यों की महिलाओं, छात्रों, युवा संगठनों और कामकाजी महिला समूहों के प्रतिनिधियों ने इस विरोध प्रदर्शन में भाग लिया।

विरोध प्रदर्शन कर रही महिलाओं को संबोधित करते हुए, ए आ ई डी ड ब ल य ू ए , ए न ए फ आ ई ड ब ल य ू , एआईपीडब्ल्यूए, सीआईटीयू और अन्य संगठनों के नेताओं ने आरोप लगाया कि महिला आरक्षण अधिनियम पारित होने के बावजूद, केंद्र सरकार जनगणना और परिसीमन को पूर्व शर्त बताकर इसके कार्यान्वयन में लगातार देरी कर रही है।

उन्होंने इसे महिलाओं के साथ घोर अन्याय और देश की लोकतांत्रिक संस्थाओं में उनकी समान भागीदारी को अनिश्चित काल के लिए टालने का प्रयास बताया। उन्होंने मांग की कि इन प्रक्रियाओं का इंतजार किए बिना आरक्षण को तुरंत लागू किया जाए, यह तर्क देते हुए कि महिलाओं के समान राजनीतिक प्रतिनिधित्व को और अधिक स्थगित नहीं किया जा सकता है। वक्ताओं ने शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन पर लगाए गए प्रतिबंधों की भी आलोचना की और कहा कि लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा की जानी चाहिए। प्रदर्शनकारियों ने संकल्प लिया कि वे आंदोलन जारी रखेंगे और महिला आरक्षण अधिनियम लागू होने तक इस अभियान को राष्ट्रव्यापी स्तर पर फैलाएंगे। अखिल भारतीय लोकतांत्रिक महिला संघ की राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व सांसद पी.के. श्रीमाथी; राष्ट्रीय भारतीय महिला महासंघ की वरिष्ठ नेता एनी राजा, श्वेता राज, सागरिक, जॉयसिया , सुधा सुनीता ने सभा को संबोधित किया।

'इंदिरम्मा हाउस' की मांग को लेकर टावर से कूदने की धमकी

नलगोंडा, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को मिर्यालगुडा शहर में तनाव फैल गया जब एक व्यक्ति मोबाइल टावर पर चढ़ गया और कूदने की धमकी दी। उसका आरोप था कि पात्र होने के बावजूद उसे 'इंदिरम्मा हाउस' नहीं दिया गया।

चैतन्य नगर कॉलोनी के रहने वाले पेंटर मोहम्मद यूनुस ने कहा कि 'इंदिरम्मा हाउस' के लिए की गई उनकी बार-बार की गुहारों पर कोई ध्यान नहीं दिया गया। खबरों के अनुसार, अधिकारियों की कथित उदासीनता से परेशान होकर वह मोबाइल टावर पर चढ़ गया और अपनी जान देने की धमकी दी।

उसने मांग की कि अगर उसे कुछ हो जाए तो अधिकारी उसकी पत्नी को 'इंदिरम्मा हाउस' आवंटित करें। सूचना मिलने पर, टू-टाउन सर्कल इंस्पेक्टर सोमा नरसय्या, सब-इंस्पेक्टरों और अन्य पुलिसकर्मियों के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने यूनुस को समझाया और उसे अपना विरोध छोड़ने और सुरक्षित नीचे उतरने के लिए राजी किया। खबरों के मुताबिक, तमाम अपीलों के बावजूद यूनुस नहीं माना।

हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसीहोल्डर्स के लिए कैशलेस इलाज की सुविधा रोकी

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना स्पेशलिटी हॉस्पिटल्स एसोसिएशन (टीएसएचए) ने केयर हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसीहोल्डर्स के लिए कैशलेस इलाज की सुविधा रोक दी है। इससे हेल्थकेयर प्रोवाइडर्स और इंश्योरेंस कंपनियों के बीच बढ़ते तनाव का पता चलता है।

सोमवार को हैदराबाद में जारी एक बयान में टीएसएचए ने कहा कि उसने केयर हेल्थ इंश्योरेंस को पहले ही बता दिया है कि उसके सदस्य अस्पताल तुरंत कैशलेस सेवाएं बंद कर देंगे।

टीएसएचए ने अपने बयान में कैशलेस इलाज रोकने के पीछे कई लगातार चल रही समस्याओं का ज़िक्र किया, जैसे मनमाने ढंग से क्लेम में कटौती, बिना वजह क्लेम खारिज करना, सेटलमेंट में देरी, एकतरफा तरीके से पैनल से हटाना और बातचीत में सही प्रतिक्रिया न मिलना।

तेलंगाना में मरीजों को तुरंत परेशानी का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि उन्हें अब पहले नकद भुगतान करना होगा और बाद में रीइम्बर्समेंट लेना होगा। साथ ही, यह घटनाक्रम क्लेम मैनेजमेंट और प्रोवाइडर संबंधों से जुड़ी गहरी सिस्टम की समस्याओं को भी उजागर करता है।

सेवाएं रुकने के कारण, टीएसएचए के सदस्य अस्पतालों में इलाज कराने वाले पॉलिसीहोल्डर्स को पॉलिसी की शर्तों के तहत रीइम्बर्समेंट क्लेम करने से पहले बिल का भुगतान सीधे करना होगा। जिन परिवारों को महंगे इलाज की जरूरत है, उनके लिए यह स्थिति आर्थिक बोझ का कारण बन सकती है। टीएसएचए ने संकेत दिया है कि अगर केयर हेल्थ इंश्योरेंस कोई ठोस सुधारात्मक कदम उठाता है, तो वे बातचीत के लिए तैयार हैं। इससे पता चलता है कि इस कदम का मकसद हमेशा के लिए संबंध तोड़ना नहीं, बल्कि संस्थागत बातचीत के लिए मजबूर करना है।

सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए स्वयंसेवकों को प्रशिक्षण

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद ट्रैफिक पुलिस ने सोसाइटी फॉर साइबराबाद सिक्योरिटी काउंसिल (एससीएससी) के सहयोग से पुलिस आयुक्त सभागार में एक ट्रैफिक स्वयंसेवक रिफ्रेशर कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें सड़क सुरक्षा, यातायात प्रबंधन और आपातकालीन प्रतिक्रिया पर सत्रों में 60 से अधिक स्वयंसेवकों ने भाग लिया। डिशनल डीसीपी (ट्रैफिक-I) हनुमंताव ने स्वयंसेवकों से सुरक्षा सर्वोपरि रहने और वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग, शराब पीकर गाड़ी चलाना, ओवरस्पीडिंग और फ्री-लेफ्ट नियमों का उल्लंघन जैसे अपराधों को रोकने में सहयोग करने का आग्रह किया। एससीएससी के सीईओ नावेद ने विशेष रूप से मानसून के मौसम में भीड़भाड़ कम करने के लिए कारपूलिंग को बढ़ावा देने और कार्यालय के समय में बदलाव करने पर जोर दिया। स कार्यक्रम में यशोदा हॉस्पिटल्स द्वारा बेसिक लाइफ सपोर्ट (बीएलएस) और सीपीआर प्रशिक्षण तथा ट्रैफिक ट्रेनिंग इंस्टीट्यट द्वारा सड़क सुरक्षा और स्वयंसेवी जिम्मेदारियों पर एक सत्र भी शामिल था। मूल्यांकन सफलतापूर्वक पूरा करने वाले प्रतिभागियों को "ट्रैफिक स्वयंसेवी पहचान पत्र और प्रमाण पत्र" प्राप्त होंगे। ससीएस की रणनीतिक संचालन निदेशक रश्मी, सड़क सुरक्षा एवं यातायात प्रबंधन फोरम के संयुक्त सचिव राजेश बालाराजू, सड़क सुरक्षा एवं यातायात प्रबंधन फोरम की सह-प्रमुख रत्ना शर्मा, महेश और यातायात फोरम के सदस्य भी उपस्थित थे।

बर्ड एटलस ने 248 पक्षी प्रजातियों का रिकॉर्ड बनाया

संगारेड्डी, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद बर्ड एटलस का चौथा सीजन पूरा हो गया है। यह वर्ल्ड वाइल्डलाइफ फंड फॉर नेचर-इंडिया, हैदराबाद बर्डिंग पाल्स और डेक्कन बर्डर्स की एक संयुक्त नागरिक विज्ञान पहल है। इस सीज़न में तीन और पक्षी प्रजातियां एचबीए में जोड़ी गईं, जिससे हैदराबाद में अब तक पहचानी गई पक्षी प्रजातियों की कुल संख्या 248 हो गई है।

चार सीजन पूरे होने के साथ अब कुल 248 पक्षी प्रजातियों का रिकॉर्ड बना लिया है। चौथे सीजन के दौरान जोड़ी गई तीन नई प्रजातियां थीं- ग्रेटर फ्लेमिंगो, येलो-फुटेड ग्रीन-पिजन और ब्राउन-कैप्ड पिग्मी वुडपेकर।

हैदराबाद भर में पक्षियों के सर्वे के लिए कुल मिलाकर 1,250 घंटे से ज़्यादा का समय दिया। यह तीसरे सीजन की तुलना में वॉलंटियर्स के काम के घंटों में 44 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि है। इस सीजन के दौरान, प्रतिभागियों ने राज्य की राजधानी में 158 पक्षी प्रजातियों और 75,000 से ज्यादा पक्षियों का रिकॉर्ड बनाया। हालांकि प्रजातियों की संख्या मॉनसून 2025 सीजन के दौरान रिकॉर्ड की गई 166 प्रजातियों की तुलना में थोड़ी कम है, लेकिन वॉलंटियर्स द्वारा रिकॉर्ड की गई जानकारी की समीक्षा अभी भी डेटा समीक्षा टीम द्वारा की जा रही है, और प्रजातियों की अंतिम संख्या में थोड़ा बदलाव हो सकता है।

पिता के बाइक न खरीद पाने पर 18 साल के लड़के ने जान दी

मेदक, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। माता-पिता के बाइक न खरीद पाने से परेशान होकर, 18 साल के एक युवक ने रविवार को पोलाम्पल्ली में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक, माराबोयिना श्रीकांत (18) ने हाल ही में अपनी इंटरमीडिएट की पढ़ाई पूरी की थी। वह अपने परिवार से मोटरबाइक खरीदने की ज़िद कर रहा था, लेकिन उसके पिता ने और समय मांगा क्योंकि उनके पास पैसे नहीं थे।

बताया जाता है कि शनिवार रात इसी बात को लेकर श्रीकांत की अपने माता-पिता से बहस हुई थी। रविवार सुबह वह खेत में सिंचाई करने गया था।

श्रीकांत ने अपनी माँ को फ़ोन किया और उन्हें अपनी जान देने के फ़ैसले के बारे में बताया। जब वह भागकर खेत पहुंची, तो श्रीकांत पेड़ से लटका हुआ मिला। इस घटना से परिवार और पूरा गांव सदमे में है। चेगुंटा पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

भाकृ अनुप - केन्द्रीय बारानी कृषि अनुसन्धान संस्थान
ICAR - Central Research Institute for Dryland Agriculture
संतोषनगर, सैदाबाद पोस्ट, हैदराबाद - ५०००५९, Santoshnagar, Saidabad (P.O.), Hyderabad-500 059.
Ph: 040-24530161, 24530163, 24530157, Fax: 040-24531802, 24535336
www.icar-crida.res.in E-mail: hoa.crida@icar.org.in

विज्ञापन सं. 10/2026/एससीएसपी

साक्षात्कार के माध्यम से दि.11-08-2026 के 10.00 बजे, यंग प्रोफेशनल--। (1 पद) के अस्थायी पद को भरा जायेगा। ज्यादा जानकारी के लिए पोर्टल: http://www.icar-crida.res.in/ पर जाएं।

हस्ता./-
सहायक प्रशासन अधिकारी

यूपी में सरकारी प्राइमरी स्कूल सरयू नदी में समाया

नहर टूटी, फसलें डूबीं, लखनऊ-बहराइच में बारिश, 75 शहरों में अलर्ट

लखनऊ/वाराणसी/प्रयागराज/कानपुर, 27 जुलाई (एजेंसियां)। यूपी में आज यानी सोमवार से मानसून एक बार रफ्तार पकड़ेगा। सुबह से कानपुर और अयोध्या समेत 40 से ज्यादा शहरों में बादल छाए हैं। दोपहर में लखनऊ और बहराइच में बारिश मौसम विभाग (आईएमडी) ने प्रदेश के सभी 75 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है।

लखीमपुर और बहराइच में बहुत भारी बारिश की चेतावनी दी गई है। लोगों को जरूरी होने पर ही घरों से बाहर निकलने की सलाह दी है।

उधर, पहाड़ों पर हो रही बारिश की वजह से यूपी में नदियां उफान पर हैं। बलिया में सोमवार सुबह 7 बजे सरकारी प्राइमरी स्कूल सरयू नदी में समा गया। सिर्फ 3 सेकंड में पूरा भवन नदी के बहाव में ढह गया। रविवार को इसी स्कूल का आधा हिस्सा नदी में गिर गया था।

वहीं, बलिया के ही दोहरीघाट इलाके में नहर का तटबंध टूटने से सैकड़ों एकड़ धान की फसल पानी में डूब गई। इससे पहले, रविवार को लखनऊ, कानपुर, नोएडा और बिजनौर में झमाझम बारिश हुई। उन्नाव में लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेस-वे की सड़क धंस गई। हालांकि, सूचना मिलते ही एनएचएआई की टीम ने मौके पर पहुंचकर इसे दुरुस्त करा दिया। इसके अलावा, खराब मौसम के कारण काठमांडू जा रही एक इंटरनेशनल फ्लाइट को लखनऊ डायवर्ट करना पड़ा।

लखनऊ के मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया- मानसूनी रेखा एक बार फिर से यूपी की तरफ बढ़ रही है। साथ ही बंगाल की खाड़ी में बना कम दबाव का क्षेत्र भी और मजबूत हो रहा है। इस वजह से पूर्वी और पश्चिमी दोनों हिस्सों में बढ़िया बारिश के आसार बन रहे हैं।

जेल में तेजप्रताप, आकाश का पोस्ट- वक्त सबका हिसाब करता है

बेऊर में लालू के बेटे की तबीयत बिगड़ी जेल का खाना खाने से मना किया

पटना, 27 जुलाई (एजेंसियां)। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे और जनशक्ति जनता दल(जेजेडी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजप्रताप यादव को पुलिस ने गिरफ्तार कर 14 दिन की न्यायिक हिरासत में बेऊर जेल भेज दिया है। तेजप्रताप की जमानत याचिका फाइल की गई है। सीने में दर्द होने की वजह से जेल में ही मेडिकल ऑब्जर्वेशन मे रखा गया है। जानकारी के मुताबिक तेजप्रताप जेल का खाना खाने से मना कर रहे हैं। जेल अधिकारियों के काफी मान-मनौव्वल के बाद उन्होंने सोमवार की सुबह नास्ते में रोटी, दाल और सब्जी खाई।

तेजप्रताप के खिलाफ पटना के गांधी मैदान थाने में 12 से अधिक धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। इनमें हत्या के प्रयास, अश्लील प्रदर्शन, दंगा भड़काने समेत कई गंभीर आरोप शामिल हैं।

बिहार बंद के दौरान हुए उपद्रव के मामले में तेजप्रताप को गिरफ्तार किया गया। शनिवार रात करीब 12:15 बजे पुलिस उन्हें नौबतपुर थाने से छज्जूबाग स्थित मजिस्ट्रेट

कोर्ट लेकर पहुंची थी। वहां से अदालत ने उन्हें जेल भेज दिया है।

इधर, अनुष्का के भाई आकाश यादव ने उज्जैनी को गोद में लेकर एक वीडियो शेयर किया है। वीडियो के बैकग्राउंड में कहा जा रहा है कि बदला समय लेता है, इंसान नहीं। जिसने जैसा बोया है वैसा ही काटेगा। तू बस शांत और सच्चा रह, वक्त सबका हिसाब बराबर करता है।

मैं विजय कुमार तिवारी, उम्र 44 साल, वर्तमान में सहायक अनुभाजन पदाधिकारी के पद पर कार्यरत हूं। 25 जुलाई को जिलाधिकारी, पटना के आदेश पर बिहार बंद के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए मुझे गांधी मैदान गेट संख्या-10 पर दंडाधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया था। वहां पहले से ही बड़ी संख्या में पुलिस पदाधिकारी और पुलिस बल तैनात थे। करीब 12:30 बजे सीजेपी (कॉकरोच जनता पार्टी) और ऑल इंडिया स्टूडेंट एसोसिएशन (एआईएसए) के बैनर तले बड़ी संख्या में लोग गांधी मैदान गेट संख्या-10 पर झंडा-बैनर लेकर जुटने लगे। वे प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी कर रहे थे। प्रशासन की ओर से प्रदर्शनकारियों को समझाया गया कि बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव-2026 के कारण इस क्षेत्र में आदर्श आचार संहिता लागू है। इसलिए बिना अनुमति के किसी भी प्रकार का प्रदर्शन करना गैरकानूनी है। माइक के माध्यम से कई बार घोषणा कर उन्हें बताया गया कि उनके पास प्रदर्शन की कोई वैध अनुमति नहीं है। इसके बावजूद करीब 1000 लोगों की भीड़ वहां जुट गई। इसी दौरान प्रदर्शनकारी उग्र हो गए और गेट संख्या-10 के पास तैनात पुलिस बल पर ईंट-पत्थर फेंकने लगे। वे लगातार प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते रहे।

कोरिया की महिला पर्यटक को बंदर ने काटा

ताजमहल घूम रहीं थीं, एक घंटे तक दर्द से तड़पती रहीं

आगरा, 27 जुलाई (एजेंसियां)। आगरा में ताजमहल पर एक बंदर ने कोरिया की महिला पर्यटक पर हमला कर दिया। बंदर ने पर्यटक के हाथ में काट लिया। उसके हाथ से खून की धारा बह निकली। करीब एक घंटे तक पर्यटक को एंबुलेंस नहीं मिली। वह दर्द से तड़पती रही।

तब महिला के साथी ने वहां पर मौजूद लोगों से पूछा कि व्हेयर वी गो? इसके बाद घायल महिला पर्यटक को ताजमहल में स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। यहां प्राथमिक उपचार किया गया। एंबुलेंस नहीं आने पर पर्यटक को बैटरी कार बुलाकर शांति मांगलिक अस्पताल भेजा गया।

महिला पर्यटके दर्द से तड़पने का वीडियो सामने आया है। वहीं भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने लापरवाही बरतने वाले एंबुलेंस चालक के विरुद्ध सीएमओ को रिपोर्ट भेजी है।

एके-47 से फायरिंग करनेवाला पुलिसकर्मी सस्पेंड

एसपी के बॉडीगार्ड ने भीड़ की ओर चलाई थी गोलियां एससी पहुंचा मामला, राहुल बोले- जानलेवा सिस्टम

सीवान, 27 जुलाई (एजेंसियां)। छात्रों पर लाठीचार्ज और धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को लेकर 25 जुलाई को बिहार बंद बुलाया गया। इस दौरान पूरे प्रदेश में जमकर हंगामा और बवाल हुआ। 11 जिलों से पथराव और लाठीचार्ज की खबर आई। सबसे ज्यादा हंगामा सीवान में हुआ। जहां प्रदर्शनकारियों पर फायरिंग की गई। अब इस मामले में कार्रवाई हुई है, सीवान में स्टूडेंट प्रोटेस्ट के दौरान एके-47 से फायरिंग करने वाले एसपी पूरन झा के बॉडीगार्ड अभिषेक पटेल को सस्पेंड कर दिया गया है।

इस मामले (सीवान में 10 राउंड सीधी फायरिंग) को प्रमुखता से दिखाया था। फायरिंग में तीन छात्रों को गोली लगी थी।

अब ये मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। राजद के राज्यसभा सांसद मनोज झा ने जनहित याचिका दायर की है। मामले पर कल सुनवाई होगी। पूरे मामले पर राहुल गांधी ने सरकार पर निशाना साधते हुए X पर लिखा- पूरा सिस्टम ही जानलेवा है। इधर, सीजेपी के प्रवक्ता सौरभ दास और आशुतोष रांका ने कहा है कि छात्रों के खिलाफ कार्रवाई को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

छात्र संगठनों के बिहार बंद और विरोध-प्रदर्शन के दौरान सीवान में तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई थी। प्रदर्शन के बीच एसपी पूरन झा के बॉडीगार्ड ने भीड़ की दिशा में एके-47 से फायरिंग की, जिसका वीडियो भी सामने आया।

वीडियो सामने आते ही पुलिस की कार्रवाई और बल प्रयोग पर सवाल उठने लगे।

अखिलेश बोले- भाजपा शिक्षा व्यवस्था को चौपट कर रही

टास्क फोर्स बनाने में देरी क्यों की, राम गोपाल ने कहा- पेपर लीक कानून से नहीं रुकेगा

लखनऊ/नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)। संसद के मानसून सत्र में आज यानी सोमवार को सपा और कांग्रेस समेत पूरा विपक्ष ने नीट पेपर लीक और प्रदर्शनकारी छात्रों पर हुए लाठीचार्ज का मुद्दा उठाया। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने संसद भवन के बाहर मीडिया से बात करते हुए कहा- सरकार छात्र-नौजवानों पर मुकदमे कर रही है। युवा चेतना को चुनौती नहीं देनी चाहिए, क्योंकि अब सरकार के लिए यही चेतना सबसे बड़ी चुनौती बन गई है।

लोकसभा की कार्यवाही शुरू होने से पहले अखिलेश यादव ने कहा- विपक्ष एकजुट है। इंडिया गठबंधन के सभी नेताओं एकजुट हैं। यह संघर्ष काफी बड़ा है। बीजेपी जब से सत्ता में आई है, उसने देश की शिक्षा व्यवस्था को चौपट कर दिया है। मैं युवाओं के मनोबल और उनकी चेतना की सराहना करता हूं। सरकार ने जो टास्क फोर्स अब बनाई है, उसका गठन तो बहुत पहले ही हो जाना चाहिए था। 2014 से लेकर अब तक सरकार आखिर क्या कर रही थी? वहीं, सरकार लोकसभा में पेपर लीक पर सख्ती को लेकर 'सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026' पेश किया। इस पर कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा- मुद्दा सिर्फ कानून का नहीं, बल्कि सरकार की नीति और नीयत का है। इस धांधली के असली दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाना चाहिए।

उधर, सपा सांसद रामगोपाल यादव ने कहा- पेपर लीक केवल सख्त कानून बनाने से नहीं रुक सकता। यह सारा घपला तब से बढ़ा है, जब से पूरी प्रक्रिया डिजिटल हुई है। जब व्यवस्था डिजिटल नहीं थी, तब इस तरह की बड़े पैमाने पर गड़बड़ियां देखने को नहीं मिलती थीं।

पटना हाईकोर्ट के 2 अधिवक्ता नशे की हालत में गिरफ्तार

पटना, 27 जुलाई (एजेंसियां)। पटना हाईकोर्ट के दो युवा अधिवक्ताओं को शराब के नशे में होने के आरोप में हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने उन्हें कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित छज्जूबाग जज आवास परिसर से पकड़ा है। कोतवाली थानेदार अजय कुमार ने मामले की पुष्टि की है। दोनों की पहचान आकाश केशव और वर्ती कुमार के रूप में हुई है। फिलहाल दोनों को कोतवाली थाना में रखा गया है। जानकारी के मुताबिक, शनिवार को छात्रों के प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसक झड़प के बाद कई छात्रों को विभिन्न थाना क्षेत्रों से हिरासत में लिया गया था। इनमें से कुछ छात्रों को पीआर बॉन्ड पर रिहा किया गया, जबकि हिंसक गतिविधियों में शामिल बताए गए आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजा गया। इन्हीं छात्रों की पैरवी करने के लिए दोनों युवा अधिवक्ता छज्जूबाग स्थित न्यायालय पहुंचे थे।

महिला पीसीएस अफसर को ऑफिस में घुसकर धमकी दी

बोला- मेरे पक्ष में फैसला नहीं किया तो प्रयागराज में रहने नहीं देंगे

प्रयागराज, 27 जुलाई (एजेंसियां)। प्रयागराज में एडिशनल कमिश्नर जयजीत कौर से उनके ऑफिस में घुसकर गाली-गलौज करने और धमकी देने का मामला सामने आया है। एडिशनल कमिश्नर का आरोप है कि उनके ऑफिस में एक युवक अपने साथियों के साथ घुस आया। उसने धमकी दी कि अगर मेरे पक्ष में फैसला नहीं किया, तो प्रयागराज में रहने नहीं देंगे। बात नहीं मानने पर अपशब्द कहे और जान से मारने की धमकी दी। कर्नलगंज पुलिस ने सोमवार सुबह एक नामजद और 10-12 अज्ञात पर एफआईआर दर्ज की है। जयजीत कौर प्रयागराज में एडिशनल कमिश्नर के पद पर तैनात हैं। उन्होंने पुलिस को बताया- मेरा ऑफिस कमिश्नर ऑफिस परिसर में है। 17 जुलाई की सुबह करीब 11 बजे हंडिया में रहने वाला पवन कुमार विश्वकर्मा अपने 10-12 साथियों के साथ मेरे ऑफिस आया। वह मुझसे एक विचाराधीन मामले में अपने पक्ष में फैसला देने की बात कहने लगा। इस पर मैंने कहा कि किसी भी वाद का निस्तारण केवल गुण-दोष और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर किया जाएगा। यह सुनकर पवन और उसके साथी भड़क गए। उन्होंने मुझसे गाली-गलौज की और देख लेने की धमकी दी। यही नहीं, पवन और उसके साथियों ने कमिश्नर ऑफिस परिसर में नारेबाजी भी की। इससे कुछ समय के लिए सरकारी कामकाज प्रभावित हुआ। जयजीत कौर ने अपनी शिकायत में यह भी कहा कि पवन के खिलाफ हंडिया में पहले से मारपीट, गाली-गलौज, धमकी देने और आबकारी अधिनियम के तहत एक अन्य केस दर्ज है।

दूसरी शादी, रिलेशनशिप के सबूत नहीं तो भरण पोषण नहीं

कोर्ट ने कहा कानूनी रूप से विवाहित होना साबित नहीं होता

प्रयागराज, 27 जुलाई (एजेंसियां)। एक आपराधिक पुनरीक्षण याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया है कि यदि पति की पहली शादी पहले से अस्तित्व में है और दूसरी शादी या लिव-इन रिलेशनशिप के पर्याप्त सबूत नहीं हैं तो महिला भरण-पोषण की हकदार नहीं होगी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 125 के तहत दायर याचिका पर यह फैसला दिया।

न्यायमूर्ति लक्ष्मी कांत शुक्ला की एकलपीठ ने कौशांबी के पारिवारिक न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाली मंजू सोनकर की याचिका को खारिज करते हुए यह फैसला सुनाया।

मामला कौशांबी जिले का है, जहां याचिकाकर्ता मंजू सोनकर ने ओम प्रकाश के खिलाफ दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 125 के तहत भरण-पोषण की मांग की थी। प्रिंसिपल जज, फैमिली कोर्ट कौशांबी ने 15 जुलाई 2022 को दिए अपने फैसले में जैविक नाबालिग बच्चे के लिए भरण-पोषण का दावा तो स्वीकार कर लिया था, लेकिन मंजू सोनकर का दावा यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि वह ओम प्रकाश की कानूनी रूप से विवाहित पत्नी नहीं है। हिंदू कानून के तहत पहली पत्नी के जीवित रहते दूसरी शादी को वैध नहीं माना जाता।

फैसले से असंतुष्ट होकर याचिकाकर्ता ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में पुनरीक्षण याचिका दाखिल की। याचिकाकर्ता के वकील का तर्क था कि महिला को पति की पहली शादी के बारे में कोई जानकारी नहीं थी और दोनों पति-पत्नी की तरह रह रहे थे। अपने दावों के समर्थन में याचिकाकर्ता की ओर से उड़ीसा हाईकोर्ट के अनुपमा प्रधान बनाम सुल्तान प्रधान और सुप्रीम कोर्ट के चनमुनिया बनाम वीरेंद्र कुमार सिंह कुशवाहा के फैसलों का हवाला दिया गया। हाईकोर्ट ने साक्ष्यों और पूर्ववर्ती फैसलों का अवलोकन करने के बाद याचिकाकर्ता के तर्कों को खारिज कर दिया। अदालत ने कहा कि अनुपमा प्रधान मामले के पक्षकार अनुसूचित जनजाति से आते थे, जिन पर हिंदू विवाह अधिनियम लागू नहीं होता था, जबकि इस मामले में ऐसा नहीं है। इसी तरह, चनमुनिया मामले में विवाह के तथ्य पर विवाद नहीं था, जबकि वर्तमान मामले में विपक्षी पक्ष ने किसी भी तरह के संबंध या शादी से पूरी तरह इनकार किया है।

'हर थाली में बिहारी तरकारी' का टार्गेट तय

1 लाख से ज्यादा किसानों की बल्ले-बल्ले

पटना, 27 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार के मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने सोमवार को अधिकारियों को बड़ा निर्देश दिया है। ये निर्देश दिया कि ' हर थाली में बिहारी तरकारी ' के लक्ष्य को साकार करने के लिए दिया गया है।

इसके लिए बिहार राज्य सब्जी प्रसंस्करण एवं विपणन सहकारी परिसंघ लिमिटेड (वेजफेड) की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं, भूमि हस्तांतरण और विपणन व्यवस्था में तेजी लाने को कहा गया है। इससे सब्जी उत्पादक किसानों को अधिक फायदा मिल सकेगा।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में वेजफेड की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य राज्य में त्रि-स्तरीय सहकारी संरचना को सुदृढ़ बनाना, सब्जी उत्पादक किसानों के हितों की रक्षा करना तथा वेजफेड की विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा करना था।

सहकारिता विभाग की ओर से जारी बयान के अनुसार, बैठक में बताया गया कि वेजफेड राज्य स्तर पर एक शीर्ष संस्था, नौ क्षेत्रीय सब्जी संघों तथा 534 प्राथमिक सब्जी उत्पादक सहकारी समितियों (पीवीसीएस) के नेटवर्क के माध्यम से कार्य कर रहा है। वर्तमान में राज्य के 1.18 लाख से अधिक किसान इससे जुड़े हुए हैं। समीक्षा के दौरान अधिकारियों ने बताया कि कुल 114 स्वीकृत परियोजनाओं में से 107 के लिए भूमि उपलब्ध करा दी गई है।

इनमें 93 परियोजनाओं का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है, जबकि 14 परियोजनाएं अभी अधूरी हैं। तिरहुत (मोतिहारी), मिथिला (दरभंगा) और मगध क्षेत्रीय सब्जी संघों के लिए भूमि उपलब्ध है, जबकि हरित सब्जी संघ (पटना) के लिए अभी भूमि उपलब्ध नहीं हो सकी है। मुख्य सचिव ने जिन जिलों में प्राथमिक सब्जी उत्पादक सहकारी समितियों, प्याज भंडारण केंद्रों, बिक्री केंद्रों और शीत भंडार गृह के लिए भूमि उपलब्ध नहीं है, वहां के जिला पदाधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर भूमि चिन्हित कर उसका शीघ्र हस्तांतरण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

समस्तीपुर रेलवे मंडल के एपीओ अरुण मंडल सस्पेंड

सीबीआई ने रिश्वत लेते पकड़ा था, सरकारी बंगले से मिला था पिस्टल, 3 महीने बाद रिटायर्ड होने वाले थे

समस्तीपुर, 27 जुलाई (एजेंसियां)। समस्तीपुर रेलवे मंडल के एपीओ अरुण मंडल को घूस लेने के आरोप में सस्पेंड कर दिया गया है। सस्पेंड के बाद विभागीय कार्रवाई भी होगी। गुरुवार(23 जुलाई 2026) को सीबीआई की टीम ने रेलवे मंडल के कार्मिक विभाग में छापेमारी की थी। इस दौरान अरुण मंडल को घूस लेते पकड़ा था। 3 महीने बाद रिटायर्ड होने वाले थे।

करीब 10 घंटे की पूछताछ के बाद अरुण मंडल को गिरफ्तार कर लिया गया। टीम अपने साथ पटना लेकर चली गई। सीबीआई की कार्रवाई के बाद घूसखोर अधिकारियों के बीच हड़कंप मचा हुआ है। माना जा रहा है कि मंडल के कई और अधिकारी भी सीबीआई के रडार पर हैं। डीआरएम ज्योति प्रकाश मिश्रा ने एपीओ के निलंबन की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि जेले भेजे जाने के बाद नियमानुसार उन्हें निलंबित किया गया है।

एपीओ अरुण मंडल को ट्रैप किए जाने के बाद सीबीआई की एक टीम ने रेलवे अधिकारी कॉलोनी स्थित आवास की तलाशी की थी। तलाशी के दौरान सरकारी बंगले के बेडरूम में रखे अलमारी से टीम ने एक नाइन एमएम पिस्टल बरामद किया था। रेलवे अधिकारी के घर पिस्टल देखकर सीबीआई दंग रह गई थी।

फरीदाबाद के कारोबारी की फर्रुखाबाद में हाईवे किनारे हत्या

पत्नी और बेटे के सामने मारी गोली

गोद में बेटे को लिए हुए रोती पत्नी और जांच करती पुलिस

फर्रुखाबाद, 27 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद जिले में रात वाराणसी से पत्नी और बच्चे के साथ लौट रहे फरीदाबाद के कारोबारी की नेशनल हाईवे किनारे पांचाल घाट पर उस समय गोली मारकर हत्या कर दी गई, जब वह सॉफ्ट ड्रिंक लेने उतरे थे। हत्यारे कार से आए थे और कारोबारी की कार का काफी देर से पीछा कर रहे थे।

एसपी आरती सिंह ने बताया कि कारोबारी फरीदाबाद से 2 दिन पहले घूमने निकले थे। रेकी की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता है। वारदात का जल्द पर्दाफाश किया जाएगा।

फरीदाबाद के दयालपुर के अरुण (32) अपनी पत्नी राखी और 2 साल के बेटे के साथ 24 जुलाई को वाराणसी जाने के लिए घर से निकले थे। रविवार को गंगा एक्सप्रेसवे से लौटते समय रात में हरदोई जिले के सवाजयपुर गांव से वह नीचे उतरे। इसके बाद फर्रुखाबाद जिले के कादरी गेट थाना क्षेत्र पांचाल घाट की ओर बढ़ गए। यहां हाईवे पर एक जनरल स्टोर देख कार से उतरे और वहां सॉफ्ट ड्रिंक मांगी।

अरुण ने बोतल पत्नी राखी की तरफ बढ़ा दी, तभी पीछे से आई बिना नंबर की सफेद कार से दो लोग उतरे और अरुण को निशाना बनाकर फायरिंग कर दी। 2 गोलियां अरुण के सिर पर लगी और उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया। वारदात के बाद कार सवार हत्यारे भाग निकले। घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और पड़ताल शुरू की। बताया जाता है कि गंगा एक्सप्रेसवे पर अरुण की कार का बिना नंबर वाली सफेद कार से पीछा किया जा रहा था। अरुण को एक्सप्रेसवे पर 1-2 बार ओवरटेक भी किया गया था।

कृष्णा अल्लावरु सहित 12 कांग्रेसियों पर दर्ज कराई एफआईआर

पटना में भाजपा-कांग्रेस टकराव, पुलिस पर लगाए पक्षपात के आरोप, कांग्रेस बोली- जरूरत पड़ी तो न्यायालय जाएंगे

पटना, 27 जुलाई (एजेंसियां)। पटना में बुधवार को कांग्रेस और बीजेपी नेताओं के बीच जमकर लाठी-डंडे चले थे। बीजेपी नेता कांग्रेस ऑफिस के सामने प्रदर्शन करने पहुंचे थे। इसे लेकर भाजपा ने बिहार प्रदेश प्रभारी कृष्णा अल्लावरु सहित कांग्रेस के 12 लोगों पर एफआईआर दर्ज कराई है। वहीं, कांग्रेस की ओर से भी पाटलिपुत्र थाने में आवेदन दिया गया था, मगर रिसीविंग मिलने के बाद भी अब तक एफआईआर दर्ज नहीं की गई है, जिसके कारण कांग्रेस में काफी आक्रोश देखने को मिल रहा है।

तमिलनाडु के पूर्व डीजीपी और कांग्रेस नेता करुणा सागर ने कहा, 'बीजेपी के भाड़े के गुंडों ने सदाकत आश्रम पर हमला किया था और उल्टा हमारे ऊपर ही अटेम्प्ट टू मर्डर का एफआईआर दर्ज कर दिया। हम सभी कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने अपने बचाव के लिए डंडे उठाए थे।'

कांग्रेस नेता करुणा सागर ने कहा, '20 जुलाई को जो दिल्ली के जंतर मंतर पर पुलिस की बर्बरता देखने को मिली थी, उसके खिलाफ कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पार्लियामेंट में आवाज उठाने की कोशिश की थी, मगर उन्हें बोलने नहीं दिया गया। उसके बाद राहुल गांधी कांग्रेस और विपक्ष के नेताओं के साथ प्रधानमंत्री मोदी के आवास के बाहर शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन कर रहे थे। वहां से सभी शीर्ष नेताओं को घसीट के ले जाया गया। फिर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने घोषणा की कि भाजपा के कार्यकर्ता कांग्रेस मुख्यालय के सामने प्रदर्शन करेंगे।

85 करोड़ साइबर ठगी का खुलासा

पुलिस के हत्थे चढ़े 3 ठग, 2 करोड़ 90 लाख रुपये खातों में फ्रिज

अलीगढ़, 27 जुलाई (एजेंसियां)। अलीगढ़ में पुलिस ने निवेश के नाम पर देशभर में करोड़ों रुपये की ठगी करने वाले एक सक्रिय साइबर गिरोह का पर्दाफाश किया है।

साइबर सेल पुलिस ने 'ऑपरेशन सीवाई-वज्रा' के तहत थाना लोधा पुलिस टीम की संयुक्त कार्रवाई के दौरान ठगी से जुड़े तीन शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने ठगों के खातों में जमा 2 करोड़ 90 लाख रुपये की धनराशि फ्रीज करा दी है। वहीं पुलिस को इन शातिर ठगों की एक लंबे समय से तलाश थी। पुलिस अब जाकर यह बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। पुलिस इन शातिर ठगों से पूछताछ कर जानकारी जुटा रही है।

पुलिस ने जानकारी के देते हुए बताया कि आरोपी फर्जी कंपनियों के नाम पर बैंक खाते खुलवाते थे। देश के कई राज्यों के रहने वाले लोगों से निवेश, पार्ट टाइम नौकरी और डिजिटल अरेस्ट और लोगों के वॉट्सएप पर फर्जी लिंक भेजकर उनकी पर्सनल जानकारी हासिल कर लाखों करोड़ों रुपए की ठगी को अंजाम देते थे।

जांच में खुलासा हुआ है कि शातिर साइबर ठगों के गिरोह ने अब तक इन तीन खातों से करीब 80 से 85 करोड़ों की ठगी की गई।

आरोपियों ने निशांत इंटरप्राइजेज, मयंक इंटरप्राइजेज और एके ट्रेडिंग कंपनी के नाम से खाते खुलवाये थे।

एनसीआरपी पोर्टल पर इन तीन खातों से जुड़ी करीब 57 रिपोर्ट दर्ज है। वहीं यह शातिर आरोपी फर्जी दस्तावेजों के आधार पर कंपनियां बनाकर बैंक खाते खुलवाते थे। इन्हीं खातों के माध्यम से वे ठगी की रकम का लेन-देन करते थे। आरोपियों के इस नेटवर्क के तार देश भरे के इन प्रदेशों में है जैसे दिल्ली, उत्तर प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, बिहार, कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, केरल और पश्चिम बंगाल तक फैले हुए हैं।

थाना पुलिस और साइबर सेल टीम ने एसएसपी नीरज जादौन के नेतृत्व में इस बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है।

पुलिस ने साइबर ठगी गिरोह से जुड़े तीन 1 अंकित शर्मा निवासी कृष्णा कॉलोनी थाना क्वार्सी, 2 हेमंत कुमार निवासी रावण टीला थाना क्वार्सी, 3 विशाल वर्मा शास्त्री नगर थाना गांधी पार्क को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने इनके खिलाफ थाना लोधा पर साइबर, धोखाधड़ी से जुड़ी विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है।

पीएम मोदी ने प्लास्टिक प्रदूषण पर क्यों जताई चिंता

भारत इससे निपटने के लिए क्या कर रहा?

नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने 'मन की बात' कार्यक्रम में प्लास्टिक प्रदूषण की बढ़ती समस्या का जिक्र किया है। एक बार इस्तेमाल होने वाला प्लास्टिक फेंके जाने के बाद वर्षों तक प्रकृति को नुकसान पहुंचाता रहता है। इसलिए प्लास्टिक कचरे का सही तरीके से निपटारा बेहद जरूरी है।

अपने कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने ऐसे ही कुछ बेहद अनूठे प्रयासों का जिक्र भी किया। ऐसे में आइए जानते हैं कि पीएम ने मन की बात में क्या कहा? प्लास्टिक कचरे को लेकर भारत की क्या स्थिति है? यह कैसे खतरा बनता जा रहा है? प्लास्टिक प्रदूषण को कम करने के लिए सरकार ने क्या पहल की है और उनका क्या परिणाम निकला है? विश्व में प्लास्टिक प्रदूषण की क्या तस्वीर है? वेस्ट टू वेल्थ प्रयास क्या है? प्रधानमंत्री ने मन की बात में बिहार के सीतामढ़ी का उदाहरण दिया। यहां बेकार प्लास्टिक को दोबारा इस्तेमाल कर बेंच बनाई जा रही है। एक बेंच बनाने में करीब 40 किलो एक बार इस्तेमाल होने वाले प्लास्टिक का उपयोग किया जाता है। इन बेंचों को सरकारी स्कूलों, पार्कों और सार्वजनिक जगहों पर लगाया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने इसे 'कचरे से कमाई' का उदाहरण बताया। भारत में प्लास्टिक का इस्तेमाल बढ़ने के साथ इससे निकलने वाला कचरा बड़ी चुनौती बन गया है। पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने संसद में बताया है कि 2022-23 में देश में 41.3 लाख टन प्लास्टिक कचरा पैदा हुआ। यानी औसतन हर दिन करीब 11,300 टन प्लास्टिक कचरा निकला। वहीं, प्लास्टिक कचरा प्रबंधन नियमों के क्रियान्वयन पर जारी वार्षिक रिपोर्ट के मुताबिक, दिल्ली में 2020-21 में करीब 3.45 लाख टन प्लास्टिक कचरा पैदा हुआ था। 2021-22 में यह बढ़कर करीब 3.78 लाख टन हो गया। यानी एक साल में दिल्ली में करीब 32,600 टन ज्यादा प्लास्टिक कचरा पैदा हुआ।

एकल-उपयोग प्लास्टिक उत्पादों की क्या स्थिति है?

प्लास्टिक प्रदूषण कम करने के लिए पर्यावरण मंत्रालय ने 12 अगस्त 2021 को प्लास्टिक कचरा प्रबंधन संशोधन नियम जारी किए। इसके तहत कम उपयोगिता और ज्यादा कचरा फैलाने वाले चिह्नित एकल-उपयोग प्लास्टिक उत्पादों पर 1 जुलाई 2022 से प्रतिबंध लगा दिया गया। सरकार ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को प्रतिबंध का पालन कराने के लिए नियमित अभियान चलाने को कहा है। इसके तहत बाजारों और प्लास्टिक कैरी बैग बनाने वाली इकाइयों की जांच की जाती है। नियम तोड़ने पर प्रतिबंधित प्लास्टिक जब्त करने और जुर्माना लगाने का प्रावधान है। प्रतिबंध को लागू कराने के लिए सभी 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने विशेष कार्यबल बनाए हैं।

सांबा-राजौरी में संदिग्ध पाकिस्तानी ड्रोन की हलचल, सुरक्षाबलों ने शुरू किया सर्च ऑपरेशन

जम्मू, 27 जुलाई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के सांबा और राजौरी जिलों में अंतरराष्ट्रीय सीमा (आईबी) और नियंत्रण रेखा (एलओसी) से सटे इलाकों में संदिग्ध पाकिस्तानी ड्रोन गतिविधि देखे जाने के बाद सुरक्षा बलों ने सोमवार को बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू किया।

सांबा के नंदपुर इलाके और राजोरी के नौशेरा सेक्टर के तरकुंडी-साज क्षेत्र में रात के समय संदिग्ध ड्रोन की हलचल देखी गई थी। इसके बाद सेना, पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने सुबह होते ही इन इलाकों में संयुक्त अभियान शुरू कर दिया। सुरक्षाबलों ने आशंका जताई है कि ड्रोन के जरिए हथियार, नशीले पदार्थ या अन्य संदिग्ध सामग्री गिराने की कोशिश की जा सकती है। इसी को देखते हुए सीमावर्ती क्षेत्रों में निगरानी बढ़ा दी गई है और संवेदनशील इलाकों में एंटी-ड्रोन उपाय भी तेज कर दिए गए हैं।

'बहू को सिखाएं पारंपरिक खाना'

केरल सीएम सतीशन के बयान पर छिड़ी नई बहस

तिरुवनंतपुरम, 27 जुलाई (एजेंसियां)। सोशल मीडिया पर इन दिनों केरल के मुख्यमंत्री वी.डी सतीशन की आलोचना की जा रही है। उन्होंने यूजर महिला विरोधी बता रहे हैं। वजह है उनकी एक टिप्पणी। दरअसल, उन्होंने हाल ही में माताओं को अपने बेटों की बेटों की पत्नियों को पारंपरिक खान-पान की परंपराएं सिखानी चाहिए।

शनिवार को चेंगन्नूर में पम्पा संवाद महोत्सव को संबोधित करते हुए सतीशन ने कहा, 'मुझे कुछ माताओं से शिकायत है। उनमें कुछ पारंपरिक व्यंजन बनाने की विशेष प्रतिभा होती है, जिन्हें केवल वे ही बनाना जानती हैं। लेकिन वे उन व्यंजनों को अपने बच्चों को नहीं सिखातीं।' उन्होंने आगे कहा, 'कम से कम उन्हें ये व्यंजन या तो अपने बच्चों को या फिर अपने बेटे की भावी पत्नी को सिखाने चाहिए। इस तरह इन व्यंजनों की विशिष्टता अगली पीढ़ी तक पहुंच सकेगी।' पूर्व सामान्य शिक्षा मंत्री और वरिष्ठ सीपीआई (एम) नेता वी. शिवनकुट्टी ने मुख्यमंत्री की टिप्पणियों की आलोचना करते हुए कहा कि वे केरल के स्कूली पाठ्यक्रम के माध्यम से प्रचारित लैंगिक समानता के मूल्यों के विपरीत हैं। फेसबुक पोस्ट में सिवानकुट्टी ने कहा, 'हमने पाठ्यपुस्तकों में एक बदलाव किया है कि हर किसी को, चाहे वह पुरुष हो या महिला, घर के काम करने चाहिए। फिर भी।' पूर्व मंत्री ने कहा कि घरेलू जिम्मेदारियों का बंटवारा लिंग के आधार पर नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने याद दिलाया कि लड़कों और लड़कियों को समान रूप से घरेलू काम में हिस्सेदारी करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए पाठ्यक्रम में संशोधन किया गया था।

सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में, लेखिका एस सरदाकुट्टी ने सतीशन की टिप्पणियों की आलोचना करते हुए उन्हें पितृसत्तात्मक बताया। इसके साथ ही कहा कि उन्होंने पारंपरिक लैंगिक भूमिकाओं के प्रति बढ़ते प्रतिरोध को नजरअंदाज किया है। उन्होंने जंतर-मंतर पर हाल ही में हुए महिला नेतृत्व वाले विरोध प्रदर्शनों का हवाला दिया। एक कविता साझा की जो प्रतीकात्मक रूप से महिलाओं पर थोपे गए घरेलू बोझ के अंतरपीढ़ीगत हस्तांतरण को अस्वीकार करती है।

महिला वकील से स्टॉक ट्रेडिंग के नाम पर 79 लाख की ठगी

ऐप में दिखाया करोड़ों का फर्जी मुनाफा

मुंबई, 27 जुलाई (एजेंसियां)। साइबर ठगों ने महाराष्ट्र के लोनावाला की 40 वर्षीय एक महिला वकील को नकली स्टॉक ट्रेडिंग के जाल में फंसाकर करीब 79 लाख रुपये की ठगी कर ली। हैरानी की बात यह है कि ठगों के झांसे में आकर महिला ने निवेश जारी रखने के लिए 40 लाख रुपये का गोल्ड लोन तक ले लिया। ठगों ने उन्हें आईपीओ में भारी मुनाफा, परिवार के साथ विदेश यात्रा, बच्चों की मुफ्त उच्च शिक्षा और जीवनभर के मेडिक्लेम बीमा जैसे आकर्षक वादे किए। खुद को सेबी से पंजीकृत एक नामी ब्रोकरेज कंपनी का प्रतिनिधि बताकर उन्होंने महिला का भरोसा जीता और आखिरकार उनसे 78.98 लाख रुपये अलग-अलग बैंक खातों में ट्रांसफर करा लिए। पुलिस के मुताबिक, पीड़िता पिछले कई वर्षों से शेयर बाजार और म्यूचुअल फंड में निवेश करती रही हैं। इसी साल जून में उन्होंने यूट्यूब पर शेयर बाजार में निवेश से जुड़ा एक विज्ञापन देखा। लिंक पर क्लिक करते ही वह एक प्रतिष्ठित ब्रोकरेज कंपनी के नाम से बनाए गए व्हाट्सएप ग्रुप में जुड़ गईं। ग्रुप में फर्जी सेबी रजिस्ट्रेशन, कथित मार्केट एक्सपर्ट और ट्रेडिंग असिस्टेंट की जानकारी देखकर उन्हें लगा कि यह पूरी तरह असली प्लेटफॉर्म है।

बाघ के साथ खूनी संघर्ष! पीलीभीत टाइगर रिजर्व में बाघिन की मौत

12 साल के अंदर गई 24वीं जान

नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)। पीलीभीत टाइगर रिजर्व (पीटीआर) की माला रेंज में गंभीर रूप से घायल हालत में मिली 5 साल की बाघिन की इलाज के दौरान मौत हो गई। टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर और डिविजनल फॉरेस्ट ऑफिसर मनीष सिंह ने बताया कि बाघिन की मौत 25 जुलाई 2026 की रात को हुई। बाघिन के शव को पोस्टमार्टम के लिए बरेली स्थित इंडियन वेटनरी रिसर्च इंस्टीट्यूट (आईवीआरआई) भेजा गया।

गश्त के दौरान मिली थी घायल

मनीष सिंह ने बताया कि मौत का सही कारण शव परीक्षण रिपोर्ट आने के बाद पता चलेगा, प्रारंभिक आकलन से पता चलता है कि उसे किसी दूसरे बाघ के साथ क्षेत्रीय संघर्ष के दौरान चोटें लगी होंगी। बाघिन वन अधिकारियों को नियमित गश्त के दौरान घायल अवस्था में मिली थी।

पेड़ के नीचे बेहोश पड़ी मिली

वन अधिकारियों के मुताबिक बाघिन की हालत बहुत गंभीर थी। वह एक पेड़ के नीचे बेहोश पड़ी थी और उसके एक कान के अंदरूनी हिस्से के पास गहरा घाव था जिसमें कीड़े पड़ गए थे। सिंह ने बताया कि बाघिन के इलाज के लिए दक्ष गंगवार की अगुवाई में पांच सदस्यों वाली पशु-चिकित्सकों की एक टीम बनाई गई थी, लेकिन लगातार कोशिशों के बावजूद उसकी हालत में कोई सुधार नहीं हुआ और शनिवार देर रात उसकी मौत हो गई।

120 किलो ही रह गया था वजन

बता दें कि घायल बाघिन का डॉ. दक्ष गंगवार ने उपचार किया, लेकिन एक बार भी उसके शरीर में हलचल नहीं हुई। एक्सपर्ट्स के मुताबिक सामान्य तौर पर बाघिन का औसत वजन 150 से 160 किलो होता है मगर, उसका सिर्फ 120 किलो रह गया। गंभीर घायल होने के कारण वह शिकार नहीं कर पा रही थी। यह भी बताया जा रहा है कि बीते 12 सालों में टाइगर रिजर्व में आपसी संघर्ष में यह 24वीं मौत है।

कुल्लू डीसी-एसपी को राहत एफआईआर और कार्रवाई के हाईकोर्ट आदेश पर सुप्रीम कोर्ट की रोक

शिमला, 27 जुलाई (एजेंसियां)। कसोल में कथित अवैध रेव पार्टियों और नशीले पदार्थों के इस्तेमाल से जुड़े मामले में हिमाचल प्रदेश सरकार और कुल्लू के तत्कालीन प्रशासनिक अधिकारियों को सर्वोच्च न्यायालय से एक महत्वपूर्ण अंतरिम राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट द्वारा जारी उस आदेश पर फिलहाल रोक लगा दी है, जिसके तहत कुल्लू के तत्कालीन उपायुक्त (डीसी), पुलिस अधीक्षक (एसपी) और संबंधित उप-मंडल मजिस्ट्रेट (एसडीएम) के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने, विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित करने और विभागीय कार्रवाई शुरू करने के निर्देश दिए गए थे। सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि मामले की अगली सुनवाई तक हाईकोर्ट के इन निर्देशों पर कोई भी कार्रवाई नहीं की जाएगी। कोर्ट ने संबंधित पक्षों से इस मामले में अपना जवाब दाखिल करने को भी कहा है। यह निर्णय हिमाचल प्रदेश सरकार और प्रभावित अधिकारियों द्वारा दायर की गई याचिका पर आया है, जिसमें उन्होंने हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती दी थी।

अस्पताल से राजघाट पहुंचे वांगचुक : बापू का रास्ता आज भी प्रासंगिक, शांति से रखें अपनी बात

दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)। कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने अपनी पत्नी गीतांजलि आंग्मो के साथ सोमवार को राजघाट पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की। गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद यहां पहुंचे थे। वांगचुक ने 26 दिन के उपवास और आंदोलन के समापन के बाद यह श्रद्धांजलि दी।

राजघाट पर श्रद्धांजलि देने के बाद उन्होंने अपने विचार साझा किए। वांगचुक ने कहा कि वह सबसे पहले महात्मा गांधी को याद करना चाहते थे। उन्होंने गांधीजी के प्रति अपना आभार व्यक्त किया। उन्होंने देश को यह बताया कि गांधीजी का दिखाया रास्ता आज भी उतना ही सही और प्रासंगिक है जितना सौ साल पहले था। पिछले पांच-छह साल से वे लद्दाख में गांधीजी के इस तरीके को अपना रहे हैं। उन्होंने पाया कि यह तरीका बहुत सही और प्रासंगिक है। उन्हें पहले यकीन नहीं था कि यह राष्ट्रीय स्तर पर काम करेगा या नहीं। एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक ने राजघाट पर कहा कि मैं देश के युवाओं, आम लोगों और सभी नागरिकों को बधाई देना चाहता हूं। मैं बुजुर्गों, हर उम्र के लोगों और उन युवा आयोजकों को भी बधाई देता हूं, जिन्होंने इस आंदोलन को इतनी शांति से आगे बढ़ाया। हमें यह समझना होगा कि अगर कोई समाधान या कामयाबी मिली है, तो वह हमारी ताकत या लाठी-पत्थर के इस्तेमाल से नहीं मिली है। बल्कि, यह शांति की अपील और हमारी अपनी तकलीफों से मिली है।

इस्तीफा तो बस शुरुआत: सोनम वांगचुक

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक ने कहा कि इस्तीफा तो बस शुरुआत है। अगर अब से इस मुद्दे को माना जाए और उस पर काम किया जाए, तो हमारा देश बेहतर बनेगा। मेरी नजर में यह प्रक्रिया पहले से ही चल रही है। अभी बातचीत चल रही है और मुझे उम्मीद है कि बहुत सकारात्मक बातचीत के ज़रिए देश के लिए सबसे सही रास्ता अपनाया जाएगा, जिससे हम आपसी सद्भाव से एक बेहतरीन सिस्टम लागू कर सकेंगे।

हेरोइन, हथियार और ड्रग मनी के साथ चार गिरफ्तार

अमृतसर, 28 जुलाई (एजेंसियां)। अमृतसर शहरी पुलिस ने सीमा पार संचालित अवैध हथियार और मादक पदार्थ तस्करी नेटवर्क के खिलाफ कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से पांच अत्याधुनिक पिस्तौल, 2.015 किलोग्राम हेरोइन और नशा तस्करी से जुड़ी पांच लाख की नकदी बरामद की गई है।

पुलिस कमिश्नर गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी सीमा पार से अवैध हथियार और हेरोइन की खेप मंगवाकर आगे सप्लाई करने का काम कर रहे थे। पुलिस अब इस नेटवर्क के आगे और पीछे जुड़े सभी संपर्कों की पहचान करने तथा पूरे गिरोह का पता लगाने में जुटी है।

पेपर लीक के बाद अब ई20 की बारी!

केजरीवाल बोले-एक होकर आवाज उठानी होगी कॉन्स्टीट्यूशन क्लब में जुटने को कहा

नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने पेपर लीक के बाद एक बार फिर से ई20 मुद्दे को उठाया है। अरविंद केजरीवाल ने बताया कि शनिवार को दिल्ली में टाउनहॉल कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा है। केजरीवाल ने केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को देश के युवाओं और लोकतंत्र की बड़ी जीत बताया है।

अरविंद केजरीवाल ने कहा, 'देश के युवाओं ने एक होकर आवाज उठाई तो धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा देना पड़ा। ई20 पर भी हमें एक होकर आवाज उठानी पड़ेगी। इस शनिवार हम 'नेशनल टाउनहॉल अगेंस्ट ई20' आयोजित कर रहे हैं, जिसमें शामिल होकर आप ई20 पर अपनी बात रख सकते हैं। आप इसमें ऑनलाइन भी शामिल हो सकते हैं।' अरविंद केजरीवाल ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर ई20 का मुद्दा उठाते हुए प्रधानमंत्री से अपील की कि लगे हाथ इसका भी समाधान कर दीजिए। लोग बहुत ज्यादा परेशान हैं। उनकी गाड़ियां खराब हो रही हैं। केजरीवाल ने ई20 के खिलाफ दिल्ली में एक टाउनहॉल आयोजित करने की बात कही। इस दिशा में सभी लोगों को साथ लाने के लिए इस शनिवार को एक कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं, 'नेशनल टाउनहॉल अगेनस्ट E20'। इसमें हमें उम्मीद है कि हजारों लोग शामिल होंगे। 12 बजे दिन में शुरू होगा। अरविंद केजरीवाल ने आगे कहा, 'जो लोग दिल्ली और आसपास के शहरों से हैं वो कॉन्स्टीट्यूशन क्लब में सुबह साढ़े 11 बजे तक पहुंच जाएं। जो लोग दिल्ली से बाहर हैं और नहीं आ सकते हैं वो ऑनलाइन जुड़ें।

1 अगस्त से आ रहा सीकेवाईसी 2.0

> बार-बार केवाईसी के झंझट से मिलेगी मुक्ति

नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)। सीकेवाईसी 2 0 लॉच 1 अगस्त से सीकेवाईसी 2.0 यानी कि सेंट्रल नो योर कस्टमर प्रोजेक्ट लॉन्च हो सकता है। इसके बाद बार-बार केवाईसी कराने का झंझट खत्म हो जाएगा। इसके बाद आपको एक सेंट्रल डेटाबेस में रजिस्ट्रेशन कराना होगा, जिससे आपको 14 अंकों का सीकेवाईसी नंबर मिल जाएगा। इसके बाद आपको केवाईसी के लिए बार-बार डॉक्यूमेंट्स जमा नहीं कराने पड़ेंगे।

1 अगस्त से शुरू होगा सीकेवाईसी 2.0

सिंगल केवाईसी भारत बहुत जल्द ही सीकेवाईसी 2.0 यानी कि सेंट्रल नो योर कस्टमर प्रोजेक्ट लॉन्च करने की तैयारी में है। ये नया सिस्टम लोगों की पहचान करने के प्रोसेस को ज्यादा आसान और पारदर्शी बनाएगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक आरबीआई, सेबी और आईआरडीएआई मिलकर इसे अगस्त 2026 में शुरू कर सकते हैं। इस नए सिस्टम की वजह से बैंक खाता खोलने, म्यूचुअल फंड में निवेश करने या बीमा खरीदने के लिए अलग-अलग केवाईसी नहीं करानी पड़ेगी। सीकेवाईसी 2.0 आने के बाद बार-बार केवाईसी कराने के झंझट और कागजात जमा कराने से हमेशा के लिए मुक्ति मिल जाएगी।

यह भारत के मौजूदा सेंट्रल केवाईसी रजिस्ट्री का एक अपग्रेडेड और हाई-टेक वर्जन है। इसकी मदद से एक सुरक्षित सेंट्रल डेटाबेस से ग्राहकों की वेरिफाइड पहचान सीधे प्राप्त की जा सकेगी। इसके बाद आपको बार-बार डॉक्यूमेंट्स जमा कराने की जरूरत नहीं रहेगी। इस प्रोसेस में यूजर की सहमति की खासा भूमिका होगी और डेटा को एक्सेस करने से पहले यूजर के पास ओटीपी आएगा। पुराने सीकेवाईसी सिस्टम में डुप्लीकेट एंट्री और पुरानी जानकारी अपडेट ना होने जैसी कुछ खामियां थीं. जिसकी वजह से बैंक या बीमा कंपनियां लोगों से बार-बार डॉक्यूमेंट्स मांगते थे।

सीकेवाईसी 2.0 के साथ ये समस्या हमेशा के लिए दूर हो जाएगी। नया सिस्टम डेटा की सटीकता और अपडेटेड रिकॉर्ड्स को सुनिश्चित करेगा। इससे कागजी कार्रवाई में लगने वाला समय और मेहनत दोनों बचेंगे। नए सीकेवाईसी 2.0 का मकसद बैंकिंग के साथ-साथ म्यूचुअल फंड और बीमा के क्षेत्र में लोगों की भागीदारी को बढ़ाना है। इन क्षेत्रों में अक्सर लोग मुश्किल केवाईसी प्रोसेस की वजह से ज्यादा रुचि नहीं दिखाते। इसके अलावा, सीकेवाईसी 2.0 वित्तीय धोखाधड़ी रोकने में बेहद मददगार साबित होगा। दरअसल एक सेंट्रल डिजिटल पहचान प्रणाली होने से रेगुलेटर्स और एजेंसियां संदिग्ध लेन-देन पर आसानी से नजर रख सकेंगी। इस सिस्टम में आपका एक बार सेंट्रल डेटाबेस में रजिस्ट्रेशन होगा और आपको 14 अंकों का सीकेवाईसी नंबर मिल जाएगा।

भारत बना मेडिकल टूरिज्म का हब

> 16 साल में विदेशी मरीज 4.5 गुना बढ़े > 1.5 लाख करोड़ का होगा बाजार

नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)। भारत अब सिर्फ सस्ते इलाज का ठिकाना नहीं, बल्कि मेडिकल टूरिज्म का बड़ा वैश्विक केंद्र बनने की ओर बढ़ रहा है। 2009 में जहां 1.12 लाख विदेशी मरीज इलाज के लिए भारत आए थे, वहीं 2025 में यह संख्या बढ़कर 5.07 लाख हो गई। यानी 16 साल में विदेशी मरीजों की संख्या करीब 4.5 गुना बढ़ी।

इनमें बांग्लादेश इराक, उज्बेकिस्तान, सोमालिया, ओमान और केन्या से बड़ी संख्या में मरीज भारत पहुंचे। भारत का मेडिकल टूरिज्म बाजार 2025 में 84 हजार करोड़ रुपए का था। अनुमान है कि 2030 तक यह बढ़कर 1.56 लाख करोड़ रुपए हो जाएगा।

भारत में विशेषज्ञ डॉक्टर्स का जल्दी मिल जाना

इस बढ़त की वजह सिर्फ कम खर्च नहीं है। इसकी बड़ी वजह भारत में विशेषज्ञ डॉक्टर्स का जल्दी मिल जाना है। इसके अलावा जांच रिपोट्र्स का तुरंत आना और इलाज का खर्च पहले से तय हो जाना भी विदेशी मरीजों को लुभा रहा है। अमेरिका में जिस इलाज पर 15 हजार रुपए खर्च होते हैं, वही भारत में 1,000 से 2,000 रुपए में संभव है। नीदरलैंड्स में दांतों के सामान्य इलाज पर 16 हजार रुपए ज्यादा लगते हैं, जबकि लखनऊ में यही इलाज 3,000 रुपए में हो जाता है।

भारत में 69 हजार अस्पताल

भारत के पास मेडिकल टूरिज्म संभालने के लिए बड़ा हेल्थ इंफ्रा भी मौजूद है। देश में कुल 69,364 अस्पताल हैं। इनमें 43,486 निजी (करीब 66%) और 25,778 सरकारी अस्पताल हैं। 12 लाख रजिस्टर्ड डॉक्टर हैं। 1,299 अस्पतालों को एनएबीएच की मान्यता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह निजी नेटवर्क भारत आने वाले विदेशी मरीजों को संभालने की क्षमता देता है।

172 देशों को भारत अब दे रहा ई-मेडिकल वीसा

ब्रिटिश नागरिक एंडरसन को अपने देश में न्यूरो परामर्श का वेटिंग पीरियड एक साल से ज्यादा था। भारत आने पर उन्हें अपॉइंटमेंट अगले दिन मिल गया। एमआरआई व ब्लड टेस्ट तुरंत हुए और रिपोर्ट भी घंटे भर में मिल गई। इलाज की रफ्तार भी लोगों को भारत आने पर आकर्षित कर रही है। भारत अब उन मरीजों को भी लुभा रहा है, जो पहले इलाज को तुर्किए व थाईलैंड जाते थे। इसकी वजह विशेषज्ञ डॉक्टर, अस्पतालों की मान्यता और खर्च का बड़ा अंतर है। डिजिटल माध्यमों से अब मरीज पहले ही डॉक्टर, अस्पताल, इलाज की प्रक्रिया की जानकारी ले लेते हैं। इससे भरोसा बढ़ा है।

विदेशी मरीजों की पहुंच आसान बनाने को भारत 172 देशों को ई-मेडिकल वीसा दे रहा है। सहायक के लिए ई-मेडिकल अटेंडेंट वीसा की सुविधा भी है। आयुर्वेद, योग, यूनानी और होम्योपैथी जैसी भारतीय चिकित्सा पद्धतियों से इलाज कराने वालों के लिए ई-आयुष वीसा की अलग श्रेणी शुरू की गई हैं। 'हील इन इंडिया' पोर्टल को एक साझा मंच में बदला जा रहा है।

भारत-अमेरिका में इलाज का खर्च और बचत

इलाज	भारत में	अमेरिका में	बचत
हार्ट बाईपास सर्जरी	₹ 6.76 लाख	₹ 77.3 लाख	91%
हिप रिप्लेसमेंट	₹ 7.7 लाख	₹ 38.6 लाख	88%
एक डेंटल इम्प्लांट	₹ 48,000	₹ 5.8 लाख	95%
आईवीएफ साइकल	₹ 2.9 लाख	₹ 14.5 लाख	87%

सोर्स- वर्ल्ड मेडिकल टूरिज्म गाइड 2026। आंकड़े रु. में अनुमानित।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 28 जुलाई - 2026

कठिन जिम्मेदारी, बड़े फैसले

केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी को शिक्षा मंत्रालय की अतिरिक्त जिम्मेदारी ऐसे समय मिली है, जब देश की शिक्षा व्यवस्था अभूतपूर्व अविश्वास के दौर से गुजर रही है। वे अनुभवी, सुलझे हुए और संगठनात्मक क्षमता वाले नेता माने जाते हैं, लेकिन शिक्षा मंत्रालय की मौजूदा परिस्थितियां उनके सामने किसी अग्निपरीक्षा से कम नहीं हैं। उनके हर निर्णय पर करोड़ों विद्यार्थियों, अभिभावकों, शिक्षकों और पूरे देश की नजर रहेगी। यह जिम्मेदारी केवल मंत्रालय संभालने की नहीं, बल्कि शिक्षा प्रणाली की साख और उसकी विश्वसनीयता को पुनर्स्थापित करने की भी है। पिछले कुछ वर्षों में नीट, सीयूईटी और जेईई जैसी राष्ट्रीय परीक्षाओं में पेपर लीक और परिणामों को लेकर उठे विवादों ने छात्रों का भरोसा तोडा है। राज्य दर राज्य विरोध प्रदर्शन हुए जो राष्ट्रीय मुद्दा बन गया। मेहनत करने वाले लाखों विद्यार्थियों के मन में भ्रम बैठ गया कि कहीं उनकी मेहनत व्यवस्था की कमजोरियों की भेंट तो नहीं चढ़ रहा है। शिक्षा व्यवस्था के लिए इससे बड़ा संकट भला और क्या हो सकता है? पूरे विवाद की जड में राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) है। सरकार कुछ प्रशासनिक बदलाव किए हैं, लेकिन केवल अधिकारियों के परिवर्तन से व्यवस्था नहीं बदलती। एनटीए को संस्थागत रूप से अधिक सक्षम, पारदर्शी और जवाबदेह बनाने की है। परीक्षा प्रक्रिया में आधुनिक तकनीक, मजबूत साइबर सुरक्षा, निष्पक्ष निगरानी और स्पष्ट उत्तरदायित्व सुनिश्चित करना होगा। साथ ही, पेपर लीक या किसी भी प्रकार की धांधली में शामिल लोगों के विरुद्ध त्वरित एवं कठोर कार्रवाई ही प्रभावी संदेश दे सकती है। शिक्षा मंत्रालय के सामने दूसरी बड़ी चुनौती राष्ट्रीय शिक्षा नीति का प्रभावी क्रियान्वयन है। नीट को कंप्यूटर आधारित बनाने की तैयारी हो रही है, जो तकनीकी दृष्टि से सकारात्मक है। लेकिन केवल तकनीक अपनाने से समस्याओं का समाधान नहीं होगा। तकनीक के साथ ईमानदार प्रशासन, प्रशिक्षित मानव संसाधन और मजबूत निगरानी तंत्र भी उतना ही आवश्यक है। नई शिक्षा नीति के अंतर्गत तीन-भाषा नीति को लेकर दक्षिण भारत सहित कई राज्यों ने अपनी चिंताएं जताई हैं। यदि किसी राष्ट्रीय नीति पर राज्यों में असहमति है, तो उसका समाधान संवाद, सहमति और संवैधानिक भावना के अनुरूप होना चाहिए। प्रह्लाद जोशी के पास पहले से उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण तथा नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा जैसे महत्वपूर्ण मंत्रालय हैं। ऐसे में तीन बड़े मंत्रालयों के बीच प्रभावी संतुलन बनाना भी उनके लिए बड़ी प्रशासनिक चुनौती होगी। इसी बीच सरकार ने पेपर लीक के विरुद्ध कठोर कानून लाने की पहल की है। देश की शिक्षा व्यवस्था आज निर्णायक मोड़ पर है। यदि शिक्षा मंत्रालय एनटीए में व्यापक सुधार, नई शिक्षा नीति का संतुलित क्रियान्वयन और परीक्षा प्रणाली में पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित कर सका, तो खोया हुआ विश्वास अवश्य लौटेगा।

इस्तीफ़ाः जीवन का सत्य है

मेघा राठी

मनुष्य अपने जीवन को अपनी इच्छाशक्ति की विजय मानकर चलता है। उसे विश्वास होता है कि उसने जो पाया, अपनी मेहनत से पाया, जो खोया, वह भी उसके अपने निर्णयों का परिणाम था। वह स्वयं को अपने जीवन का निर्माता समझता है। लेकिन जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, अनुभव गहराते हैं और पीछे मुड़कर देखने की दृष्टि विकसित होती है, वैसे-वैसे एक असहज सत्य सामने आने लगता है, जीवन की सबसे बड़ी घटनाओं का निर्णय हमने कभी किया ही नहीं। हम केवल उन निर्णयों के सहभागी बने और समय आने पर उन पर अपने हस्ताक्षर करते चले गए।शायद इसी अर्थ में कहा जा सकता है कि मनुष्य का पूरा जीवन दरअसल इस्तीफ़ों का इतिहास है। हम इस्तीफ़े को केवल नौकरी छोड़ने से जोड़कर देखते हैं। हमें लगता है कि इस्तीफ़ा एक कागज़ पर लिखा जाने वाला औपचारिक पत्र है लेकिन यदि जीवन को ध्यान से पढ़ा जाए तो पता चलता है कि हम जन्म से लेकर मृत्यु तक अनगिनत बार इस्तीफ़ा देते हैं। अंतर केवल इतना है कि उन इस्तीफ़ों पर कागज़ नहीं होते केवल समय की मुहर होती है।

ज़रा अपने बचपन को याद कीजिए...मिट्टी के खिलौने, बारिश में भीगना, बिना कारण हँस देना, माँ की गोद में सो जाना, छोटी-छोटी बातों पर रूठ जाना। क्या किसी बच्चे ने कभी तय किया था कि अब उसे इन सब बातों से विदा लेनी है? नहीं, एक दिन स्कूल की किताबें भारी होने लगीं, ज़िम्मेदारियाँ बढ़ गईं और बचपन बिना अनुमति लिए चला गया। हमें उससे इस्तीफ़ा देना पड़ा।फिर यौवन आया... सपनों से भरा हुआ, ऊर्जा से लबालब। लगता था कि शरीर कभी थकेगा नहीं और समय कभी बदलेगा नहीं लेकिन समय ने वहाँ भी हमारी राय नहीं पूछी। चेहरे पर झुर्रियों की पहली रेखा खिंची, बालों का रंग बदलने लगा, आँखों पर चश्मा चढ़ गया और हमें अपनी ही जवानी से इस्तीफ़ा देना पड़ा। यह संसार का शायद सबसे मौन इस्तीफ़ा है जिसके बारे में कोई घोषणा नहीं होती लेकिन जिससे कोई बच भी नहीं सकता। हम रिश्तों में प्रवेश करते हैं और मान लेते हैं कि अब यह साथ हमेशा रहेगा। मित्र, प्रेम, विवाह, परिवार...सब हमें स्थायी लगने लगते हैं लेकिन जीवन का नियम स्थायित्व नहीं, परिवर्तन है। कोई दूर चला जाता है, कोई बिछड़ जाता है, कोई बदल जाता है और कई बार हम स्वयं बदल जाते हैं। तब भी हमें एक रिश्ते से इस्तीफ़ा देना पड़ता है। यह इस्तीफ़ा सबसे अधिक पीड़ा देता है, क्योंकि इसमें दस्तख़त हाथ नहीं, हृदय करता है।

नौकरी का उदाहरण तो हर व्यक्ति के सामने है। कोई अपनी पूरी जवानी किसी संस्था को दे देता है। अपनी प्रतिभा, अपना समय, अपनी ऊर्जा, यहाँ तक कि अपना स्वास्थ्य भी। उसे लगता है कि यही उसकी पहचान है। फिर एक दिन सेवानिवृत्ति का आदेश आता है। कोई पूछता नहीं कि अभी मन है या नहीं। बस एक हस्ताक्षर होते हैं और दशकों का साथ समाप्त हो जाता है। जिस कुर्सी को हम अपना समझ बैठे थे, वह अगले दिन किसी और की हो जाती है। सोचिए, क्या इन घटनाओं का निर्णय हमने किया था?क्या हमने तय किया था कि किस घर में जन्म लेना है? क्या हमने अपने माता-पिता चुने थे?

क्या हमने अपनी पहली साँस का समय निश्चित किया था?क्या हमने तय किया कि हमारा बचपन कब समाप्त होगा, यौवन कब ढलेगा या बुढ़ापा कब आएगा?यदि उत्तर 'नहीं' है तो फिर यह स्वीकार करना भी पड़ेगा कि जीवन का बहुत बड़ा हिस्सा हमारी इच्छा से नहीं, समय के विधान से चलता है।यहीं से एक अत्यंत सुंदर प्रतीक जन्म लेता है हस्ताक्षर । किसी सरकारी फ़ाइल में आदेश ऊपर लिखा जाता है। नीचे केवल हस्ताक्षर करने होते हैं। हस्ताक्षर करने वाला आदेश का लेखक नहीं होता केवल उसका स्वीकारकर्ता होता है। शायद मनुष्य की स्थिति भी कुछ ऐसी ही है। समय आदेश लिखता है, प्रकृति उसे लागू करती है और मनुष्य केवल उसके नीचे अपना नाम लिख देता है। यह विचार पहली दृष्टि में मनुष्य को असहाय बना सकता है पर वास्तव में ऐसा नहीं है।

भारतीय दर्शन कभी भी भाग्यवाद का समर्थन नहीं करता। वह कहता है कि कर्म तुम्हारे हाथ में है लेकिन फल का विधान व्यापक है। तुम बीज बो सकते हो पर वर्षा नहीं बुला सकते। तुम नाव बना सकते हो पर हवा की दिशा तय नहीं कर सकते। तुम प्रयास कर सकते हो लेकिन समय को आदेश नहीं दे सकते।

एफसीआरए के चक्रव्यूह से क्यों छटपटा रहे हैं छद्म संगठन?

अशोक भाटिया

किसी भी संप्रभु लोकतांत्रिक राष्ट्र के लिए उसकी आंतरिक सुरक्षा, सामाजिक सद्भाव और राजनीतिक अखंडता सर्वोपरि होती है. जब कोई देश बाहरी ताकतों के दखल के बिना अपनी नीतियां बनाने और शासन चलाने की स्वतंत्रता खो देता है, तो उसका लोकतंत्र केवल एक दिखावा बनकर रह जाता है। इतिहास गवाह है कि विकासशील देशों को अस्थिर करने के लिए बंदूकों और मिसाइलों से ज्यादा खतरनाक हथियार 'अदृश्य धन' को बनाया जाता है। परोपकार, मानवाधिकार और सामाजिक कल्याण के मुखौटे के पीछे छिपी विदेशी फंडिंग कई बार राष्ट्रों के भीतर गृहयुद्ध, विभाजनकारी आंदोलनों और सांस्कृतिक संकटों को जन्म देती है। भारत ने इस खतरे को न केवल भांपा है, बल्कि समय-समय पर अपने कानूनी सुरक्षा तंत्र को अभेद्य भी बनाया है। इसी सुरक्षा तंत्र का सबसे अचूक और शक्तिशाली ब्रह्मास्त्र है-विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम, जिसे हम एफसीआरए के नाम से जानते हैं.

हाल के दिनों में एफसीआरए संशोधन विधेयक 2026 और संशोधित एफसीआरए नियम 2026 को लेकर देश के भीतर और बाहर एक विशेष लॉबी द्वारा भारी शोर मचाया जा रहा है. खुद को नागरिक समाज का अलंबरदार कहने वाले कुछ संगठन, मानवाधिकारों की दुहाई देने वाली कुछ अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं और तथाकथित बौद्धिक वर्ग इस कानून को 'दमनकारी' और 'अलोकतांत्रिक' साबित करने पर तुले हैं. लेकिन यक्ष प्रश्न यह है कि यदि नियत साफ है, सेवा का संकल्प सच्चा है, और आने वाले पैसे की पाई-पाई वैध है, तो कानून की कड़ाई से इतनी छटपटाहट क्यों? पारदर्शिता के तकाजों से केवल वही बिफर सकते हैं, जिनके बहीखातों में हेरफेर है और जिनकी फंडिंग का असली मकसद जनसेवा नहीं, बल्कि देश के ताने-बाने को छिन्न-भिन्न करना है। यह सम्पादकीय इस बात की गहराई से पड़ताल करता है कि आखिर क्यों भारत का यह संप्रभु अधिकार कुछ खास 'गलत लोगों' की आंखों की किरकिरी बन गया है।

एफसीआरए कोई नया कानून नहीं है। इसकी शुरुआत आपातकाल के दौरान 1976 में हुई थी, जब तत्कालीन सरकार को यह महसूस हुआ कि विदेशी ताकतें भारत के चुनावों, राजनीतिक दलों और जनमत को प्रभावित करने के लिए पानी की तरह पैसा बहा रही हैं. इसके बाद वर्ष 2010 में इसे पूरी तरह से नया रूप दिया गया, ताकि गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओएस) के माध्यम से आने वाले धन की निगरानी की जा सके. समय के साथ अपराधियों और राष्ट्र-विरोधी तत्वों ने कानून की कमियों का फायदा उठाकर 'फंड डाइवर्जन' और 'लेयरिंग' (पैसे को कई खातों में घुमाना) के नए-नए रास्ते खोज निकाले। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने इस खतरे को गंभीरता से लिया और 2020 में इसमें क्रांतिकारी संशोधन किए. इन संशोधनों के तहत सभी एनजीओएस के लिए देश के केंद्रीय बैंक के सहयोग से भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), नई दिल्ली मुख्य शाखा में ही अपना एफसीआरए खाता खोलना अनिवार्य कर दिया गया। इसके अलावा, प्रशासनिक खर्चों की सीमा को 50% से घटाकर 20% कर दिया गया और सबसे महत्वपूर्ण-एक एनजीओ द्वारा दूसरे एनजीओ को विदेशी फंड ट्रांसफर करने पर पूरी तरह रोक लगा दी गई। वर्ष 2026 तक आते-आते गृह मंत्रालय ने इसके नियमों को और अधिक उद्देश्य-आधारित और भौगोलिक रूप से ट्रैक करने योग्य बना दिया है. अब विदेशी धन प्राप्त करने वाली संस्थाओं को यह स्पष्ट करना होता है कि वे किस राज्य के किस जिले में, और किस विशिष्ट कार्य के लिए पैसा खर्च कर रही हैं. पांच दशकों की यह विधायी यात्रा दर्शाती है कि भारत ने कभी भी वैध विदेशी चैरिटी को नहीं रोका, बल्कि उसने केवल उस पैसे को रोका है जो लोकतंत्र की जड़ों में दीमक बनकर लग रहा था । दरअसल भारत की सांस्कृतिक विविधता और जनसांख्यिकी को बदलने के लिए दशकों से विदेशी धन का एक बड़ा हिस्सा अवैध धार्मिक रूपांतरण के खेल में झोंका जाता रहा है. सेवा के नाम पर दूरदराज के आदिवासी इलाकों, गरीब बस्तियों और वंचित समाजों में अस्पताल या स्कूल खोले जाते हैं, लेकिन उनका छिपा हुआ एजेंडा मतांतरण होता है। एफसीआरए नियम 2026 ने इस पर सबसे करारी चोट की है. नए नियमों में अनुमत धार्मिक गतिविधियों की एक स्पष्ट और सख्त सूची जारी की गई है, जिसमें धार्मिक बुनियादी ढांचे का रखरखाव, धार्मिक शिक्षा, पारंपरिक संगीत और स्वदेशी विश्वासों का संरक्षण तो शामिल है, लेकिन किसी भी प्रकार का प्रलोभन, लालच या धोखे से कराया जाने वाला धर्मांतरण पूरी तरह प्रतिबंधित है. जो ताकतें भारत की जनसांख्यिकीय संरचना को बदलकर सामाजिक तनाव पैदा करना चाहती थीं, इस नियम के बाद उनकी पूरी फंडिंग चेन ध्वस्त हो गई है। यही कारण है कि धार्मिक मुखौटा ओढ़े कई गिरोह आज इस कानून के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मानवाधिकारों के हनन का रोना रो रहे हैं। गौरतलब है कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है। भारत की इस आर्थिक प्रगति से कई वैश्विक ताकतें और उनके प्रतिस्पर्धी देश डरे हुए हैं। भारत को आर्थिक रूप से पंगु बनाने के लिए एक नया ट्रेंड शुरू हुआ जिसे 'इको-वारफेयर' कहा जाता है। विदेशी संस्थाएं भारत के स्थानीय एनजीओएस को करोड़ों रुपये की फंडिंग करती थीं, जिनका काम केवल भारत के बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स-जैसे परमाणु ऊर्जा संयंत्र, मेगा हाईवे, माइनिंग प्रोजेक्ट्स और बंदरगाहों-के खिलाफ स्थानीय लोगों को भड़काना और हिंसक विरोध प्रदर्शन आयोजित करना था। कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा संयंत्र और वेदांता के स्टरलाइट प्लांट के मामलों में विदेशी फंडिंग की संदिग्ध भूमिका जगजाहिर हो चुकी है। जनहित के नाम पर विकास को बंधक बनाने वाले इन एनजीओएस का धंधा एफसीआरए की कड़ी निगरानी ने पूरी तरह बंद कर दिया है। अब चूंकि हर प्रोजेक्ट के लिए आने वाले फंड का 'अंतिम दाता' और उसकी उपयोगिता सरकार की रडार पर है, इसलिए विकास विरोधी लॉबी पूरी तरह अलग-थलग पड़ गई है. सच्ची जनसेवा करने वाले संगठन कभी भी संपत्तियों के साम्राज्य खड़े नहीं करते। लेकिन भारत में कई ऐसे एनजीओएस पनप गए थे, जो विदेशों से समाज कल्याण के नाम पर अरबों रुपये लाते थे और उनसे आलीशान इमारतें, होटल, फार्महाउस और व्यावसायिक संपत्तियां खड़ी कर लेते थे। जब सरकार उनके नियमों के उल्लंघन पर उनका लाइसेंस रद्द करती थी, तो वे उन संपत्तियों को बेचकर या घरेलू ट्रस्टों में ट्रांसफर करके बच निकलते थे। एफसीआरए संशोधन विधेयक 2026 ने इस लूपहोल को हमेशा के लिए बंद कर दिया है. विधेयक के प्रावधानों के अनुसार, यदि किसी संगठन का लाइसेंस सरकार द्वारा रद्द किया जाता है, या वह खुद सरेंडर करता है, या समय पर रिन्यू नहीं करा पाता तो उस विदेशी पैसे से खड़ी की गई तमाम चल-अचल संपत्तियां एक 'नामित प्राधिकरण' के अधीन अनंतिम रूप से निहित हो जाएंगी. यदि संस्था अपनी बेगुनाही साबित नहीं कर पाती, तो ये संपत्तियां स्थायी रूप से सरकारी मंत्रालयों या विभागों को जनहित के कार्यों के लिए सौंप दी जाएंगी या उन्हें बेचकर पैसा भारत के संचित कोष में जमा कर दिया जाएगा. अपनी अवैध रूप से कमाई गई जागीर छिन जाने का यह डर ही इन गलत लोगों की बौखलाहट का सबसे बड़ा कारण है।

प्रकृति से युद्ध नहीं, संवाद चाहिए

योगेश कुमार गोयल

पूरी दुनिया में मौसम के तेजी से बिगड़ते मिजाज के कारण विभिन्न देशों में प्रकृति की मार अब स्पष्ट नजर आने लगी है। प्रकृति के साथ खिलवाड़ का ही परिणाम है कि अब हर साल देश के कई हिस्से भारी बारिश के कारण बाढ़ की वजह से त्राहि-त्राहि करते नजर आते हैं जबकि कई हिस्से मानसून के दौरान भी पर्याप्त बारिश के लिए तरसते रह जाते हैं। इस वर्ष भी कुछ ऐसे ही हालात हैं। दुनिया के कई ठंडे इलाके अब ग्लोबल वार्मिंग के कारण तपने लगे हैं तो कई सूखे इलाके बाढ़ से त्रस्त हैं, जंगल झुलस रहे हैं। बिगड़ते पर्यावरणीय संतुलन और मौसम चक्र में आते बदलाव के कारण पेड़-पौधों की अनेक प्रजातियों के अलावा जीव-जंतुओं की कई प्रजातियों के अस्तित्व पर भी संकट के बादल मंडरा रहे हैं। पर्यावरण के तेजी से बदलते इस दौर में वैश्विक स्तर पर लोगों का ध्यान इन समस्याओं की ओर आकृष्ट करने के लिए ही प्रतिवर्ष 28 जुलाई को 'विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस' मनाया जाता है, जिसके माध्यम से वातावरण में हो रहे व्यापक बदलावों के चलते लगातार विलुप्ति के कगार पर पहुंच रही जीव जंतुओं और वनस्पतियों की अनेक प्रजातियों की रक्षा का संकल्प लिया जाता है। विश्वभर में आधुनिकीकरण और औद्योगिकीकरण के चलते प्रकृति के साथ बड़े पैमाने पर जो खिलवाड़ हो रहा है, उसके मद्देनजर आमजन को जागरूक करने के लिहाज से आज के समय में प्रकृति संरक्षण दिवस की महत्ता बढ़ गई है।

2020 में कोरोना महामारी के कारण लगे लॉकडाउन के दौर में पूरी दुनिया ने पहली बार प्रकृति को खुलकर मुस्कराते देखा था क्योंकि तब औद्योगिक इकाईयां, हवाई व रेल यात्राएं, बस यात्रा तथा निजी वाहनों का आवागमन बंद होने से हर तरह के प्रदूषण का स्तर पूर्ण रूप से नियंत्रित हो गया था। गंगा, यमुना जैसी जो पवित्र नदियां कई जगहों पर गंदे नालों की भांति बहती दिखाई देती थी, उनमें जल की निर्मल धारा बहने लगी थी। जिन नदियों को साफ करने के लिए पिछले कुछ दशकों में अनेक योजनाएं और समितियां बनी तथा नदियों की स्वच्छता के नाम पर अरबों-खरबों रुपये खर्च हो गए, लॉकडाउन के दौरान वे स्वतः ही स्वच्छ और निर्मल हो गई थी। पहली बार देखा गया था कि किस प्रकार लॉकडाउन के चलते लोगों के घरों में बंद रहने और सभी प्रकार के व्यावसायिक कार्य बंद हो जाने से हवा इतनी शुद्ध हो गई थी कि सैंकड़ों किलोमीटर दूर स्थित पर्वतों की चोटियां भी स्पष्ट दिखाई दी थी। जिन नन्हीं चिड़ियों की चहचहाहट को हमारे कान तरस गए थे, ब्रह्म मुहूर्त में उनकी मधुर आवाज फिर से सुनाई देनी लगी थी। प्रकृति के उस साफ-सुथरे स्वरूप को देखकर हर कोई खुश था। दरअसल प्रकृति को स्वयं अपनी मरम्मत करने और खुद को सजाने-संवारने का सुअवसर मिला था लेकिन इंसानी गतिविधियां पुनः शुरू होते ही प्रकृति के साथ निर्मम खिलवाड़ का वही दौर पुनः शुरू हो गया, जिसका परिणाम इस समय दुनिया के तमाम देश भुगत रहे हैं।

लॉकडाउन के दौर ने पूरी दुनिया को यह समझने का बेहतरीन अवसर दिया था कि इंसानी गतिविधियों के कारण ही प्रकृति का जिस बड़े पैमाने पर दोहन किया जाता रहा है, उसी के कारण स्वर्ग से भी सुंदर हमारी धरती कराहती रही है। प्रकृति मनुष्य को ऐसा न करने के लिए बार-बार किसी न किसी बड़ी आपदा के रूप में चेतावनियां भी देती रही है लेकिन उन चेतावनियों को सदा दरकिनार किया जाता रहा है। प्रकृति के साथ मानवीय छेड़छाड़ का ही नतीजा रहा है कि बीते कुछ वर्षों में मौसम चक्र में बदलाव स्पष्ट दिखाई दिया है। वर्ष दर वर्ष अब जिस प्रकार मौसम के बिगड़ते मिजाज के चलते समय-समय पर तबाही देखने को मिल रही है, ऐसे में हमें अच्छी तरह समझ लेना चाहिए कि मौसम चक्र के बदलाव के कारण प्रकृति संतुलन पर जो विपरीत प्रभाव पड़ रहा है, उसकी अनदेखी के कितने भयावह परिणाम होंगे। प्रकृति बार-बार मौसम चक्र में बदलाव के संकेत, चेतावनी तथा संभलने का अवसर देती रही है लेकिन हम आदतन किसी बड़े खतरे के सामने आने तक ऐसे संकेतों या चेतावनियों को नजरअंदाज करते रहे हैं, जिसका नतीजा अक्सर भारी तबाही के रूप में सामने आता रहा है। पिछले तीन दशकों से पर्यावरण प्रदूषण के कारण जिस प्रकार मौसम चक्र तीव्र गति से बदल रहा है और प्राकृतिक आपदाओं का आकस्मिक सिलसिला तेज हुआ है, उसके बावजूद यदि हम नहीं संभलना चाहते तो इसमें भला प्रकृति का क्या दोष? प्रकृति के साथ हम बड़े पैमाने पर जो छेड़छाड़ कर रहे हैं, उसी का नतीजा है कि पिछले कुछ समय में भयानक तूफानों, बाढ़, सूखा, भूकम्प जैसी प्राकृतिक आपदाओं का सिलसिला तेजी से बढ़ा है। अपनी पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' में मैंने विस्तार से यह बताया है कि किस प्रकार पर्यावरण का संतुलन डगमगाने के चलते लोग अब तरह-तरह की भयानक बीमारियों के जाल में फंस रहे हैं। हमारे जो पर्वतीय स्थान कुछ सालों पहले तक शांत और स्वच्छ वातावरण के कारण हर किसी को अपनी ओर आकर्षित किया करते थे, आज वहां भी प्रदूषण तेजी से बढ़ रहा है और ठंडे इलाकों के रूप में विख्यात पहाड़ भी तपने लगने हैं, वहां भी जल संकट गहराने लगा है। दरअसल पर्वतीय क्षेत्रों में यातायात के साधनों से बढ़ते प्रदूषण, बड़े-बड़े उद्योग स्थापित करने और राजमार्ग बनाने के नाम पर बड़े पैमाने पर वनों के दोहन, सुरंगें बनाने के लिए बेदर्दी से पहाड़ों का सीना चीरे जाने का ही दुष्परिणाम है कि हमारे इन खूबसूरत पहाड़ों की ठंडक अब लगातार कम हो रही है। पहाड़ों में बढ़ती इसी गर्माहट के चलते हमें अक्सर घने वनों में भयानक आग लगने की खबरें भी सुनने को मिलती रहती हैं। पहाड़ों की इसी गर्माहट का सीधा असर निचले मैदानी इलाकों पर पड़ता है, जहां का पारा अब वर्ष दर वर्ष बढ़ रहा है।

हालांकि प्रकृति बार-बार अपना रौद्र रूप दिखाकर स्पष्ट चेतावनी देती रही है कि यदि उसके साथ अंधाधुंध खिलवाड़ बंद नहीं हुआ तो उसके घातक परिणाम होंगे लेकिन विड़म्बना है कि लगातार प्रकृति का प्रचण्ड रूप देखते रहने के बावजूद प्रकृति की चेतावनियों को नजरअंदाज कर दुनिया अपने विनाश को आमंत्रित कर रही है। दरअसल हम समझना ही नहीं चाहते कि पहाड़ों का सीना चीरकर हरे-भरे जंगलों को तबाह कर हम कंक्रीट के जो जंगल विकसित कर रहे हैं, वह वास्तव में विकास नहीं है बल्कि विकास के नाम पर हम अपने ही विनाश का मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं।

प्रकृति कभी समुद्री तूफान तो कभी भूकम्प, कभी सूखा तो कभी अकाल के रूप में अपना विकराल रूप दिखाकर हमें बारम्बार चेतावनी देती रही है कि हम यदि इसी प्रकार प्राकृतिक संसाधनों का बुरे तरीके से दोहन करते रहे तो हमारे भविष्य की तस्वीर कैसी होने वाली है। यदि हम अभी भी नहीं संभले और हमने प्रकृति से साथ खिलवाड़ बंद नहीं किया तो हमें आने वाले समय में इसके खतरनाक परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहना होगा।

मशीनों के युग में मनुष्य को मनुष्य बनाने वाली शक्ति : गुरु

कृति जैन

जब संसार प्रकाश के साधनों से जगमगा रहा हो, फिर भी मनुष्य का अंतर्मन अज्ञान, भ्रम और बेचैनी के अंधकार से घिरा हो, तब गुरु का महत्व और बढ़ जाता है। आज सूचनाओं का महासागर है, पर सत्य की निर्मल धारा दुर्लभ होती जा रही है। तकनीक ने जीवन सरल बनाया है, किंतु आत्मिक शांति और सही दिशा की खोज गहरी हुई है। ऐसे समय में गुरु पूर्णिमा केवल पर्व नहीं, बल्कि चेतना जागरण का वह अवसर है, जो मनुष्य को भीतर छिपे प्रकाश से परिचित कराता है। पूर्ण चंद्रमा की शीतल आभा संदेश देती है कि अंधकार प्रकाश के सामने टिक नहीं सकता। गुरु वह दिव्य ज्योति है, जो भ्रम हटाकर सत्य का मार्ग दिखाती है और जीवन को उद्देश्य से जोड़ती है। सच्चा गुरु केवल ज्ञान नहीं देता, बल्कि भीतर सोई चेतना को जगाकर श्रेष्ठ स्वरूप पहचानने की प्रेरणा देता है। युग बदले, साधन बदले, पर मनुष्य की सबसे बड़ी आवश्यकता सही दिशा है। आज स्क्रीन की रोशनी में आंखें जाग रही हैं, पर भीतर का प्रकाश मंद पड़ रहा है। संबंध बढ़े हैं, संवाद घटा है; जानकारी बढ़ी है, पर समझ कम हुई है। ऐसे समय में गुरु-शिष्य संबंध केवल परंपरा नहीं, चेतना जागृत करने वाली शक्ति है। गुरु केवल शब्दों का ज्ञान नहीं देता, वह शिष्य के भीतर छिपे विश्वास, विवेक और सामर्थ्य को जगाता है। वह जीवन के कठिन मोड़ों पर दिशा देने वाला प्रकाशस्तंभ है, जो शिष्य को भीड़ में खोने नहीं देता, बल्कि स्वयं की पहचान तक पहुंचाता है। सच्चा गुरु मार्ग नहीं थोपता, बल्कि शिष्य को अपना मार्ग चुनने योग्य बनाता है। यही संबंध पीढ़ियों को आगे बढ़ाकर भीतर से श्रेष्ठ बनाता है।

मनुष्य ने किताबों में ज्ञान खोजा, पर जीवन के गहरे सत्य प्रकृति ने बिना शब्दों के सिखाए हैं। आज जब धरती अपने बदलते स्वरूप से मानव को चेतावनी दे रही है, तब समझने का समय है कि प्रकृति केवल जीवन का आधार नहीं, बल्कि हमारी सबसे बड़ी शिक्षक भी है। वृक्ष त्याग का अर्थ बताते हैं, नदियां रुकावटों के बीच आगे बढ़ना सिखाती हैं, पर्वत मौन रहकर संघर्ष की शक्ति दिखाते हैं और आकाश सीमाओं से परे सोचने की प्रेरणा देता है। सदियों से प्रकृति देती रही, पर हमने उसे केवल लेने की दृष्टि से देखा। गुरु पूर्णिमा का संदेश है कि प्रकृति को उपभोग की वस्तु नहीं, सम्मान की गुरु-दृष्टि से देखने की आवश्यकता है। विकास की वास्तविक पहचान वही है, जहां मानव प्रगति और प्रकृति का अस्तित्व एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि सहयात्री बनें।आज मनुष्य के पास हर सुविधा है, फिर भी मन के भीतर खालीपन बढ़ रहा है। बाहरी दुनिया जीतने की दौड़ में वह अंतर्मन की आवाज सुनना भूल गया है। चिंता, असंतोष और बेचैनी केवल परिस्थितियों नहीं, दृष्टिकोण की भी उपज हैं। ऐसे समय में गुरु वह शक्ति है, जो मन के अंधेरे को समझ का प्रकाश देती है। वह घावों को भरकर उन्हें जीवन की सीख में बदलने की क्षमता देता है। सच्चा गुरु संघर्षों से बचना नहीं, बल्कि उनके बीच संतुलित और शांत रहना सिखाता है। गुरु पूर्णिमा का संदेश है कि जीवन का सबसे बड़ा उपचार बाहरी साधनों में नहीं, बल्कि जागृत सोच, आत्मविश्वास और भीतर के प्रकाश को पहचानने में है।

दुनिया बदलने की दौड़ में सबसे बड़ा खतरा यह नहीं कि हम आगे बढ़ रहे हैं, बल्कि यह है कि कहीं अपनी पहचान पीछे न छोड़ दें। संस्कृति केवल रीति-रिवाजों का संग्रह नहीं, बल्कि पीढ़ियों के अनुभव, विचार और जीवन मूल्यों की धारा है। गुरु परंपरा इसी धारा को आगे बढ़ाने वाली शक्ति है, जो अलग-अलग सभ्यताओं को ज्ञान के सूत्र से जोड़ती है। भाषा, वेश और परंपराएं भले अलग हों, पर सत्य, करुणा और ज्ञान का भाव हर जगह एक होता है। गुरु पूर्णिमा हमें याद दिलाती है कि जड़ों से जुड़े रहकर ही हम विश्व को वास्तविक अर्थों में जोड़ सकते हैं। विविधता हमारी दूरी नहीं, मानवता की सुंदर पहचान है। मानव ने मशीनों को सोचने की क्षमता दे दी, पर उन्हें महसूस करने की शक्ति नहीं दे सका। यही अंतर आने वाले समय में गुरु की भूमिका को महत्वपूर्ण बनाता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता सूचनाओं का संसार खोल सकती है, लेकिन सही और गलत के बीच अंतर करने का विवेक नहीं जगा सकती। आज आवश्यकता ऐसे मार्गदर्शकों की है, जो तकनीक की उड़ान को मानवता की जमीन से जोड़े रखें। ज्ञान की ऊंचाई तभी सार्थक है, जब उसमें संवेदना और नैतिकता का प्रकाश हो। गुरु पूर्णिमा का संदेश है कि भविष्य का नेतृत्व मशीनें नहीं, बल्कि जागृत चेतना वाले मनुष्य करेंगे, जो तकनीक को नियंत्रित करें और उसके प्रभाव में स्वयं को न खोएं।

अपने भीतर के प्रकाश को पहचानना ही गुरु पूर्णिमा का वास्तविक संदेश है। जीवन की सच्ची ऊंचाई तब है, जब हमारी सोच किसी को प्रेरणा दे, शब्द किसी टूटे मन को संबल दें और कर्म किसी के लिए आशा की किरण बन जाएं। हर मनुष्य में दूसरों के अंधकार को मिटाने की क्षमता छिपी है, बस उसे स्वार्थ से ऊपर उठकर पहचानने की आवश्यकता है। जब ज्ञान विनम्रता बने, शक्ति सेवा बने और जीवन प्रेरणा बन जाए, तभी गुरु परंपरा की सार्थकता सिद्ध होती है। स्वयं प्रकाश बनकर ही हम संसार में उजाला फैला सकते हैं। गुरु पूर्णिमा केवल गुरु वंदना नहीं, बल्कि स्वयं के भीतर छिपे प्रकाश को पहचानने का अवसर है। गुरु वह शक्ति है जो अज्ञान के पर्दे हटाकर विवेक की राह दिखाती है और जीवन को नई दृष्टि देती है।

सृष्टि के सर्वश्रेष्ठ जीव

डॉ सुरेश कुमार मिश्रा

रात के ठीक बारह बजे थे। पूरे घर में सन्नाटा पसरा हुआ था, सिवाय रसोई के सिंक से टपकती पानी की एक-एक बूंद के। रोशनी के नाम पर सिर्फ एक मद्धम सी पीली ट्यूबलाइट जल रही थी। इसी सन्नाटे को चीरते हुए, ओवन के पीछे की अंधेरी दरार से दो पतले, सुनहरे एंटीना बाहर निकले। हवा में चारों तरफ का जायजा लिया गया। कोई खतरा नहीं था। अगले ही पल, छह बारीक पैरों पर सवार होकर वह बाहर आया 'विक्रम'। उसकी भूरी-चमकदार पीठ पर ट्यूबलाइट की रोशनी ऐसे चमक रही थी जैसे किसी महाराजा की बख्तरबंद पोशाक हो। विक्रम कोई आम कॉकरोच नहीं था; वह इस रसोई का निर्विवाद सम्राट था। उसने सिर उठाकर देखा, कटिंग बोर्ड पर पनीर का एक नन्हा टुकड़ा छूटा हुआ था। यह आज रात का उसका शिकार था। वह धीरे-धीरे, अपनी नवाबी चाल में आगे बढ़ने लगा। अचानक पूरे घर में बिजली का धमाका सा हुआ। रसोई की मुख्य ट्यूबलाइट झटके से जल उठी।

रसोई के दरवाजे पर खड़ा था 'राघव' हाथ में काले रंग की एक भारी-भरकम चप्पल और आंखों में भयंकर गुस्सा। राघव पिछले तीन दिनों से इस एक कॉकरोच का पीछा कर रहा था। उसकी पूरी मर्दानगी, उसकी सफाई के दावे और उसके घर का सुकून सब इस एक छोटे से जीव के सामने दांव पर लगे थे। राघव ने दांत भींचे और फुसफुसाया, आज नहीं विक्रम... आज तेरा आखिरी दिन है। विक्रम बीच रास्ते में रुक गया। उसने अपने एंटीना 180 डिग्री पर घुमाए। सामने छह फीट का विशालकाय इंसान, हाथ में प्लास्टिक का अस्त्र लिए खड़ा था। साधारण कीड़ा होता तो डर के मारे वहीं ढेर हो जाता, लेकिन विक्रम ने अपनी चाल और धीमी कर दी। उसने अपनी दांई टांग उठाई और अपनी मूंछ पर फेरी, मानो कह रहा हो 'कोशिश करके देख ले भाई!' राघव ने बिना वक्त गंवाए हमला कर दिया। 'धाड़!' चप्पल पूरी ताकत से टाइल्स पर पड़ी। हवा में उड़ती हुई धूल का गुबार उठा। राघव ने राहत की सांस ली और चप्पल हटाई। उसे लगा कि खेल खत्म हो चुका है। लेकिन टाइल्स बिल्कुल खाली थी! इससे पहले कि राघव कुछ समझ पाता, उसे अपने दाहिने पैर की उंगली पर एक हल्की सी सरसराहट महसूस हुई। उसने नीचे देखा। विक्रम उसकी चप्पल के वार से महज़ आधा इंच की दूरी से बचकर सीधे उसके नंगे पैर पर आ बैठा था और बड़े मजे से अपनी मूंछें मटका रहा था! आहहहह! राघव के मुंह से एक ऐसी पतली और दर्दनाक चीख निकली, जैसी उसने अपनी पूरी जिंदगी में कभी नहीं निकाली थी। वह एक टांग पर उछलने लगा, चप्पल हवा में लहराने लगी। रसोई का मंज़र किसी हॉरर-कॉमेडी फिल्म जैसा हो गया था। राघव अपनी ही चप्पल से अपने पैरों पर प्रहार कर रहा था और विक्रम बड़ी चालाकी से हर वार के साथ उसकी पैंट की मोहरी से होता हुआ ऊपर चढ़ रहा था। जब बात हाथ से निकलती दिखी, तो राघव ने अपना सबसे बड़ा हथियार निकाला हिट स्प्रे की वो लाल बोतल! उसने बोतल का नोजल विक्रम की तरफ ताना। अब बचकर दिखा! राघव ने चिल्लाकर स्प्रे का पूरा बटन दबा दिया। रसोई में सफेद ज़हरीले धुएं का बादल छा गया।

दीप नहीं, गुरु रोशन करते हैं जीवन

सुरेश गांधी

भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी शक्ति यदि किसी एक परंपरा में समाहित है, तो वह है गुरु-शिष्य परंपरा। यह परंपरा केवल शिक्षा देने और प्राप्त करने तक सीमित नहीं रही, बल्कि आत्मा के परिष्कार, चरित्र के निर्माण और जीवन को उद्देश्य देने का माध्यम भी रही है। यही कारण है कि सनातन संस्कृति में गुरु को ईश्वर से भी ऊंचा स्थान दिया गया है। कबीर का प्रसिद्ध दोहा— ₹गुरु गोविंद दोऊ खड़े, काके लागूं पाय। बलिहारी गुरु आपने, गोविंद दियो बताय।।₹— आज भी गुरु की महिमा का सबसे सशक्त उद्घोष है। आषाढ़ मास की शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को मनाई जाने वाली गुरु पूर्णिमा भारतीय संस्कृति का ऐसा अनुपम पर्व है, जिसमें ज्ञान के स्रोत के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की जाती है। यह दिन केवल अपने गुरु का सम्मान करने का अवसर नहीं, बल्कि स्वयं को ज्ञान, अनुशासन और सदाचार के प्रति पुनः समर्पित करने का भी दिन है। इस साल गुरु पूर्णिमा 29 जुलाई, बुधवार को मनाई जाएगी। आषाढ़ पूर्णिमा तिथि 28 जुलाई को शाम 6:18 बजे प्रारंभ होकर 29 जुलाई को रात्रि 8:05 बजे तक रहेगी। उदया तिथि के अनुसार 29 जुलाई को ही व्रत, पूजन और दान का विशेष महत्व रहेगा। ब्रह्म मुहूर्त प्रातः 4:17 से 4:59 बजे तक रहेगा। इसी समय स्नान, ध्यान और दान को अत्यंत शुभ माना गया है। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन अन्नदान, वस्त्रदान और गुरु पूजन करने से जीवन के कष्ट दूर होते हैं, मन को शांति मिलती है तथा ज्ञान और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होता है।

महर्षि वेदव्यास : भारतीय ज्ञान परंपरा के प्रथम गुरु

गुरु पूर्णिमा को व्यास पूर्णिमा भी कहा जाता है। इसका कारण यह है कि इसी दिन महर्षि कृष्ण द्वैपायन वेदव्यास का अवतरण हुआ था। वे ही महाभारत, अठारह पुराणों और ब्रह्मसूत्र के रचयिता हैं। उन्होंने चारों वेदों का वर्गीकरण कर उन्हें व्यवस्थित स्वरूप दिया। यदि वेदव्यास न होते तो भारतीय ज्ञान परंपरा का इतना विशाल स्वरूप आज हमारे सामने नहीं होता। इसीलिए उन्हें सनातन धर्म में आदि गुरु की उपाधि प्राप्त है। गुरु पूर्णिमा पर सबसे पहले महर्षि वेदव्यास को स्मरण कर उनके प्रति श्रद्धा अर्पित की जाती है।

गुरु केवल शिक्षक नहीं, जीवन का शिल्पकार है

गुरु शब्द दो अक्षरों से बना है— 'गु' अर्थात अंधकार और 'रु' अर्थात उसका नाश करने वाला। अर्थात जो अज्ञान रूपी अंधकार को दूर कर ज्ञान का प्रकाश फैलाए, वही गुरु है। माता-पिता जन्म देते हैं, किंतु जीवन जीने की कला, संस्कार, विवेक और आत्मबोध गुरु ही प्रदान करते हैं। गुरु व्यक्ति के भीतर छिपी संभावनाओं को पहचानकर उसे उसकी वास्तविक क्षमता तक पहुंचाते हैं। इसलिए भारतीय दर्शन में कहा गया है—

हर धर्म में गुरु का सर्वोच्च स्थान

गुरु की महिमा केवल सनातन धर्म तक सीमित नहीं है। संसार के लगभग सभी धर्मों और सभ्यताओं में गुरु या मार्गदर्शक को सर्वोच्च सम्मान दिया गया है। ईसाई धर्म में उन्हें मास्टर, इस्लाम में पीर और सूफी परंपरा में मुर्शिद कहा गया है। बौद्ध, जैन और सिख परंपरा में भी गुरु को मोक्ष और आत्मज्ञान का द्वार माना गया है। सूफी संत हजरत निजामुद्दीन औलिया और उनके शिष्य अमीर खुसरो की गुरु भक्ति आज भी उदाहरण मानी जाती है। वहीं सनातन परंपरा में विश्वामित्र-राम, द्रोणाचार्य-अर्जुन, संदीपन-कृष्ण और धौम्य-आरुणि जैसी गुरु-शिष्य जोड़ियां भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर हैं।

गुरु की कृपा से ही मिटता है अज्ञान

शास्त्रों में कहा गया है कि गुरु की कृपा के बिना ज्ञान संभव नहीं और ज्ञान के बिना आत्मकल्याण नहीं। गुरु ही वह शक्ति है जो व्यक्ति को उसके भ्रम, भय और मोह से मुक्त कर सत्य के मार्ग पर चलना सिखाती है। इसीलिए कहा गया है—

गुरु पूर्णिमा केवल पूजा नहीं, कृतज्ञता का पर्व

गुरु पूर्णिमा का वास्तविक संदेश केवल फूल, माला और उपहार अर्पित करना नहीं है। इस दिन अपने गुरु के बताए आदर्शों पर चलने का संकल्प लेना ही सबसे बड़ी गुरु दक्षिणा है। आज जब आधुनिक जीवन की भागदौड़ में नैतिक मूल्यों का ह्रास हो रहा है, तब गुरु पूर्णिमा हमें पुनः संयम, अनुशासन, सेवा, करुणा और सत्य के मार्ग पर लौटने की प्रेरणा देती है। गुरु केवल विद्यालय का शिक्षक नहीं होता। माता-पिता, बड़े भाई-बहन, जीवन में सही दिशा दिखाने वाला कोई भी व्यक्ति गुरु हो सकता है। यहां तक कि परिस्थितियां, प्रकृति और अनुभव भी कई बार गुरु बन जाते हैं।

दान और सेवा का भी है विशेष महत्व

गुरु पूर्णिमा के दिन स्नान, ध्यान और गुरु पूजन के साथ-साथ अन्नदान का विशेष महत्व बताया गया है। शास्त्रों में कहा गया है कि अन्नदान सबसे श्रेष्ठ दान है, क्योंकि इससे भूखे व्यक्ति की भूख मिटती है और समाज में करुणा तथा सेवा का भाव विकसित होता है। इस दिन गौसेवा, गरीबों को भोजन, वस्त्रदान तथा जरूरतमंद विद्यार्थियों को पुस्तकें और अध्ययन सामग्री देना भी अत्यंत पुण्यदायी माना गया है।

आज के दौर में गुरु पूर्णिमा की प्रासंगिकता

तकनीक के इस युग में जानकारी सहज उपलब्ध है, लेकिन ज्ञान आज भी गुरु के माध्यम से ही प्राप्त होता है। इंटरनेट प्रश्नों के उत्तर दे सकता है, लेकिन जीवन जीने की दृष्टि नहीं दे सकता। कृत्रिम बुद्धिमत्ता जानकारी दे सकती है, किंतु चरित्र, विवेक और संस्कार का निर्माण केवल गुरु ही कर सकता है। आज जब समाज दिशाहीनता, मानसिक तनाव, नैतिक संकट और मूल्यहीनता से जूझ रहा है, तब गुरु पूर्णिमा का महत्व और अधिक बढ़ जाता है। यह पर्व हमें स्मरण कराता है कि सभ्यता की निरंतरता केवल तकनीक से नहीं, बल्कि संस्कारों से बनी रहती है।

गुरु-शिष्य परंपरा ही भारत की सबसे बड़ी सांस्कृतिक पूंजी

विश्वगुरु भारत की पहचान केवल आर्थिक या सैन्य शक्ति से नहीं बनी, बल्कि उसकी महान गुरु-शिष्य परंपरा से बनी है। वेद, उपनिषद, गीता, रामायण, महाभारत और समूची भारतीय ज्ञान परंपरा इसी अमर संबंध की देन हैं। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम गुरु पूर्णिमा को केवल धार्मिक अनुष्ठान तक सीमित न रखें, बल्कि इसे ज्ञान, संस्कार, सेवा, विनम्रता और कृतज्ञता के राष्ट्रीय उत्सव के रूप में आत्मसात करें। जब तक गुरु का प्रकाश मानव जीवन को आलोकित करता रहेगा, तब तक भारतीय संस्कृति की आत्मा भी अमर रहेगी।

यही गुरु पूर्णिमा का सनातन संदेश है।

आषाढ़ पूर्णिमा पर क्यों खास मानी जाती है पीपल के पेड़ की पूजा?

आषाढ़ मास की पूर्णिमा का हिंदू धर्म में विशेष महत्व माना जाता है। इस दिन स्नान, दान, पूजा और धार्मिक कार्य करने की परंपरा है। आषाढ़ पूर्णिमा को गुरु पूर्णिमा के रूप में भी मनाया जाता है। इस दिन गुरु की पूजा और उनका आशीर्वाद लेने के साथ-साथ भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की आराधना भी की जाती है। वहीं, आषाढ़ पूर्णिमा के दिन पीपल के पेड़ की पूजा करना भी बेहद शुभ माना जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, पीपल के पेड़ में देवी-देवताओं का वास होता है और इसकी पूजा करने से जीवन में सुख-समृद्धि बनी रहती है। द्रिक पंचांग के अनुसार, साल 2026 में आषाढ़ पूर्णिमा 29 जुलाई, बुधवार को मनाई जाएगी। ऐसे में इस दिन पीपल के पेड़ की पूजा और उसके नीचे दीपक जलाने का विशेष महत्व माना जा रहा है। मान्यता है कि पूर्णिमा के दिन पीपल की पूजा करने से भगवान विष्णु की कृपा मिलती है और घर-परिवार में सकारात्मकता बनी रहती है।

आषाढ़ पूर्णिमा पर क्यों खास है पीपल का पेड़?

सनातन धर्म में पीपल के पेड़ को बहुत पवित्र माना गया है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, पीपल के पेड़ में भगवान विष्णु का वास माना जाता है। यही वजह है कि पीपल की पूजा को भगवान विष्णु की पूजा के समान माना जाता है।आषाढ़ पूर्णिमा के दिन पीपल की पूजा करने से भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की कृपा मिलने की मान्यता है। कहा जाता है कि इस दिन पीपल के पेड़ के नीचे दीपक जलाने और जल अर्पित करने से घर में सुख-शांति बनी रहती है। साथ ही आर्थिक परेशानियों से राहत मिलने और जीवन में समृद्धि आने की भी धार्मिक मान्यता है।

पीपल के पेड़ की पूजा करने से क्या मिलता है?

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, पीपल के पेड़ की पूजा करने से कई तरह के शुभ फल मिल सकते हैं। आषाढ़ पूर्णिमा के दिन श्रद्धा के साथ पीपल की पूजा करने से भगवान विष्णु का आशीर्वाद प्राप्त होने की मान्यता है।कहा जाता है कि पीपल की पूजा करने से घर में सकारात्मक माहौल बना रहता है। परिवार के सदस्यों के बीच प्रेम और शांति बढ़ती है। इसके अलावा, जीवन में आने वाली परेशानियां कम होने और आर्थिक स्थिति बेहतर होने की भी मान्यता है। कई लोग पूर्णिमा के दिन अपनी मनोकामना पूरी होने की प्रार्थना करते हुए पीपल के पेड़ की परिक्रमा भी करते हैं।

आषाढ़ पूर्णिमा पर कैसे करें पीपल की पूजा?

आषाढ़ पूर्णिमा के दिन सुबह स्नान करके साफ कपड़े पहनें। इसके बाद पीपल के पेड़ के पास जाकर सबसे पहले भगवान विष्णु का ध्यान करें। पीपल के पेड़

की जड़ में जल अर्पित करें। इसके बाद पेड़ के नीचे घी या तिल के तेल का दीपक जलाएं।पीपल के पेड़ की पूजा करते समय भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी का ध्यान करें। अपनी मनोकामना भगवान के सामने रखें और परिवार की सुख-समृद्धि की प्रार्थना करें। पूजा के बाद जरूरतमंद लोगों को अपनी क्षमता के अनुसार दान करना भी शुभ माना जाता है।

पीपल के पेड़ के नीचे दीपक जलाने का क्या महत्व है?

आषाढ़ पूर्णिमा पर पीपल के पेड़ के नीचे दीपक जलाने की परंपरा भी काफी पुरानी है। मान्यता है कि दीपक जलाने से अंधकार दूर होता है और जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, पीपल के नीचे दीपक जलाकर भगवान विष्णु का ध्यान करने से उनकी कृपा प्राप्त होती है। कई लोग इस दिन शाम के समय पीपल के पेड़ के नीचे दीपक जलाते हैं और परिवार के सुख-शांति की कामना करते हैं।

पीपल की परिक्रमा क्यों की जाती है?

हिंदू धर्म में पीपल के पेड़ की परिक्रमा करने का भी विशेष महत्व माना गया है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, पीपल की परिक्रमा करने से व्यक्ति को भगवान विष्णु का आशीर्वाद प्राप्त होता है। आषाढ़ पूर्णिमा के दिन श्रद्धालु पीपल के पेड़ की परिक्रमा करते हुए भगवान विष्णु का नाम लेते हैं। मान्यता है कि ऐसा करने से मन को शांति मिलती है और जीवन की परेशानियों से छुटकारा पाने का रास्ता मिलता है

आषाढ़ पूर्णिमा पर दान का भी है महत्व

आषाढ़ पूर्णिमा के दिन पूजा-पाठ के साथ दान-पुण्य करने का भी विशेष महत्व माना जाता है। इस दिन जरूरतमंद लोगों को भोजन, कपड़े और अपनी क्षमता के अनुसार अन्य जरूरी चीजों का दान किया जा सकता है।मान्यता है कि पूर्णिमा के दिन किया गया दान पुण्य देता है और व्यक्ति के जीवन में सुख-समृद्धि लाता है। ऐसे में पीपल की पूजा के बाद किसी जरूरतमंद व्यक्ति की मदद करना भी शुभ माना जाता है।

देवता और भगवान में है बड़ा अंतर

हिंदू धर्म में देवता और भगवान दोनों पूजनीय हैं, पर उनमें मूलभूत अंतर है। देवता प्रकृति के प्रतिनिधि व भगवान के सेवक होते हैं, जिनकी शक्तियां सीमित हैं। वहीं भगवान सर्वोच्च, सर्वशक्तिमान और सृष्टिकर्ता हैं। वे प्रेम व भक्ति से प्राप्त होते हैं, जबकि देवताओं के लिए विशेष पूजा आवश्यक है। यह लेख उनके भिन्न महत्व और भूमिका को स्पष्ट करता है।

सनातन धर्म में देवतताओं और भगवान का अपना अपना स्थान है। ये दोनों ही बहुत पूजनीय माने जाते हैं। दोनों की ही विधि-विधान से पूजा की जाती है। दोनों की ही अपनी अपनी भूमिका और महत्व है। बहुत से लोग मानते हैं कि देवता और भगवान एक ही हैं, लेकिन ये सही नहीं है। देवता भगवान के सेवक माने जाते हैं। भगवान इस संसार में सबको बनाने वाली और सबकुछ नियंत्रित करने वाली शक्ति मानी जाती है।

देवता और भगवान दोनों को ही सनातन धर्म में महत्वपूर्ण माना जाता है, लेकिन देवताओं के पास प्रकृति का प्रतिनिधित्व होता है, जबकि भगवान संसार की सबसे बड़ी शक्ति माने जाते हैं। यही कारण है कि हमारे धर्म शास्त्रों में देवता और भगवान के बीच कुछ प्रमुख अंतर बताया गया है। आइए इसके बारे में विस्तार से जानते हैं।

देवता दिव्य प्राणी और भगवान सर्वोच्च शक्ति

देवता उन दिव्य प्राणियों को कहा जाता है, जिनके पास प्रकृति की शक्तियों का प्रतिनिधित्व होता है। देवता विभिन्न तत्वों, जैसे अग्नि, जल, वायु, आदि के अधिपति माने जाते है। साथ ही देवता भगवान की सेवा करते हैं और उनकी आज्ञा भी मानते हैं। वहीं भगवान पंचतत्वों भूमि, वायु, अग्नि, जल आदि को अपने वश में रखने वाली शक्ति के रूप जाने जाते हैं। भगवान इस सृष्टि की सर्वोच्च शक्ति हैं।

भगवान ने इस संसार और इसमें रहने वाले जीवों को बनाया है और वही सभी को नियंत्रित करते हैं, इसलिए भगवान को सर्वज्ञ, सर्वशक्तिमान और सर्वव्यापी कहा जाता है। भगवान प्रेम और करुणा के सागर हैं।

देवता और भगवान में कुछ अन्य प्रमुख अंतर

देवातओं के पास शक्तियां होती हैं, लेकिन वो बहुत ही सीमित होती हैं। वहीं भगवान के पास अनंत शक्तियां होती हैं। भगवान देवताओं के स्वामी माने जाते हैं। देवताओं को प्रसन्न करने के लिए विशेष पूजा-अर्चना की आवश्यकता बताई जाती है। जबकि भगवान को पूजा-अर्चना नहीं, सिर्फ प्रेम और भक्ति से कोई भी इंसान प्राप्त कर सकता है।

संसार में अनेक प्रलोभन हैं, जो हमारे मन को अपनी ओर खींचते हैं, हमें गलत प्रलोभनों से बचना चाहिए

संसार में अनेक प्रकार के प्रलोभन हैं, जो हमारे मन को अपनी ओर खींचते हैं। अनेक वस्तुएं, दृश्य और घटनाएं ऐसी होती हैं, जिन्हें पाने की तीव्र इच्छा होती है। व्यक्ति सब कुछ प्राप्त करना चाहता है, चाहे वह वास्तविक हो या केवल भ्रम। सोने का हिरण वास्तव में नहीं होता, फिर भी उसका आकर्षण इतना प्रबल होता है कि बुद्धिमान और विवेकशील लोग भी उसके मोह में पड़ जाते हैं। उसे पाने और हमेशा अपने पास रखने की इच्छा व्यक्ति को मोह के जाल में फंसा देती है। ऐसे प्रलोभनों से बचना चाहिए।

स्वामी अवधेशानंद जी गिरि

पौराणिक कथा : कैसे मां पार्वती ने एक ब्राह्मण दंपत्ति की सूनी गोद को खुशियों से भर दिया

सनातन धर्म में जया पार्वती का बहुत खास महत्व है। यह व्रत माता पार्वती को समर्पित होता है, यह व्रत श्रद्धा और विश्वास का प्रतीक है। यह व्रत मुख्य रूप से अखंड सौभाग्य, सुखी वैवाहिक जीवन और संतान प्राप्ति की कामना के लिए रखा जाता है। माना जाता है कि इस व्रत के दौरान एक विशेष पौराणिक कथा पढ़ने का विधान है। मान्यता है कि इस कथा को पढ़ने या सुनने मात्र से जीवन के सारे कष्ट दूर हो जाते हैं और सूनी गोद हरी हो जाती है। तो आइए जानते हैं मां पार्वती की असीम कृपा की यह पावन कहानी के बारे में-

एक बार की बात है, कौडिन्य नगर में एक ब्राह्मण दंपत्ति रहती थी।उस ब्राह्मण का नाम वामन और उसकी पत्नी का नाम सत्या था। उनके घर में किसी भी चीज़ की कमी नहीं थी परंतु वे संतान के सुख से वंचित थे। इस बात से दोनों हर समय दुखी रहते थे।एक दिन भ्रमण करते हुए नारद मुनि उनके घर आए। दोनों ने मिलकर नारद मुनि की बहुत अच्छे से सेवा और सत्कार किया। जिसके बाद उन्होंने अपनी समस्या नारद मुनि से कही। समस्या को सुनकर नारद जी ने उन्हें बताया कि तुम्हारे नगर के बाहर जो वन है उसके दक्षिणी भाग में बिल्व वृक्ष के नीचे भगवान शिव माता पार्वती के संग लिंग रूप में विराजित हैं। तुम दोनों जाओ और उनकी श्रद्धापूर्वक पूजा करो। उनकी सेवा करने से तुम्हारी हर मनोकामना अवश्य पूरी होगी। ब्राह्मण दंपत्ति ने नगर के बाहर उस बिल्व वृक्ष के नीचे शिवलिंग को ढूंढ लिया और दोनों ने पूरे विधि विधान से पूजा अर्चना प्रारंभ कर दी।

इस प्रकार पूरे 5 वर्षों तक दोनों सच्चे मन और नियमित रूप से भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा-अर्चना करते रहे। एक दिन जब ब्राह्मण पूजा के लिए फूल तोड़ रहा था, तभी उसे एक सांप ने काट लिया और उसकी मृत्यु हो गई। ब्राह्मण जब काफी समय तक वापस घर न आया तो सत्या, जो कि ब्राह्मण की पत्नी थी, चिंतित हो गई और उसे ढूंढने के लिए वन में जा पहुंची। अपने पति को ऐसी अवस्था में देखकर ब्राह्मण की पत्नी सत्या विलाप करने लगी और माता पार्वती का स्मरण करने लगी। ब्राह्मणी की पुकार सुनकर, माता पार्वती प्रकट हुईं और ब्राह्मणी का कष्ट देखकर देवी पार्वती ने ब्राह्मण के मुख में अमृत की कुछ बूंदें डाल दीं, जिससे ब्राह्मण पुनः जीवित हो गया। ये देखकर सत्या बेहद प्रसन्न हो उठी और ब्राह्मण दंपत्ति ने माता पार्वती का पूजन किया। माता पार्वती उनकी पूजा से प्रसन्न हुई और उन्हें वर मांगने के लिए कहा। तब दोनों ने माता पार्वती से संतान प्राप्ति का वरदान मांगा। माता पार्वती ने दंपत्ति से कहा कि, तुम दोनों जया पार्वती का व्रत श्रद्धापूर्वक करो, इससे तुम्हारी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होंगी। जिसके बाद ब्राह्मण दंपत्ति ने मां पार्वती के बताए अनुसार व्रत का पालन किया, जिसके फलस्वरूप उन्हें संतान की प्राप्ति हुई और वे सुखी एवं खुशहाल जीवन व्यतीत करने लगे। एक अन्य कथा के अनुसार, प्राचीन काल में एक ब्राह्मण अपनी पत्नी के साथ रहता था। दोनों बहुत ही दयालु और संवेदनशील थे। उन दोनों के जीवन में किसी भी प्रकार की कोई कमी नहीं थी लेकिन उनके कोई संतान नहीं थी। दोनों पति-पत्नी संतान प्राप्ति की कामना लेकर भगवान शिव की पूजा-अर्चना करने लगे और भक्ति में लीन हो गए। एक दिन भगवान शिव ब्राह्मण दंपती की पूजा से प्रसन्न होकर प्रकट हुए और कहा कि पास के जंगल में मेरा शिवलिंग स्थित है जिसकी कभी भी कोई पूजा नहीं करता है, तुम दोनों वहां जाकर उनकी पूजा-अर्चना करो। भगवान शिव की बात सुनकर दोनों ने वैसा ही किया और जंगल में जाकर पूजा अर्चना करने लगें। पूजा के लिए ब्राह्मण पानी खोजने गया, तभी उसे एक सांप ने काट लिया, जिसकी वजह से वह बेहोश होकर जमीन पर गिर गया। काफी समय तक वापस न आने पर पत्नी को चिंता हुई और वह पति को तलाशने निकली।लेकिन थक-हारकर वह शिवलिंग के पास बैठ गई और भगवान शिव की तपस्या करने लगी। उसकी तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने ब्राह्मण को जीवनदान दे दिया और उन्हें संतान प्राप्ति का आशीर्वाद दिया। ब्राह्मण पति-पत्नी संतान की प्राप्ति होने के बाद सुख-शांति से अपना जीवन व्यतीत करने लगे।

चेन्नई में अचानक रोकी गई थलापति की फिल्म 'जन नायकन' की स्क्रीनिंग

अभिनेता से नेता बने थलापति विजय की फिल्म 'जन नायकन' काफी इंतजार के बाद रिलीज हो चुकी है। फिल्म के लेकर दर्शक काफी उत्साहित भी दिखाई दे रहे हैं। मगर हाल ही में चेन्नई के कुछ सिनेमाघरों में फिल्म की स्क्रीनिंग अचानक रोक दी गई। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जानें क्या था 'जन नायकन' को रोकने का कारण?

'ए' सर्टिफिकेट वाले शो में दर्शकों के बीच बच्चे

चेन्नई में चल रही इस फिल्म की स्क्रीनिंग बीच में रोकने के पीछे बड़ी वजह सामने आई। दरअसल, पुलिस अधिकारियों ने एम्पा मॉल स्थित पीवीआर सिनेमाज में सुबह 9:25 बजे के शो में कुछ बच्चों को फिल्म देखते हुए पाया। इसी वजह से उन्होंने फिल्म की स्क्रीनिंग रोक दी। ऐसे ही हालात कई और सिनेमाघरों में भी देखने को मिले। इसके कई वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुए।

बता दें कि फिल्म में दिखाई गई हिंसा और चाइल्ड एब्यूज के सीन्स की वजह से फिल्म को सीबीएफसी ने 'ए' सर्टिफिकेट दिया था। इसके मुताबिक 18 साल से कम उम्र के बच्चे फिल्म नहीं देख सकते।

दर्शकों ने सोशल मीडिया पर शेयर की जानकारी

इन शोज को अचानक रोके जाने के बाद दर्शकों और थिएटर स्टाफ के बीच काफी देर तक कहा सुनी हुई। इसका नुकसान बाकी के फैंस को भी उठाना पड़ा। कई फैंस ने सोशल मीडिया के जरिए एक-दूसरे से स्क्रीनिंग रोके जाने की जानकारी शेयर की। वहीं कईयों ने निराशा और नाराजगी भी जताई। थलापति विजय की फिल्म 'जन नायकन' ने रविवार को सिनेमाघरों में जमकर कमाई की। फिल्म ने सैकनिल्क के मुताबिक फिल्म ने रविवार को यानी रिलीज के चौथे दिन 32 करोड़ रुपये कमाए हैं। रिलीज से अब तक यह फिल्म से लिए सबसे ज्यादा मुनाफे वाला दिन साबित हुआ।

'मेरा हौसला और ताकत' सनी देओल ने साझा की मां के साथ तस्वीर

आमिर खान प्रोडक्शंस की फिल्म 'बंटवारा 1947' में सनी देओल लीड रोल में हैं। इस फिल्म को राजकुमार संतोषी निर्देशित कर रहे हैं। यह फिल्म 14 अगस्त 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है। फिल्म का ट्रेलर कब आएगा, इस बारे में अभिनेता सनी देओल ने एक सोशल मीडिया पोस्ट साझा की है।

मां के साथ तस्वीर साझा करते हुए बताई ट्रेलर रिलीज की तारीख

अभिनेता सनी देओल ने इंस्टाग्राम पर मां के साथ एक तस्वीर साझा की। जिसमें वह लिखते हैं, 'मेरी मां ही मेरा रब है। मेरा प्यार, मेरा हौसला और मेरी ताकत हैं। फिल्म 'बंटवारा 1947' मैं अपनी मां और दुनिया की हर मां को समर्पित करता हूं।' आगे सनी देओल ने लिखा, 'फिल्म का ट्रेलर कल रिलीज होगा।'

अब मुझे परवाह नहीं लोग क्या सोचते हैं सही के लिए बोलना जरूरी: सानवी तलवार

अभिनेत्री सानवी तलवार इन दिनों अपनी हॉरर थ्रिलर फिल्म 'खामोश आहटें' को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। अभिनेत्री ने बताया कि पहले के मुकाबले वे आज अपनी बात को रखने में सहज महसूस करती हैं। अभिनेत्री से आईएएनएस ने पूछा, आपके करियर में एक समय ऐसा भी आया था, जब आप एक निजी विवाद के कारण सुर्खियों में रहीं। उस अनुभव से आपने क्या सीखा? अभिनेत्री सानवी तलवार ने कहा, मैंने अपने जीवन के अनुभवों से सीखा है कि जब आपको सही समय लगे, तभी अपनी राय रखनी चाहिए। पहले मैं सिर्फ सीमित लोगों से बातें किया करती थी, लेकिन अब समझ आता है कि जब कोई बात एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक पहुंचती है, तो उसका मतलब बदल जाता है। आज मैं खुलकर अपनी बात रखने में सहज महसूस करती हूं, क्योंकि यह मेरा अपना फैसला है। अब मैं इस बात की चिंता नहीं करती कि लोग मेरे बारे में क्या सोचेंगे। अगर मुझे लगता है कि कोई बात सही है, तो मुझे उसके बारे में बोलना चाहिए।

दरअसल, अभिनेत्री सानवी तलवार ने एक इंटरव्यू के दौरान करण कुंद्रा पर आरोप लगाते हुए बताया था कि 2015 के टीवी शो 'ये कहां आ गए हम' के सेट पर एक सीन के दौरान करण ने डायरेक्टर के एक्शन बोलने से पहले उन्हें जबरन किस किया, जिसके जवाब में सानवी ने उन्हें थप्पड़ मार दिया था, जिसके बाद करण ने उन्हें जोरदार थप्पड़ मारा और गाली गलौज की थी।

कई लोगों ने सवाल उठाया कि आपने इस मुद्दे पर इतनी देर बाद क्यों बात की। उन महिलाओं के लिए आप क्या कहना चाहेंगी, जो अपनी बात कहने से झिझकती हैं?

अभिनेत्री ने कहा, मैं हर महिला से कहना चाहूंगी कि अगर आपके साथ कुछ गलत हुआ है और आप उस समय अपनी बात नहीं कह पाईं, तो भी कभी देर नहीं होती। जब आपको सही लगे और आप तैयार महसूस करें, तब अपनी बात सामने रखें। अगर आप अपने अनुभवों के बारे में कभी नहीं बोलेंगी, तो लोग सच्चाई जान नहीं पाएंगे। मेरी बात किसी के माध्यम से अनुषा दांडेकर (करण कुंद्रा की एक्स गर्लफ्रेंड) के पास पहुंच गई थी। जब वह सेट पर आईं, तो उनकी मौजूदगी ने मुझे काफी सुकून और सहयोग महसूस करवाया था।

सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग को लेकर अभिनेत्री ने कहा, मैं आज भी इससे डील कर रही हूं। लोग मुझे ट्रोल करते हैं क्योंकि मैं सच बोल रही हूं, लेकिन इससे मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। मुझे पता है कि मैं क्यों बोल रही हूं और मैं आज भी अपनी बात पर कायम हूं।

मणिरत्नम की फिल्म के सेट से विजय और साई की तस्वीरें लीक; फैंस हुए एक्साइटेड, बोले- ''96' जैसा फील आ रहा'

मणि रत्नम की आने वाली फिल्म के सेट से कुछ तस्वीरें लीक हुई हैं, जिनमें विजय सेतुपति और साई पल्लवी साथ में शूटिंग करते नजर आ रहे हैं। इन तस्वीरों के सामने आने के बाद फैंस की एक्साइटमेंट और बढ़ गई है।

क्लीन शेव लुक में दिखे विजय

ये तस्वीरें कोलकाता के मशहूर हावड़ा ब्रिज की बताई जा रही हैं, जहां दोनों किसी गाने की शूटिंग कर रहे हैं। विजय सेतुपति इस दौरान क्लीन शेव लुक में दिखे, जबकि साई पल्लवी हमेशा की तरह सिंपल और नेचुरल अंदाज में नजर आईं।

फैंस को याद आई '96' फिल्म

तस्वीरें सामने आते ही फैंस को विजय सेतुपति की सुपरहिट फिल्म '96' की याद आ गई। कई लोगों ने सोशल मीडिया पर लिखा- '96 की तरह लग रही है!' यानी ये फिल्म भी वैसी ही इमोशनल लव स्टोरी हो सकती है। कुछ फैंस ने इसे मणि रत्नम की फिल्म 'ओके कनमनी' से भी जोड़ा और उम्मीद जताई कि डायरेक्टर एक बार फिर अपने खास रोमांटिक अंदाज में वापसी कर रहे हैं।

फैंस में बढ़ी एक्साइटमेंट

हालांकि फिल्म का टाइटल और कहानी अभी तक सामने नहीं आई है, लेकिन इन तस्वीरों ने लोगों की एक्साइटमेंट काफी बढ़ा दी है। खासकर इसलिए क्योंकि मणि रत्नम अपनी फिल्मों में प्यार को बहुत ही सादगी और गहराई से दिखाने के लिए जाने जाते हैं।

दिल्ली हाई कोर्ट का बड़ा फैसला, फिल्म 'काला हिरण' के लिंक हटाने का दिया आदेश, मेकर्स को लगाई फटकार

दिल्ली हाई कोर्ट ने सोमवार को 'काला हिरणः द बैटल फॉर लेगेसी' फिल्म से जुड़े एक्स और यूट्यूब लिंक हटाने का आदेश दिया। यह फैसला सलमान खान की याचिका पर सुनवाई के दौरान आया। कोर्ट ने फिल्म के प्रोड्यूसर अमित जानी के रवैये पर भी नाराजगी जताई।

कोर्ट ने क्या कहा?

सुनवाई के दौरान कोर्ट ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा, 'पिछली बार कोई आदेश नहीं आया, इसलिए आपकी हिम्मत बढ़ गई है। ऐसा लगता है आप खुद को कानून से ऊपर समझते हैं। आपका व्यवहार दिन-ब-दिन खराब होता जा रहा है।'

मेकर्स का पक्ष

अमित जानी के वकील ने कहा कि यह सिर्फ एक टीजर है और इसमें सलमान खान का नाम तक नहीं लिया गया। उन्होंने यह भी कहा कि इसमें कोई एआई या डीपफेक का इस्तेमाल नहीं हुआ है, और किसी घटना या सार्वजनिक जानकारी पर किसी का अधिकार नहीं होता।

सलमान खान की दलील

सलमान खान की तरफ से वकील ने कहा कि काला हिरण केस से जुड़े 4 मामलों में से 3 में उन्हें बरी किया जा चुका है, जबकि एक मामले में सजा पर रोक लगी हुई है। साथ ही आरोप लगाया गया कि फिल्म के जरिए एक समुदाय को उनके खिलाफ भड़काने की कोशिश हो रही है।

पूरा मामला क्या है?

यह विवाद तब शुरू हुआ जब सलमान खान ने दिल्ली हाई कोर्ट में याचिका दाखिल कर 'काला हिरणः द बैटल फॉर लेगेसी' फिल्म पर रोक लगाने की मांग की। उनका कहना है कि फिल्म उनकी काला हिरण शिकार केस से प्रेरित है और इससे उनकी छवि को नुकसान पहुंच सकता है। उन्होंने कोर्ट से यह भी मांग की कि फिल्म से जुड़े सभी पोस्टर, टीजर और प्रमोशनल कंटेंट हटाए जाएं।

मेकर्स का जवाब

2 जून को भेजे गए लीगल नोटिस के जवाब में अमित जानी ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि फिल्म पब्लिक डोमेन में मौजूद जानकारी पर आधारित है और इसमें बिश्नोई समुदाय द्वारा वन्यजीवों की रक्षा की कहानी दिखाई गई है। फिलहाल कोर्ट के इस आदेश के बाद फिल्म को लेकर विवाद और बढ़ता नजर आ रहा है। अब देखना होगा कि आगे इस केस में क्या फैसला आता है।

'छत्रपति शिवाजी महाराज' में हुई भूमि पेडनेकर की एंट्री ऋषभ शेट्टी की फिल्म में निभाएंगी अहम किरदार

साल 2022 में 'कांतारा' और 2025 में 'कांतारा चैप्टर 1' से तहलका मचाने वाले दक्षिण भारतीय अभिनेमा ऋषभ शेट्टी अपनी अगली फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रहे हैं। 'द प्राइड ऑफ भारतः छत्रपति शिवाजी महाराज' के नाम से रिलीज होने वाली इस फिल्म में ऋषभ, शिवाजी महाराज के किरदार में नजर आएंगे। अब इस फिल्म से जुड़ एक नया अपडेट सामने आया है। फिल्म में बॉलीवुड एक्ट्रसे भूमि पेडनेकर की भी एंट्री हो गई है। सोमवार को मेकर्स ने इसकी घोषणा की।

बेलवाडी मल्लम्मा के किरदार में होंगी भूमि

फिल्म में भूमि पेडनेकर वॉरियर क्वीन बेलवाडी मल्लम्मा का किरदार निभाएंगी। मल्लम्मा एक निडर योद्धा रानी थीं, जिन्हें उनकी बहादुरी और अटूट जज्बे के लिए याद किया जाता है। बेलवाड़ी मल्लम्मा ने देश की पहली महिला सैनिक टुकड़ी का गठन किया था। ऐसा करने वाली वह पहली रानी थीं। कहा जाता है कि वो अपने चार माह के बेटे को गोद में लेकर शिवाजी महाराज की सेना से युद्ध लड़ी थीं।

फिल्म से जुड़ी खास बातें

स्टार कास्ट : ऋषभ शेट्टी, भूमि पेडनेकर, शेफाली शाह, अर्जुन रामपाल और विवेक ओबेराय।

निर्देशक और निर्माता : संदीप सिंह

बजट : 500 करोड़ से ज्यादा के बजट में दो भाग बनाए जाएंगे।

कब रिलीज होगी? : अगले साल जनवरी तक पहला भाग रिलीज किया जा सकता है।

क्रू : इंटरनेशनल एक्शन को-ऑर्डिनेटर्स, जो गेम ऑफ थ्रोल और द विचर में काम कर चुके हैं।

इस साल फ्लोर पर जाएगी फिल्म

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता कंपोजर अमित त्रिवेदी फिल्म को म्यूजिक देंगे वहीं गीत प्रसून जोशी लिखेंगे। फिल्म की कहानी ऋषि

लोग कहेंगे इस बुढ़िया को क्या हुआ, मसाबा की बनाई ड्रेस पहनकर नीना गुप्ता ने किया मजेदार पोस्ट

67 साल की उम्र में भी अभिनेत्री नीना गुप्ता अपने फैशन सेंस और दमदार अभिनय से लोगों को प्रभावित करती हैं। वह अक्सर सोशल मीडिया पर अपनी जिंदगी से जुड़ी कई बातें साझा करती हैं। उन्होंने अपनी बेटी मसाबा गुप्ता के डिजाइन किए हुए आउटफिट को लेकर एक ऐसा मजेदार पोस्ट साझा किया है, जिसने फैंस का ध्यान खींचा। नीना गुप्ता ने इंस्टाग्राम पर अपनी एक तस्वीर शेयर की, जिसमें वह बेहद स्टाइलिश नजर आ रही हैं। उन्होंने बेटी मसाबा द्वारा डिजाइन की गई ब्लैक कलर की काफ्तान स्टाइल ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें उनका लुक काफी आकर्षक लग रहा है। उन्होंने अपने आउटफिट को लंबे ईयररिंग्स और स्टाइलिश ब्लैक बैग के साथ पूरा किया। वहीं, उन्होंने मेकअप को बेहद सिंपल रखा और बालों को बन में स्टाइल किया। अपने इस पोस्ट में नीना ने बेटी मसाबा के डिजाइन की जमकर तारीफ की। नीना गुप्ता ने कैप्शन में लिखा, "मैंने मसाबा की इस क्रिएशन को कई बार पहना है और हर बार यह नया और खास लगता है। मैं असल में खास की जगह सेक्सी कहना चाहती थी, लेकिन फिर लोग बोलेंगे इस बुढ़िया को क्या हुआ?"

नीना गुप्ता अक्सर अपनी बेटी मसाबा गुप्ता के काम की तारीफ करती नजर आती हैं। मसाबा फैशन डिजाइनिंग की दुनिया में अपनी अलग पहचान बना चुकी हैं।

नीना गुप्ता लगातार फिल्मों और अलग-अलग प्रोजेक्ट्स में काफी एक्टिव हैं। हाल ही में वह क्राइम थ्रिलर फिल्म 'वध 2' में नजर आई थीं। यह फिल्म 6 फरवरी 2026 को रिलीज हुई थी। इससे पहले वह रोमांटिक कॉमेडी फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' में दिखाई दी थीं। इस फिल्म में उन्होंने सपोर्टिंग रोल निभाया था, जिसमें कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे मुख्य भूमिकाओं में थे।

नीना गुप्ता आने वाले समय में ड्रामा फिल्म 'पचहत्तर का छोरा' में नजर आएंगी। इस फिल्म में उनके साथ अभिनेता रणदीप हुड्डा और संजय मिश्रा भी अहम किरदारों में दिखाई देंगे। इसके अलावा उनके पास अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह के साथ एक कॉमेडी प्रोजेक्ट भी है।

माहिका शर्मा : इकोनॉमिक्स में ग्रेजुएशन, मॉडलिंग-एक्टिंग का रुख, हार्दिक पंड्या से नाम जुड़ने पर मिली लोकप्रियता

मॉडल और अभिनेत्री माहिका शर्मा अब किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। अर्थशास्त्र में ग्रेजुएशन करने के बाद माहिका ने मॉडलिंग और एक्टिंग का रुख किया। हालांकि, उनकी लोकप्रियता में तेजी से इजाफा भारतीय क्रिकेटर हार्दिक पंड्या को डेट करने के कारण हुआ। माहिका का जन्म 26 जुलाई, 1994 को हरियाणा में हुआ। हालांकि, उनकी स्कूली शिक्षा नई दिल्ली स्थित नेवी चिल्ड्रन स्कूल में हुई। इसके बाद उन्होंने अपनी ग्रेजुएशन इकोनॉमिक्स और फाइनेंस में पूरी की। माहिका ने ग्रेजुएशन पूरी करने के बाद कई जगह इंटरशिप भी की। हालांकि, इसके बाद उन्होंने मॉडलिंग और एक्टिंग की दुनिया में अपना करियर बनाने का फैसला किया। उन्होंने अपने करियर का आगाज एक फ्रीलांसर के तौर पर की।

माहिका इसके बाद रैपर रागा की एक म्यूजिक वीडियो में नजर आईं और फिर कुछ फिल्मों में उन्होंने छोटी भूमिकाएं भी निभाईं। वह तनिष्क, वीवो जैसे बड़े ब्रांड्स की ओर से विज्ञापनों में भी दिखाई दीं। एक्टिंग के साथ-साथ माहिका ने कई मशहूर फैशन डिजाइनर के लिए रैंप वॉक किया, जिसमें तरुण तहिलियानी, मनीष मल्होत्रा, रितु कुमार और अमित अग्रवाल जैसे बड़े नाम भी शामिल रहे।

साल 2024 में माहिका को इंडियन फैशन अवॉर्ड्स में मॉडल ऑफ द ईयर अवॉर्ड भी मिला। वहीं, माहिका एले मैग्जीन मॉडल ऑफ द सीजन भी रह चुकी हैं। माहिका योगा टीचर भी हैं।

हालांकि, माहिका सबसे ज्यादा चर्चा में भारतीय ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या से जुड़ने के बाद आईं। माहिका द्वारा शेयर किए गए एक वीडियो में हार्दिक की एक झलक नजर आई और उनका जर्सी नंबर 23 भी लिखा हुआ नजर आया। हालांकि, अपने 32वें जन्मदिन से पहले ही हार्दिक ने माहिका के साथ तस्वीरें शेयर करते हुए अपने रिलेशन को ऑफिशियल कर दिया।

इसके बाद माहिका को मैदान पर हार्दिक के साथ कई बार देखा गया। माहिका की कुछ तस्वीरों को खींचने के अंदाज को लेकर हार्दिक ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'इंस्टाग्राम' पर स्टोरी शेयर करते हुए नाराजगी जाहिर की थी।

छोटी-छोटी सावधानियां बरत कर मौसमी इंफेक्शन से बचें, पैरों को साफ और सूखा रखना चाहिए

बरसात के मौसम में केवल गर्मी से ही राहत नहीं मिलती, बल्कि मौसमी इंफेक्शन का भी खतरा रहता है। छोटी-छोटी सावधानियां बरतने से मौसमी इंफेक्शन से बचा जा सकता है, जिससे सेहत बनाए रखने में मदद मिलती है और बीमारियां नहीं होती हैं। मौसमी इंफेक्शन से बचने के लिए आयुष मंत्रालय की ओर से जानकारी साझा की गई है। आयुष मंत्रालय ने बताया है कि एक हेल्दी मानसून की शुरुआत साफ-सफाई की आसान आदतों से होती है। रोजाना की छोटी-छोटी सावधानियां मौसमी इंफेक्शन से बचाने और पूरी सेहत को बनाए रखने में बहुत मदद कर सकती हैं। आयुष मंत्रालय ने मौसमी इंफेक्शन से बचने के लिए हाइजीन चेकलिस्ट जारी की है। बताया गया है कि बरसात के मौसम में हाथ को नियमित तौर पर साबुन और पानी से धोना चाहिए। गीले कपड़े को तुरंत बदले चाहिए। अपने पैर साफ और सूखा रखना चाहिए। पानी जमा होने से रोकने के लिए अपने आसपास साफ-सफाई रखनी चाहिए और मच्छरों को कम करने के लिए कचरे को ठीक से फेंकना चाहिए। अगर इन छोटी-छोटी सावधानियों को बरता जाता है तो मौसमी इंफेक्शन से बचा जा सकता है।

आयुष मंत्रालय ने बीते दिन खांसी के आम लक्षणों को पहचानने और आयुष पर आधारित आसान सेल्फ-केयर उपायों के बारे में जानकारी दी थी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर आयुष मंत्रालय ने लिखा था, लक्षणों से लेकर सेहत तक, बेहतर सांस की सेहत की ओर पहला कदम उठाएं। खांसी के आम लक्षणों को पहचानें और आयुष पर आधारित आसान सेल्फ-केयर उपायों के बारे में जानें जो एक हेल्दी लाइफस्टाइल के हिस्से के तौर पर आराम और रिकवरी में मदद कर सकते हैं।

सूखी खांसी के लिए आयुष मंत्रालय ने बताया था कि मुलेठी (लिकोरिस) या लौंग का एक छोटा टुकड़ा मुंह में रखना चाहिए। वासा (अधातोडा वासिका) के पत्तों का काढ़ा या पाउडर लेना चाहिए। सोते समय हल्दी के साथ गर्म दूध और शहद के साथ गुनगुना अदरक या अदरक-तुलसी का काढ़ा लेना फायदेमंद होता है। इसके साथ ही गर्म नमक के पानी से गरारे और भाप लेना चाहिए। लौंग, अदरक और इलायची को पाउडर या काढ़े के रूप में इस्तेमाल करना चाहिए।

विटामिन डी का सच : क्या हर दर्द का कसूरवार सूर्य विटामिन है या हमारी जीवनशैली?

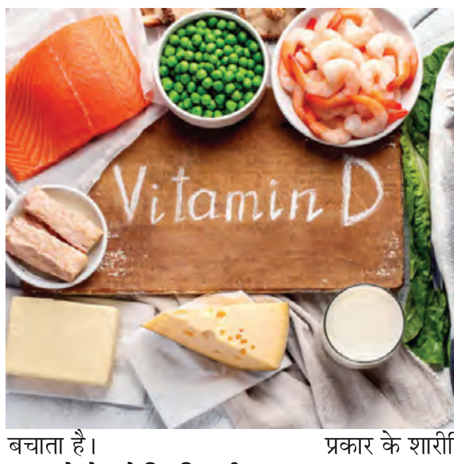

कमर में दर्द है? जरूर विटामिन डी कम होगा!, थकान महसूस हो रही है? विटामिन डी का पाउच ले लो!... आज घर-परिवार से लेकर सोशल मीडिया के गलियारों तक यह सलाह आम हो चुकी है। महज दो-तीन दशक पहले तक जिस पोषक तत्व का नाम क्लिनिकों के पर्चों पर शायद ही कभी दिखता था, आज वह हर दूसरे भारतीय की मेडिकल रिपोर्ट और दिनचर्या का केंद्र बन चुका है। रिपोर्ट में आंकड़े कम आते ही लोग घबराकर मेडिकल स्टोर का रुख कर लेते हैं और बिना किसी डॉक्टरी परामर्श के खुद ही सप्लीमेंट्स की खुराक शुरू कर देते हैं। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि क्या वाकई हमारा शरीर इतना कमजोर पड़ चुका है, या फिर आधी-अधूरी जानकारी ने एक सामान्य पोषक तत्व को भय और भ्रम का व्यापार बना दिया है? हड्डियों का साइलेंट पार्टनरः समझिए इसका असली विज्ञान

विटामिन डी केवल एक पोषक तत्व नहीं, बल्कि शरीर के भीतर एक हार्मोन की तरह काम करने वाला वह अदृश्य ढांचा है जो हमारी हड्डियों की बुनियाद तय करता है।

कैल्शियम का असली चाबीदारः

आप कितना भी कैल्शियमयुक्त दूध, पनीर या दवाएं खा लें—यदि शरीर में विटामिन डी नहीं है, तो वह कैल्शियम हड्डियों तक पहुंचने के बजाय बेकार बह जाएगा। यह विटामिन डी ही है जो कैल्शियम को हड्डियों में अवशोषित कराकर उन्हें चट्टान सी मजबूती देता है।

इम्युनिटी और स्नायु तंत्र का ढालः

यह न केवल हड्डियों को गलने से रोकता है, बल्कि शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को दुरुस्त रखकर मौसमी संक्रमणों और मांसपेशियों की कमजोरी से भी बचाता है।

धूप के देश में विटामिन डी का अकाल क्यों?

भारत जैसे देश में, जहां साल के 300 से अधिक दिन खिलकर धूप निकलती है, वहां की बहुसंख्यक आबादी का विटामिन डी डेफिशिएंसी का शिकार होना एक बड़ा विरोधाभास है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, इसका असली जिम्मेदार सूर्य नहीं, बल्कि हमारी आधुनिक जीवनशैली है।

कंक्रीट के जंगलों और AC में कैद जिंदगीः

वर्क फ्रॉम होम, बंद दफ्तर, गाड़ियों के काले शीशे और धूप से बचने की सनक ने इंसान को सूरज की प्राकृतिक किरणों से पूरी तरह काट दिया है।

धूप सेंकने का गलत समय और तरीकाः

अधिकांश लोग मानते हैं कि अलसुबह की हल्की धूप काफी है, जबकि हकीकत इसके उलट है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से, सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे के बीच की धूप (जब UV-B किरणें सबसे तीव्र होती हैं) ही त्वचा में विटामिन डी के निर्माण को सक्रिय करती है।

बड़ा भ्रमः क्या शरीर का हर दर्द विटामिन डी की कमी है?

चिकित्सकों के अनुसार, हर प्रकार के शारीरिक दर्द, जोड़ों की अकड़न या सुस्ती का ठीकरा विटामिन डी पर फोड़ना बहुत बड़ी भूल है। गंभीर कमी होने पर हड्डियों में दर्द, सीढ़ियां चढ़ने में असमर्थता, मांसपेशियों में खिंचाव या बुजुर्गों में हड्डियों के बार-बार फ्रैक्चर होने (ऑस्टियोपोरोसिस) की समस्या तो होती है, लेकिन घुटनों का घिसना, आर्थराइटिस, नसों का दबना या तनाव जनित दर्द पूरी तरह से अलग चिकित्सीय स्थितियां हैं। हर दर्द में सप्लीमेंट खाना समस्या का समाधान नहीं, बल्कि असली बीमारी को नजरअंदाज करना है।

खुद से दवा लेने का खतराः विटामिन डी टॉक्सिसिटी

ज्यादातर लोग सोचते हैं कि विटामिन की गोलियों का कोई नुकसान नहीं होता। यह धारणा बेहद खतरनाक है। विटामिन डी एक फैट-सोल्युबल (वसा में घुलनशील) पोषक तत्व है। यानी, शरीर में इसकी अत्यधिक मात्रा पेशाब के रास्ते बाहर नहीं निकलती, बल्कि लिवर और फैट में जमा होती रहती है।

बिना जांच और बिना डॉक्टरी सलाह के महीनों तक हाई-डोज सप्लीमेंट्स लेने से विटामिन डी टॉक्सिसिटी हो सकती है, जिससेः खून में कैल्शियम का स्तर खतरनाक सीमा तक बढ़ जाता है (हाइपरकैल्सीमिया)। गुर्दों में पथरी या किडनी फेलियर का खतरा पैदा हो जाता है। जी मिचलाना, उल्टी, मानसिक भ्रम और हृदय की धड़कन अनियंत्रित होने लगती है।

सेहत की सुरक्षा के लिए 5 सुनहरे नियमः

प्राकृतिक धूप को दें प्राथमिकताः

रोजाना दोपहर के आसपास 15 से 20 मिनट चेहरे, बांहों और पैरों पर सीधी धूप लगने दें (बिना सनस्क्रीन के)।

आहार में करें शामिलः फोर्टीफाइड मिल्क, मशरूम, अंडे की जर्दी और फैटी फिश को अपनी थाली का हिस्सा बनाएं।

सेल्फ-मेडिकेशन पर पूरी तरह ब्रेक लगाएंः

किसी रिश्तेदार, दोस्त या इंटरनेट वीडियो के कहने पर सप्लीमेंट की खुराक शुरू न करें।

सटीक जांच और परामर्शः

यदि लगातार थकान या हड्डियों में दर्द रहे, तो पहले ब्लड टेस्ट कराएं और फिजिशियन की लिखी खुराक ही लें।

सक्रिय जीवनशैलीः

रोजाना 30 मिनट की सैर और हल्का व्यायाम शरीर में कैल्शियम व विटामिन के अवशोषण को दोगुना बढ़ा देता है।

बालों के झड़ने से है परेशान, तेल लगाने का सही समय और तरीका

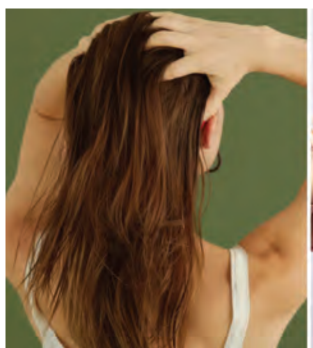

बालों की देखभाल को लेकर लोगों की अपनी-अपनी राय हैं। कोई बालों में घंटों तेल लगाकर रखने को सबसे अच्छा तरीका मानता है, तो कोई जल्दी-जल्दी तेल लगाकर धो लेना पसंद करता है। लोग बालों को मजबूत बनाने के लिए तरह-तरह के उपाय अपनाते हैं। इन्हीं उपायों में सबसे पुराना तरीका है बालों में तेल लगाना। लेकिन सवाल ये है कि क्या ज्यादा देर तक तेल लगाए रखना बालों के लिए फायदेमंद होता है?

विशेषज्ञों के अनुसार, हमारे बाल मुख्य रूप से केराटिन नाम के प्रोटीन से बने होते हैं। बालों की बाहरी परत कई छोटी-छोटी कोशिकाओं से बनी होती है, जो पानी को सोखने की क्षमता रखती हैं। जब बाल बार-बार पानी के संपर्क में आते हैं तो ये कोशिकाएं फूल जाती हैं और सूखने के बाद वापस अपनी पुरानी स्थिति में लौटती हैं। यह प्रक्रिया लगातार होने पर बालों की मजबूती धीरे-धीरे कम हो सकती है। इस वजह से बाल कमजोर होने लगते हैं, आसानी से टूट सकते हैं और दोमुंहे बालों की समस्या भी बढ़ सकती है। बालों को धोने से पहले तेल लगाना ज्यादा फायदेमंद माना जाता है। नहाने से कुछ समय पहले बालों और स्कैल्प पर तेल लगाने से बालों के ऊपर एक हल्की सुरक्षा परत बन जाती है। यह परत बालों को जरूरत से ज्यादा पानी सोखने से बचाने में मदद करती है। इसके अलावा शैंपू में मौजूद कुछ रसायनों का सीधा असर बालों पर कम हो सकता है, जिससे बालों की प्राकृतिक नमी बनी रहती है और वे ज्यादा रूखे नहीं होते।

कई लोग रातभर बालों में तेल लगाकर सोते हैं। उनका मानना होता है कि ज्यादा समय तक तेल लगा रहने से बालों को ज्यादा पोषण मिलेगा। हालांकि डॉक्टरों का कहना है कि हर व्यक्ति के लिए यह तरीका सही नहीं होता। खासकर जिन लोगों की स्कैल्प ज्यादा तैलीय रहती है, उनके लिए लंबे समय तक तेल लगा रहना परेशानी बढ़ा सकता है।

स्कैल्प पर प्राकृतिक रूप से एक तेल बनता है, जिसे सीबम कहा जाता है। जब इसके ऊपर लंबे समय तक अतिरिक्त तेल जमा रहता है तो कुछ लोगों में फंगल ग्रोथ बढ़ सकती है। इससे डैंड्रफ, सिर में खुजली और जलन जैसी समस्याएं हो सकती हैं। कुछ मामलों में स्कैल्प की यह परेशानी बालों के झड़ने को भी बढ़ा सकती है। इसलिए तेल को जरूरत से ज्यादा देर तक लगाए रखना हर किसी के लिए फायदेमंद नहीं माना जाता।

बालों में तेल लगाने के लिए विशेषज्ञ आमतौर पर नहाने से करीब 15 से 30 मिनट पहले का समय बेहतर मानते हैं। इतने समय में तेल बालों पर अपनी सुरक्षा परत बना लेता है और धोने के दौरान बालों को नुकसान से बचाने में मदद करता है। तेल लगाते समय इसे धीरे-धीरे बालों की लंबाई और स्कैल्प पर लगाना चाहिए। हल्के हाथों से मसाज करने से आराम भी मिलता है और स्कैल्प में ब्लड सर्कुलेशन बेहतर हो सकता है।

हालांकि, सिर्फ तेल लगाने से बालों का झड़ना पूरी तरह बंद नहीं होता। बालों की अच्छी सेहत के लिए संतुलित भोजन, पर्याप्त नींद, तनाव कम करना और सही हेयर केयर भी जरूरी है।

कौन सा टेस्ट कब और क्यों जरूरी?

एमआरआई, सीटी स्कैन और एक्स-रे से जुड़े भ्रम एवं उनकी हकीकत

पुनर्वास विशेषज्ञ- डॉक्टर साहब, कोई छोटा-मोटा टेस्ट मत लिखिए, सीधे एमआरआई या सीटी स्कैन ही लिख दीजिए, जिससे बीमारी का तुरंत और सही-सही पता चल जाए। अस्पतालों और क्लिनिकों के ओपीडी में मरीजों और डॉक्टरों के बीच यह संवाद अब आम हो चुका है। आम जनता में यह धारणा गहराई से घर कर गई है कि चिकित्सा जगत में जो जांच जितनी महंगी है, वह उतनी ही सटीक और बेहतरीन है।

इसी भ्रम के चलते लोग अक्सर एक्स-रे को पुरानी तकनीक मानकर खारिज कर देते हैं, तो वहीं अलट्रासाउंड को केवल गर्भावस्था तक सीमित समझते हैं। लेकिन चिकित्सा विशेषज्ञों का स्पष्ट कहना है कि मेडिकल जांचें मोबाइल फोन की तरह नहीं होतीं कि सबसे महंगा मॉडल ही सबसे अच्छा हो। हर जांच की अपनी एक विशिष्ट भूमिका होती है, और बीमारी पकड़ने के लिए 'सही जांच' का चुनाव ही सबसे महत्वपूर्ण चाबी है।

एक्स-रेः हड्डियों और छाती का आज भी सबसे भरोसेमंद आधार

रेडियोलॉजी की दुनिया में एक्स-रे को भले ही प्राथमिक सीढ़ी माना जाता हो, लेकिन हड्डियों की चोट और फ्रैक्चर के मामलों में यह आज भी सबसे भरोसेमंद और त्वरित जांच है। जोड़ों का खिसकना, छाती में संक्रमण, दांतों की समस्या या गठिया की शुरुआती पहचान के लिए एक्स-रे से बेहतर और किफायती विकल्प दूसरा नहीं है। यह महज कुछ मिनटों में हो जाता है और लगभग हर अस्पताल व क्लिनिक में सुलभ है। यद्यपि इसमें सूक्ष्म मात्रा में रेडिएशन होता है, जिससे गर्भवती महिलाओं को एहतियात बरतने की सलाह दी जाती है, फिर भी आवश्यकता पड़ने पर एक-दो एक्स-रे से शरीर को कोई नुकसान नहीं पहुंचता।

सीटी स्कैनः इमरजेंसी में जान बचाने वाली 'फास्ट' तकनीक

यदि शरीर के भीतर किसी गंभीर दुर्घटना, ब्रेन हैमरेज, सिर की चोट या आंतरिक अंगों में रक्तस्राव का तत्काल पता लगाना हो, तो सीटी स्कैन सबसे असरदार साबित होता है। यह तकनीक शरीर के अंदरूनी हिस्सों की विस्तृत क्रॉस-सेक्शनल तस्वीरें बहुत तेजी से प्रदान करती है। पेट की जटिल समस्याओं, फेफड़ों की गंभीर बीमारियों और कैंसर की शुरुआती स्थिति को देखने में भी इसका व्यापक उपयोग होता है। हालांकि, सीटी स्कैन में एक्स-रे की तुलना में रेडिएशन की मात्रा अधिक होती है। कई मामलों में स्पष्ट तस्वीर के लिए मरीज को 'कॉन्ट्रास्ट इंजेक्शन' देना पड़ता है, जिससे गुर्दे के मरीजों या एलर्जी से पीड़ितों में विशेष सतर्कता बरतनी पड़ती है।

एमआरआईः नसों, लिगामेंट और सॉफ्ट टिश्यूज का सटीक समाधान

यदि समस्या कमर दर्द, स्लिप डिस्क, नसों के दबने, घुटने या कंधे के लिगामेंट की चोट, या दिमाग के ट्यूमर से जुड़ी हो, तो एमआरआई सबसे बेहतरीन विकल्प बनकर उभरता है। एमआरआई की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें किसी भी प्रकार का हानिकारक रेडिएशन नहीं होता, बल्कि यह मजबूत चुंबकीय क्षेत्र और रेडियो तरंगों पर काम करता है। यह सॉफ्ट टिश्यूज की बेहद बारीक और साफ तस्वीर देता है। हालांकि, इसमें 20 से 45 मिनट का समय लगता है, खर्च अधिक होता है और 'क्लोस्ट्रोफोबिया' (बंद जगह से डर) वाले मरीजों को मशीन के अंदर घबराहट हो सकती है। इसके अलावा, शरीर में धातु के पेसमेकर या इम्पलांट वाले मरीजों के लिए एमआरआई प्रतिबंधित होता है।

अलट्रासाउंड से लेकर पेट स्कैन तकः

हर जांच का अपना अलग दायराः अक्सर माना जाता है कि अलट्रासाउंड केवल गर्भावस्था के लिए है, जबकि वास्तविकता यह है कि पेट दर्द, पित्ताशय की पथरी, किडनी, लिवर और थायरॉयड की बीमारियों को बिना किसी रेडिएशन और बिना दर्द के पकड़ने में यह पूरी तरह सुरक्षित और कारगर जांच है। इसी तरह, महिलाओं में स्तन कैंसर की शुरुआती पहचान के लिए 'मैमोग्राफी' एक विशेष एक्स-र जांच है, जो शुरुआती दौर में ही गांठ का पता लगाकर हजारों महिलाओं की जान बचा चुकी है।

वहीं, 'डेक्सा स्कैन' के जरिए ऑस्टियोपोरोसिस या हड्डियों के खोखलेपन का समय रहते आकलन किया जाता है। बात अगर 'पेट स्कैन' की करें, तो यह सामान्य दैनिक जांच नहीं है, बल्कि इसका उपयोग मुख्य रूप से कैंसर के प्रसार और इलाज के प्रभाव की सटीक मैपिंग के लिए किया जाता है।

जांच सिर्फ माध्यम है, इलाज की शुरुआत डॉक्टर के अनुभव सेः

रेडियोलॉजी के जानकारों का मानना है कि कोई भी अनुभवी डॉक्टर केवल रिपोर्ट देखकर इलाज शुरू नहीं करता। मरीज की पूरी केस हिस्ट्री, शारीरिक लक्षण और डॉक्टर का व्यक्तिगत अनुभव ही तय करता है कि किस जांच की आवश्यकता है। इसलिए हर दर्द का इलाज एमआरआई नहीं है और हर बीमारी सीटी स्कैन से नहीं पकड़ी जाती। सही

सर दर्द का आयुर्वेदिक उपचार

प्रश्न : मेरी उम्र 26 वर्ष है। हर रोज में दो-तीन केले खाता हूं। क्या यह सेहत के लिए ठीक है?

- राघव राव, कोडंगल

उत्तर : केला, मौज, कदली फल, रंभा, मोचा आदि केले के पर्याय है। केला अपने आप में संपूर्ण भोजन है। यह रस में मधुर, किंचित शीतल, रुचि कारक और पुंसत्व शक्ति को बढ़ाने वाला है। यह पचने में भारी, कफकारक, स्निग्ध, रक्तपित्त, पित्त रोग, योनि रोग व चक्कर को कम करने वाला है। यह खून में क्षारीयता को बढ़ाकर ₹एसिडोसिस₹ नामक स्थिति से उबारता है यह मूत्रकृच्छ यानी रुक रुक कर पेशाब आना, अतिसार व रक्त प्रदर में लाभकारी है। कच्चा केला मधुमेह वह अतिसार में उपयोगी है। पका हुआ केला मंद रेचक का कार्य करता है। भोजन के बाद प्रतिदिन 1- 2 केले खाना उचित है। हमेशा अति से बचिए। श्रेष्ठ फल रहने के बाद भी ज्यादा मौज खाना नुकसानदेह होता है।

प्रश्न : मैं लंबे समय से सिर दर्द से परेशान हूं। मेरी उम्र 36 साल है।कृपा कर आयुर्वेदिक चिकित्सा बताएं।

- भास्कर राव , करीमनगर

उत्तर : वात, पित्त, कफ व रक्तदोष की दुष्टि होने पर शिरशूल यानी सिर दर्द होता है। यह क्षय और कृमि रोग में एक लक्षण के रूप में होता है।

1 ग्राम गोदंती भस्म को 4 से 6 ग्राम शहद में मिलाकर दिन में तीन बार चाटने से बहुत आराम मिलता है। ऊंझा शिरशूलादि वज्र रस टिकिया, ऊंझा सूतशेखर रस को पथ्यादि काढ़ा के साथ सुबह-शाम लेने से भयंकर से भयंकर सिर दर्द दूर हो जाता है। दही, पनीर, चॉकलेट, ठंडे पेय पदार्थ, आइसक्रीम, कुल्फी, फ्रिज के ठंडे पानी आदि का हमेशा परहेज करें । यह ध्यान रखें कि कौन से खाद्य पदार्थ व कैसी स्थितियां सिर दर्द को बढ़ा रही है। भविष्य में ऐसे व्यंजनों व स्थितियों से दूर रहा करें।

प्रश्न : मेरी उम्र 32 वर्ष है। पिछले एक महीने से मेरे पैरों एवं हाथों की उंगलियों में दर्द व जलन होने लगी है । आयुर्वेद में इलाज बताएं।

- कमलनयन शर्मा , सिकंदराबाद

उत्तर : आपके लक्षणों से लगता है आपको वातरक्त याने गठिया का प्रकोप हुआ है। इसे ही ₹गाउट₹ नाम से भी जाना जाता है। इसमें हाथ पैर की उंगलियों और संधियों में तीव्र पीड़ा व जलन होती है। इसमें स्पर्श असह्य हो जाता है। शून्यता (नंबनेस) और त्वक वैवर्ण्य भी प्रमुख लक्षणों के रूप में सामने आते हैं। इसकी विशेष जांच के लिए और विभेदक निदान के लिए रक्त में यूरिक एसिड के स्तर की जांच की जाती है। यदि यूरिक अम्ल का स्तर 6 के ऊपर जाता है तो यह रोग निश्चित रूप से वातरक्त ही है। आयुर्वेद में इसका उपचार है । एकौषधि में गुडूची क्वाथ, शुद्ध गुग्गुलु व वासा स्वरस का प्रयोग वांछित फल देता है। मिश्रित प्रयोगों में ऊंझा कैशोर गुग्गुलु, पुनर्नवादी गुग्गुलु या औरा अमृता गुग्गुलु विशेष रूप से उपयोगी साबित हुए हैं। पीड़ा के स्थान पर पिंड तेल की मालिश बेहतर नतीजे देती है। ऊंझा महारास्नादि क्वाथ को 15 से 20 मिलीलीटर की मात्रा में दोगुने गुनगुने जल के साथ मिलाकर, सुबह-शाम भोजन के बाद पीने से आराम मिलता है।

पथ्य में - सभी दालें, प्रोटीन युक्त पदार्थ कम से कम करें। उड़द, कुलथी, गन्ने का रस, दही आदि बंद करें। दिन में सोना, धूप का सेवन, अधिक व्यायाम, मैथुन आदि कर्म को त्यागना चाहिए।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा
email :
purushottambidada
@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी
स्वतंत्र वार्ता
396, लोअर टैंक बंड,
हैदराबाद-80

कच्चे तेल के बाद अब एलएनजी जमा कर रहा है चीन

फरवरी से चार गुना बढ़ गया आयात, क्या माजरा है?

नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका और इजरायल ने 28 फरवरी को ईरान पर हमला किया था। इससे दुनिया भर में हाहाकार मच गया था। कच्चे तेल की कीमत कई महीनों तक 100 डॉलर के पार रही थी। लेकिन चीन पर कोई फर्क नहीं पड़ा। इसकी वजह यह थी कि उसने ईरान युद्ध से पहले जमकर कच्चा तेल खरीदा था और संकट के दौरान उसका इस्तेमाल किया। अब एक बार फिर चीन ने एलएनजी का आयात करने शुरू कर दिया है।
हाल के दिनों में चीन का लिक्विफाइड नेचुरल गैस (एलएनजी) का इंपोर्ट तेजी से बढ़ा है। 19 जुलाई को खत्म हुए हफ्ते में चीन में साप्ताहिक एलएनजी डिलीवरी में 137% की बढ़ोतरी हुई और यह लगभग 2 मिलियन मीट्रिक टन तक पहुंच गई। यह पिछले 22 महीनों में सबसे ज्यादा है। फरवरी के मध्य से चीन का एलएनजी इंपोर्ट चार गुना से भी ज्यादा बढ़ गया है। पिछले हफ्ते फरवरी 2025 के बाद पहली बार अमेरिका से एलएनजी कार्गो चीन पहुंचा।

कहां से आ रही है गैस?

जून में चीन का एलएनजी आयात पिछले साल के मुकाबले 8.3% की बढ़ोतरी के साथ 5.68 मिलियन टन रहा। लगातार दूसरे महीने इसमें तेजी आई है। इस बीच, जुलाई में अब तक चीन के एलएनजी इंपोर्ट में ऑस्ट्रेलिया की हिस्सेदारी 43% रही। यह मलेशिया, रूस और कतर से कहीं ज्यादा है। साफ है कि चीन तेजी से एलएनजी का स्टॉक जमा कर रहा है। चीन की एलएनजी स्टोरेज क्षमता 25.4 मिलियन क्यूबिक मीटर है। देश के तटीय इलाकों में 100 से ज्यादा तटीय टैंक हैं। साथ ही चीन अपनी क्षमता बढ़ाने के लिए तेजी से अपना इन्फ्रास्ट्रक्चर बढ़ा रहा है। इसमें राष्ट्रीय ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के लिए 270,000 से 240,000 क्यूबिक मीटर क्षमता वाले अल्ट्रा-लार्ज टैंक शामिल हैं। चीन दुनिया में एलएनजी का सबसे बड़ा इंपोर्टर है। वह चीन खाड़ी देशों पर अपनी निर्भरता कम कर रहा है और रूस से पाइपलाइन आपूर्ति बढ़ा रहा है।

हर शेयर पर 1,10,717 डिविडेंड देगी टाटा की यह कंपनी, 22% उछल गया नेट प्रॉफिट

नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)। देश के सबसे बड़े औद्योगिक घराने टाटा ग्रुप की होल्डिंग कंपनी टाटा संस ने सालाना मुनाफे में 22% की तेजी आई है। एयर इंडिया और टाटा डिजिटल को हुए भारी घाटे के बावजूद टाटा संस का प्रॉफिट बढ़ा है।
यह बढ़ोतरी निवेश से हुए फायदे और पोर्टफोलियो कंपनियों से हुई बेहतर कमाई की वजह से हुई। कंपनी के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने एयर इंडिया और टाटा डिजिटल जैसे नुकसान वाले बिजनेस में लगातार निवेश का बचाव करते हुए इसे लंबे समय के लिए रणनीतिक दांव बताया।
टाटा संस ने मार्च 2026 को खत्म हुए साल के लिए स्टैंडअलोन नेट प्रॉफिट 31,961 करोड़ रुपये रहा जो एक साल पहले 26,232 करोड़ रुपये था।
वहीं, कंपनी का रेवेन्यू 9.1% बढ़कर 42,367 करोड़ रुपये हो गया। बोर्ड ने प्रति शेयर 1,10,717 रुपये का डिविडेंड देने की सिफारिश की है। टाटा ट्रस्ट्स के पास टाटा संस में करीब 66 फीसदी हिस्सेदारी है।

सबसे बड़ा बोझ

ग्रुप लेवल पर रेवेन्यू 7.8% बढ़कर 16.24 लाख करोड़ रुपये और मुनाफा 52% बढ़कर 1.71 लाख करोड़ रुपये रहा। चंद्रशेखरन ने कहा कि रेवेन्यू एफवाई20 के लेवल का 2.1 गुना और मुनाफा 5.4 गुना है।
हालांकि एयर इंडिया टाटा ग्रुप के लिए सबसे बड़ा बोझ बनी रही। कंपनी का एफवाई26 में घाटा बढ़कर 22,238 करोड़ रुपये पहुंच गया।
इसी तरह टाटा डिजिटल का घाटा भी पिछले साल के 4,610 करोड़ रुपये से बढ़कर 4,974 करोड़ रुपये हो गया। इस दौरान ग्रुप के बैटरी वेंचर अग्रटास को 1,101 करोड़ रुपये और टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स को 1,611 करोड़ रुपये का घाटा हुआ।
टाटा डिजिटल के घाटे के बारे में चंद्रशेखरन ने कहा कि भारतीय ई-कॉमर्स मार्केट तेजी से क्विक कॉमर्स की ओर बढ़ रहा है और बिगबास्केट इसे अपना रही है।
टाटा डिजिटल के लक्ष्य बड़े हैं और उनमें प्रगति दिखनी शुरू हो गई है। इस बिजनेस ने चार साल में 46,515 करोड़ रुपये का जीएमवी हासिल किया है, जबकि टाटा न्यू का फोकस अब फाइनेंशियल सर्विसेज, लॉयल्टी और पेमेंट पर है।

एयर इंडिया का घाटा

चंद्रशेखरन ने एयर इंडिया के बारे में कहा कि एयरलाइन को सबसे मुश्किल साल का सामना करना पड़ा। इसमें कई देशों में एयरस्पेस बंद होना, वेस्ट एशिया में संघर्ष के कारण ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी, विदेशी मुद्रा में उतार-चढ़ाव और अहमदाबाद क्रैश शामिल हैं। एयर इंडिया के बदलाव को पांच से दस साल के सफर के तौर पर देखा जाना चाहिए। इसमें फ्लीट को नया करने, सप्लाई-चेन में रुकावटें और पुराने सिस्टम और कल्चर को पूरी तरह बदलने की जरूरत है।

सेंसेक्स 776 अंक उछला, निफ्टी 24000 के करीब

तेजी ने दिया सकारात्मक संकेत

मुंबई, 27 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार में सोमवार को निवेशकों के चेहरे पर खुशी लौट आई। प्रमुख सूचकांकों सेंसेक्स और निफ्टी ने जबरदस्त उछाल दर्ज की। कारोबार के अंत में दोनों सूचकांकों ने महत्वपूर्ण बढ़त के साथ अपनी यात्रा समाप्त की। यह तेजी बाजार में सकारात्मक माहौल का संकेत देती है। मुंबई शेयर बाजार का संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 776.01 अंक की शानदार वृद्धि के साथ 76,835.78 के स्तर पर बंद हुआ।
यह एक दिन में 1.02 फीसदी की बढ़ोतरी दर्शाता है। इसी तरह, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 228.50 अंक चढ़कर 23,995.95 पर पहुंच गया। निफ्टी में 0.96 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई। दूसरी ओर, रुपया डॉलर के मुकाबले 63 पैसे बढ़कर 95.90 (अस्थायी) पर बंद हुआ। निवेशकों ने विभिन्न क्षेत्रों में जमकर खरीदारी की। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, वैश्विक संकेतों और घरेलू आर्थिक आंकड़ों ने इस तेजी को बढ़ावा दिया। कई कंपनियों के शेयरों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई।
बाजार में यह बड़ी वृद्धि कई कारकों के कारण हुई। वैश्विक बाजारों से मिले सकारात्मक संकेत एक प्रमुख कारण रहे। विदेशी संस्थागत निवेशकों की खरीदारी ने भी बाजार को सहारा दिया। घरेलू निवेशकों ने भी उत्साहपूर्वक निवेश किया। कंपनियों के तिमाही नतीजों को लेकर सकारात्मक उम्मीदें भी बाजार में दिखीं। इसके अलावा, कुछ प्रमुख क्षेत्रों में मजबूत प्रदर्शन ने भी सूचकांकों को ऊपर धकेला।

निवेशकों के लिए इसका क्या अर्थ है?

इस तेजी से निवेशकों का भरोसा बढ़ा है। जिन निवेशकों ने हाल ही में निवेश किया था, उन्हें अच्छा लाभ मिला होगा। यह बाजार में नई पूंजी आने का संकेत भी हो सकता है। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि निवेशकों को सावधानी बरतनी चाहिए। बाजार की अस्थिरता को देखते हुए सोच-समझकर निर्णय लेना महत्वपूर्ण है। दीर्घकालिक निवेश के लिए यह एक अच्छा अवसर हो सकता है।

आगे बाजार की चाल कैसी रह सकती है?

बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, आने वाले दिनों में भी तेजी का यह रुझान जारी रह सकता है। हालांकि, वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों पर भी नजर रखनी होगी। मुद्रास्फीति और ब्याज दरों से जुड़े आंकड़े बाजार की दिशा तय करेंगे। सरकार की नई नीतियों और घोषणाओं का भी असर दिखेगा। निवेशकों को सलाह दी जाती है कि वे बाजार के उतार-चढ़ाव पर ध्यान दें। आगामी तिमाही के नतीजे भी बाजार को प्रभावित कर सकते हैं।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- 2083
शक संवत् -1948, सूर्य दक्षिणायने /उत्तर , ऋतु- वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -2551 , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - 432000
भोग्य कलि वर्ष. - 426873 सूर्योदय 05-56 सूर्यास्त. 18 -48
कलियुग संवत् - 5127 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949127
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885127
दिशाशूल - उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
मास - आषाढ़ शुक्ल पक्ष मंगलवार 28 July 2026
तिथि - चतुर्दशी 18-19 तक उपरान्त पूर्णिमा
नक्षत्र - पूर्वाषाढा 13-11 तक उप उत्तराषाढ़ा
योग - विष्कुंभ 23-33 रात्रि तक उप प्रीति
करण - वणिज 18-19 तक उप विष्टी (भद्रा)

वन चौमासी दिवस

गृह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सुर्य	कर्क	मे	कर्क--- 05-10	बजे
चंद्र	धनु	मे	सिंह--- 07-26	बजे
मंगल	वृष	मे	कन्या-- 09-32	बजे
बुध	मिथुन	मे	तुला----11-38	बजे
गुरु	कर्क	मे	वृश्चिक--13-48	बजे
शुक्र	सिंह	मे	धनु---- 16-02	बजे
शनि	मीन	मे	मकर-- 18-07	बजे
राहु	कुंभ	मे	कुंभ--- 19-58	बजे
केतु	सिंह	मे	मीन--- 21-36	बजे
			मेष---- 23-12	बजे
			वृष----- 00-57	बजे
			मिथुन-- 02-58	बजे

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 15-36 से 17-13 तक

श्री पंचागुल्लि ज्योतिष केन्द्र अतापुर Ph. 9247132654

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05-56 - 07-32	अशुभ	काल	18-48 - 20-13	अशुभ
उत्पात	07-32 - 09-09	अशुभ	लाभ	20-13 - 21-36	शुभ
चंचल	09-09 - 10-46	शुभ	उत्पात	21-36 - 22-59	अशुभ
लाभ	10-46 - 12-23	शुभ	शुभ	22-59 - 00-23	शुभ
अमृत	12-23 - 13-59	शुभ	अमृत	00-23 - 01-46	शुभ
काल	13-59 - 15-36	अशुभ	चंचल	01-46 - 03-09	शुभ
शुभ	15-36 - 17-13	शुभ	रोग	03-09 - 04-32	अशुभ
रोग	17-13 - 18-48	अशुभ	काल	04-32 - 05-56	अशुभ

हर साल 14 लाख करोड़ का नुकसान! यह कैसी 'जंग' है जिसने देश की इकॉनमी को जकड़ रखा है?

नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)। दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से बढ़ रही इकॉनमी है। लेकिन देश की इकॉनमी पर एक ऐसा जंग लगा है जो सालाना 14 लाख करोड़ रुपये स्वाहा कर रहा है। इस जंग को खत्म कर दिया जाए तो देश की जीडीपी में 1.5 फीसदी तक की बढ़ोतरी हो सकती है।
इसके कारण इन्फ्रास्ट्रक्चर के रखरखाव पर सरकारी खर्च बढ़ता है, राष्ट्रीय संपत्तियों की उत्पादकता कम होती है, सरकारी खजाने पर बोझ पड़ता है और सार्वजनिक सुरक्षा, स्थिरता और संसाधनों के कुशल उपयोग पर असर पड़ता है। नोमुरा की एक रिपोर्ट के अनुसार जंग यानी कोरोशन से होने वाले नुकसान के कारण भारत को हर साल अनुमानित 14 लाख करोड़ का नुकसान होता है जो जीडीपी के 4.3% के बराबर है। इसकी वजह यह है कि जंग के कारण पुल, हाईवे, रेलवे, बंदरगाह, बिजली इन्फ्रास्ट्रक्चर, इमारतें और औद्योगिक संपत्तियां समय से पहले खराब हो जाती हैं।
अनुमान लगाया गया है कि इसका सबसे ज्यादा असर बिजली उत्पादन और ट्रांसमिशन सेक्टर पर पड़ता है। इसके बाद टेलीकॉम, ऑटोमोटिव, इन्फ्रास्ट्रक्चर और रेलवे का नंबर आता है। भारत में जंग से होने वाला खर्च औसत से अधिक है और जंग लगने का खतरा भी ज्यादा है। यह एक बढ़ते मैक्रो-इकनॉमिक जोखिम को दिखाता है। भविष्य में जीडीपी पर इसका काफी नकारात्मक असर पड़ने की आशंका है।
रिपोर्ट के अनुसार जंग के कारण इन्फ्रास्ट्रक्चर के रखरखाव और उसे बदलने पर सरकारी खर्च बढ़ता है। इसके साथ ही राष्ट्रीय संपत्तियों की उत्पादकता कम होती है, सरकारी खजाने पर बोझ पड़ता है और सार्वजनिक सुरक्षा, स्थिरता और संसाधनों के कुशल उपयोग पर असर पड़ता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि जंग से बचाव के

प्रभावी उपायों से जीडीपी में 1.5% तक की बढ़ोतरी हो सकती है।

अमेरिका और जापान का हाल

अमेरिका और जापान का उदाहरण देते हुए रिपोर्ट में कहा गया है कि कई विकसित देश पर्यावरण के हिसाब से इन्फ्रास्ट्रक्चर को क्लासीफाई करते हैं और जंग से बचाव के उपाय तय करते हैं। लेकिन भारत में ऐसा नहीं है। हमारे यहां अलग-अलग मौसम की स्थितियों के बावजूद ज्यादातर एक जैसे नियम ही अपनाए जाते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि मॉनसून के दौरान नमी और खारेपन के कारण इन्फ्रास्ट्रक्चर के खराब होने की गति बढ़ जाती है। इसमें इन्फ्रास्ट्रक्चर की मजबूती और सुरक्षा को बेहतर बनाने के लिए जंग से बचाव के उपायों को अनिवार्य करने, नियमों को सख्ती से लागू करने और जागरूकता बढ़ाने की सिफारिश की गई है। भारत में लंबे समय तक चलने वाली संपत्तियों की मजबूती के लिए सबसे अच्छे तरीकों को अपनाना जरूरी है। इसके लिए भारतीय मानकों को वैश्विक मानकों के अनुरूप बनाने की जरूरत है।ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड्स के नियमों के तहत जंग से बचाव अनिवार्य हैं और इनहिबिटर और कोटिंग जैसे तरीकों का जिक्र है। लेकिन इसमें इस साफतौर पर इस बात का उल्लेख नहीं किया गया है कि खास स्थितियों में कौन सी तकनीक का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। इससे ठेकेदारों को खानापूर्ति करने की छूट मिल जाती है।

चांदी 2,050 बढ़कर 2.25 लाख पर पहुंची

सोना 751 महंगा होकर 1.45 लाख का 10 ग्राम हुआ, इस साल 1.60 लाख तक जा सकता है

नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)। सोने-चांदी की कीमतों में आज यानी 27 जुलाई को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, एक किलो चांदी 2,050 रुपए बढ़कर 2.25 लाख रुपए पर पहुंच गई है। वहीं, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 751 रुपए चढ़कर 1.45 लाख रुपए पर पहुंच गया है।

सोना इस साल 12 हजार महंगा हुआ

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 12 हजार रुपए महंगा हुआ है। 31 दिसंबर 2025 को 10g सोना 1.33 लाख रुपए के ऊपर था, जो अब 1.45 लाख रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी की कीमत में 5 हजार रुपए की गिरावट है। चांदी 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.25 लाख रुपए पर है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था।

सोना इस साल 1.60 लाख तक जा सकता है

कमोडिटी एक्सपर्ट अजय केडिया के मुताबिक सोने-चांदी के दाम अपने हाई से काफी नीचे आ चुके हैं। ऐसे में निवेशक इसमें निवेश कर सकते हैं, हालांकि इनमें एकमुश्त निवेश करने से बचना चाहिए। अजय केडिया के अनुसार साल के आखिर तक सोना एक बार फिर 1.60 लाख और चांदी 2.80 लाख रुपए तक जा सकती है।

भारत का 1 रुपया नेपाल में कितना होता है?

नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)। अगर आप नेपाल घूमने की योजना बना रहे हैं या यह जानना चाहते हैं कि भारत का 1 रुपया वहां कितनी कीमत रखता है, तो इसका जवाब आपको हैरान कर सकता है. नेपाल में 1 भारतीय रुपया की आधिकारिक कीमत 1.60 नेपाली रुपये है. यानी भारत के 100 नेपाल में 160 नेपाली रुपये, जबकि 1,000 की कीमत 1,600 नेपाली रुपये होती है. यह दर लंबे समय से तय है.

ऐसा क्यों है?

नेपाल की मुद्रा नेपाली रुपया भारतीय रुपये से स्थिर विनिमय दर पर जुड़ी हुई है. नेपाल राष्ट्र बैंक ने भारतीय रुपये के मुकाबले नेपाली

रुपये की विनिमय दर 100 भारतीय रुपये = 160 नेपाली रुपये तय कर रखी है. यही कारण है कि भारतीय रुपये की कीमत नेपाल में हमेशा 1.60 नेपाली रुपये के बराबर रहती है.

ऐसे समझें रुपया और नेपाली रुपया का हिसाब-

1 रुपया = 1.60 नेपाली रुपये
10 रुपया = 16 नेपाली रुपये
100 रुपया = 160 नेपाली रुपये
500 रुपया = 800 नेपाली रुपये
1000 रुपया = 1,600 नेपाली रुपये

हालांकि, बैंक या मनी एक्सचेंज से मुद्रा बदलवाने पर सेवा शुल्क या दूसरे शुल्क लग सकते हैं, जिससे आपको मिलने वाली पूरी राशि में **थोड़ा अंतर हो सकता है**.

भारत और नेपाल के बीच का रिश्ता-

भारत और नेपाल के बीच लंबे समय से मजबूत व्यापारिक और आर्थिक संबंध हैं. दोनों देशों के बीच बड़ी मात्रा में व्यापार होता है और लोगों का आना-जाना भी काफी आसान है. इसी वजह से नेपाल ने अपनी मुद्रा को भारतीय रुपये से जोड़ रखा है, जिससे व्यापार और भुगतान में स्थिरता बनी रहती है.

31 जुलाई की आखिरी तारीख करीब

इनकम टैक्स रिटर्न भरने में 10 गलतियों से बचें

नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)। कमाई और खर्च का हिसाब सरकार को देने का सीजन चल रहा है। आम आयकरदाताओं के लिए इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करने की 31 जुलाई की आखिरी तारीख करीब आ गई है। आपाधापी में कुछ गलतियां हो सकती है। किसी बैंक खाते के ब्याज की जानकारी हो सकता है कि भरने से छूट जाए, हो सकता है कि कोई जॉइंट ट्रांजैक्शन पूरा का पूरा एक ही टैक्सपेयर के खाते में दर्ज हो जाए, विदेश में खोले गए किसी बैंक अकाउंट के बारे में बताना भूल जाएं या फिर गलत आईटीआर फॉर्म चुनकर शुरुआत में ही गड़बड़ हो जाए या फिर रही-सही कसर फॉर्म भरने के बाद वेरिफिकेशन नहीं करने से पूरी हो जाए। आधी-अधूरी जानकारी देने सहित ऐसी गलतियां नोटिस और जुर्माने का सबब बन जाती है।
सर्टिफाइड फाइनेस प्लैनर और द रिचनेस अकादमी के संस्थापक तारेश भाटिया ने कहा, 'आईटीआर भरते समय सबसे बड़ी गलती गलत टैक्स कैलकुलेशन नहीं, बल्कि ऐसी आय को छूट जाने देना है, जिसकी जानकारी इनकम टैक्स डिपार्टमेंट के पास पहले से मौजूद होती है। आज आयकर विभाग के पास एआईएस, टीआईएस, फॉर्म 26एएस टीडीएस/ टीसीएस, बैंक, म्यूचुअल फंड, ब्रोकर और अन्य रिपोर्टिंग संस्थानों से व्यापक फाइनैंशल डेटा उपलब्ध रहता है। ऐसे में केवल फॉर्म 16 के आधार पर रिटर्न भरना पर्याप्त नहीं है। आईटीआर दाखिल करने से पहले सभी रेकॉर्ड का मिलान करे, ताकि कोई इनकम छूटने या डेटा मिसमैच की वजह से नोटिस या परेशानी का सामना न करना पड़े।'आईटीआर भरे जा रहे है असेसमेंट ईयर 2026-27 के लिए यानी उस कमाई के बारे में जानकारी देनी है, जो पहली अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2026 तक के बीच हुई हो। इंडिविजुअल्स के लिए आईटीआर फाइल करने की आखिरी तारीख 31 जुलाई है। यही डेडलाइन उनके लिए भी है, जिनके खातों के ऑडिट की जरूरत न हो। सीनियर चार्टर्ड अकाउंटेंट सुशील अग्रवाल ने कहा, 'शुरुआत से ही सावधानी जरूरी है। अपने लिए उचित टैक्स रिजीम और सही आईटीआर फॉर्म चुनें। इस बार आईटीआर-1 फॉर्म यानी सहज में ही दो प्रॉपर्टी तक से इनकम की जानकारी दी जा सकती है। अभी तक इसके लिए आईटीआर-2 या आईटीआर-3 का उपयोग करना होता था।ओल्ड या न्यू टैक्स रेजॉम को केवल इस आधार पर नहीं चुनना चाहिए कि किसी मित्र ने सलाह दे दी है या किसी सोशल मीडिया पोस्ट ने किसी रिजीम को बेहतर बता दिया। तारेश भाटिया ने कहा, 'हर टैक्सपेयर की इनकम डिडक्शंस इनवेस्टमेंट्स, हाउसिंग की स्थिति और बेनेफिट्स की तस्वीर अलग हो सकती है। इसलिए उपयुक्त विकल्पों के आधार पर गणना करके ही निर्णय करना चाहिए।'

फॉर्म 16 तक रुक जाना

सैलरीड टैक्सपेयर्स आमतौर पर यह गलती कर बैठते हैं। फॉर्म 16 सैलरी और संबंधित टीडीएस की जानकारी देता है, लेकिन पूरी फाइनैंशल लाइफ केवल सैलरी तक सीमित नहीं होती बचत खाते के ब्याज, एफडी इंटरेस्ट, डिविडेंड इनकम, कैपिटल गेस रेटल इनकम, दूसरे एंप्लॉयर की इनकम, अन्य टैक्सेबल इनकम सहित कई तरह की आमदनी हो सकती है।

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो,ला, ली, लू, ले, लो, अ,)
आपकी निजी और व्यवसायिक जिन्दगी के बीच एक असंतुलन है । इसे दूर करने का एक ही तरीका है कि आप अपने प्रतिदिन के काम की योजना बनाएं,जो हर दिन की जरुरत के हिसाब से अलग हो । चिंता ना करें,आपके परिजन हाल-फिलहाल आपके उनके प्रति कम ध्यान के बावजूद आपके समर्पण को पहचान पाएंगे ।

वृष (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो)
यह तो आप देख ही चुके की आकस्मिक प्रवृति पर आधारित फैसले कई बार सही साबित नही हुए हैं,इसीलिए यह जरूरी है कि आप अपने फैसले तर्क की कसौटी पर कसकर ही करें । ऐसा करना और भी जरूरी है क्योंकि कोई ऐसा है जो आपका करीबी होते हुए भी आपके खिलाफ साजिश कर रहा है । अगर एक बार आप सोच समझकर कोई फैसला ले लें तो उसे कार्यान्वित करने में हिचकिचाएं नही ।

मिथुन (का, की, कु, घ, ङ, छ, के, को, ह,)
आज आप साझेदारी के अंतर्गत घर और ऑफिस दोनों ही में बहुत अच्छा काम करेंगे । यदि अकेले काम करेंगे तो अस्पष्ट और असंभव सी लगने वाली मुसीबतों में फंस सकते हैं । टीम के रूप में काम करने पर ये बाधाएं परेशान नही करेंगी । आपसी सहयोग से आज आप किसी भी प्रयास में सफलता हासिल कर पायेंगे ।

कर्क (ही, हू, हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आप एक साधारण आदमी हैं और इसीलिए आप संबंधों में कोई चालाकी नही करते । इससे आपको कई बार नुक्सान भी उठाना पड़ता है लेकिन यह सब अधिक समय तक नही चलेगा ,आखिर में चालाकी के स्थान पर आपकी सरलता की ही जीत होगी । अपनी संवेदनाओं को नियंत्रण में रखें । करीबियों के साथ अच्छा वक़्त बिताने की सम्भावना बनी हुई है ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आप आज अनजाने तथ्यों के साथ सहज महसूस नही करेंगे । इसलिए आप प्रयोग ना करते हुए जानी –पहचानी राहों पर ही आगे बढने की कोशिश करेंगे । आपके सामने नए अवसर आयेंगे ,लेकिन आप उनमे से भी उसी को चुनेंगे जिससे आप भली-भांति परिचित हैं । इस समय का उपयोग अपना पिछला बचा हुआ काम निपटाने के लिए करें ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आपमें समर्पण की अद्भुत भावना आ गयी है । आपको परिवार से जुडी कई जिम्मेदारियां निभानी हैं और आप ऐसा बहुत अच्छे से करेंगे । जीवन की चुनातियों से निपटने के लिए आप अपने कौशलों को निखारने और अपनी छुपी हुई क्षमता को बाहर लाने के प्रयासों में जुटे हुए हैं । आपका सफ़र मुश्किल हो सकता है लेकिन आप इसका हरेक पल आनंद लेंगे ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
अगर आप अपना समय और ऊर्जा गरीब और कम सुविधा प्राप्त बच्चों को शिक्षा देने में लगायेंगे तो आपको बहुत ख़ुशी मिलेगी । अपना कुछ सामन किसी जरूरतमंद को दे दें । आपकी वित्तीय स्थिति अच्छी है ,आप पैसे से भी किसी की मदद कर सकते हैं । आप नए लोगों से जल्दी ही परिचय भी कर लेते हैं और सबकी जरूरतों का ध्यान रखने के कारण आपकी लोकप्रियता भी है ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आज का दिन तारीफ और प्रशंसा से भरा रहेगा । आपके बेहतरीन कामों के लिए पुरस्कार भी मिल सकते हैं । आपकी सच के साथ बने रहने की खासियत से आप अपने से प्रतिस्पर्धा करने वाले कई लोगों के रोल-मॉडल बन पायेंगे । आज कोई फैसला कार्यान्वित करने से पहले एक बार फिर से सोच लें ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आज आप किसी भी ,अच्छे-बुरे तरीके से अपना लक्ष्य पा लेने के मूड में हैं । काफी समय तक हाशिये पर रहने के बाद आपको आज अपने ग्रहों की बदौलत काफी आत्मविश्वास का अनुभव होगा । आप अपनी मानसिक प्रवृति के आधार पर फैसले ले सकते हैं,यकीन मानिए वे सही ही साबित होंगें ।

मकर (भो, ज, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
सामान्यत आप काफी स्पष्ट सोच रखते हैं ,लेकिन आज आप अपनी निजी समस्याओं और अपनी असुरक्षाओं से घिरे होने के कारण स्पष्ट नही सोच पायेंगे । इसलिए आज का दिन किसी नए काम को हाथ में लेने या नयी साझेदारी के लिए उपयुक्त नही है । आपके आज के फैसले गलत हो सकते हैं । इसीलिए भविष्य के कार्यक्रमों की योजना आज बनाना सही नही है ।आज आराम करें ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा)
आपने अपने लिए बहुत ऊँचे मानक तय किये हैं और आप इन्हें हासिल करने के लिए बहुत प्रयास कर रहे हैं । फिर भी लक्ष्य तक पहुंचना मुश्किल होगा और इससे आपको थोड़ी निराशा होगी । आपको लक्ष्य तय करने से पहले अपनी क्षमताएं ध्यान में रखनी होंगी । समय कोई बड़ा फैसला लेने के लिए उपयुक्त नही है ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आप उन बदलावों के बारे में सोच रहे हैं जो शायद आपके काम और आपकी सेहत के बीच संतुलन ला सकते हैं । आप अपने किसी करीबी दोस्त से इस सम्बन्ध में मेल करके समाधान पूछ सकते हैं । इन बदलावों से आपको आराम मिलेगा । आप अपने आप को फ़िलहाल सही आदमियों के साथ पायेंगे जो आपको आपके विभिन्न लक्ष्यों का उद्देश्य निर्धारित करने में मदद करेंगे ।

पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710

आरबीआई की रियायती अदला-बदली सुविधा से भारत में आएगा 85 अरब डॉलर का भारी निवेश

नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक की रियायती अदला-बदली सुविधा योजना है। इसके तहत भारत 80 से 85 अरब अमेरिकी डॉलर का विदेशी मुद्रा प्रवाह आकर्षित कर सकता है। एक प्रमुख रिपोर्ट में सोमवार को यह जानकारी दी गई है।
इस योजना का मुख्य उद्देश्य देश में विदेशी पूंजी प्रवाह को प्रोत्साहित करना है। भारतीय स्टेट बैंक की शोध रिपोर्ट 'इकोरैप' ने इन अनुमानों को एक सकारात्मक आर्थिक राहत बताया है। रिपोर्ट के अनुसार, 17 जुलाई तक इस योजना के तहत कुल मिलाकर लगभग 20 अरब अमेरिकी डॉलर का प्रवाह हुआ है। इसमें विदेशी मुद्रा अनिवासी (बैंक) या एफसीएनआर (बी) जमा का योगदान 17.406 अरब अमेरिकी डॉलर रहा। विदेशी मुद्रा उधार (ओएफसीबीएस) से 1.97 अरब अमेरिकी डॉलर प्राप्त हुए। बाह्य वाणिज्यिक उधार (ईसीबीएस) से 1.342 अरब अमेरिकी डॉलर की राशि जुटाई गई। एसबीआई की रिपोर्ट का अनुमान है कि एफसीएनआर (बी) जमा कुल 65 से 70 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच सकती हैं। ओएफसीबीएस और ईसीबीएस को शामिल करते हुए यह आंकड़ा 80 से 85 अरब अमेरिकी डॉलर तक जा सकता है। आरबीआई के आंकड़ों से यह भी पता चलता है कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक इस पूंजी जुटाने में प्रमुख भूमिका निभा रहे हैं। यह प्रवृत्ति भारत के वित्तीय क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण संकेत है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने 5 जून, 2026 को इस अदला-बदली सुविधा की शुरुआत की थी। यह भारत के भुगतान संतुलन को मजबूत करने के लिए उठाए गए कई उपायों का हिस्सा है। इसका एक अन्य महत्वपूर्ण लक्ष्य पूंजी प्रवाह को प्रोत्साहित करना भी है। यह सुविधा आधिकारिक तौर पर 8 जून, 2026 को चालू की गई थी। एफसीएनआर (बी) जमा के लिए यह 30 सितंबर, 2026 तक उपलब्ध रहेगी। वहीं, ओएफसीबीएस और ईसीबीएस के लिए यह 31 दिसंबर, 2026 तक जारी रहेगी। इन उपायों की घोषणा वैश्विक बाजार में व्याप्त अनिश्चितताओं के बीच की गई थी। इनका उद्देश्य भारत की बाहरी क्षेत्र की स्थिति को मजबूत करना है। साथ ही, विदेशी मुद्रा तरलता का समर्थन करना भी इसका एक अहम लक्ष्य है।

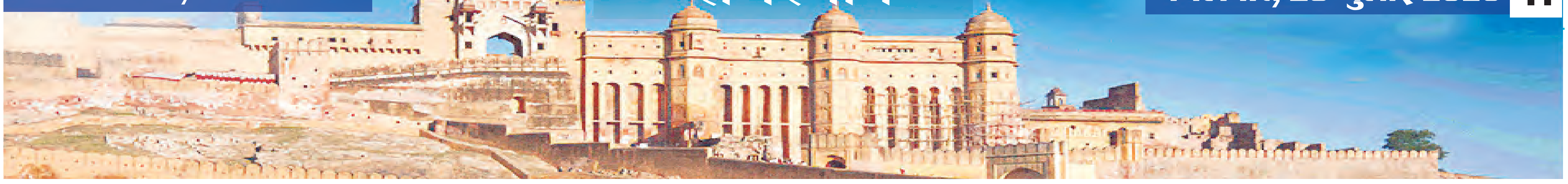

जयपुर-दिल्ली फ्लाइट लेट होने पर भड़के हनुमान बेनीवाल, केंद्र सरकार पर साधा निशाना

जयपुर, 27 जुलाई (एजेंसियां)। जयपुर से दिल्ली जाने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट लेट होने पर राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के संस्थापक और नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा। हनुमान बेनीवाल ने कहा कि देश में आए दिन उड़ान लेट होने से लाखों यात्री परेशान हैं, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू किंजरापु इस गंभीर समस्या पर मौन हैं। हालांकि, फ्लाइट में देरी पर एयर इंडिया ने खेद व्यक्त किया है।

बता दें कि नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल को सोमवार सुबह संसद की कार्यवाही में शामिल होने और विपक्ष के साथी सांसदों के साथ विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करने के लिए दिल्ली जाना था। वे समय पर जयपुर के सांगानेर एयरपोर्ट पर पहुंच गए थे। लेकिन, वहां पता चला की एयर इंडिया की फ्लाइट लेट हो गई है। एयर इंडिया की फ्लाइट आई 1834 को निर्धारित समय पर सुबह 8:50 बजे उड़ान भरना था। लेकिन, फ्लाइट सुबह 10:10 बजे जयपुर से दिल्ली के लिए रवाना हो पाई।

फ्लाइट करीब 1 घंटे 20 मिनट लेट होने पर सांसद हनुमान बेनीवाल ने एक्स पर लिखा कि सुबह 11 बजे संसद के चल रहे मानसून सत्र की कार्यवाही प्रारम्भ होने से पहले मुझे जयपुर से दिल्ली पहुंचकर विपक्ष के साथी सांसदों के साथ संसदीय कार्यवाही को लेकर विशेष चर्चा करनी थी। लेकिन एयर इंडिया की जयपुर-दिल्ली की उड़ान संख्या एआई 1834 निर्धारित समय के बाद अभी दिल्ली से ही जयपुर के लिए उड़ान नहीं भर पाई। जबकि जयपुर से इसकी उड़ान का निर्धारित समय सुबह 08:50 का है।

उन्होंने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि देश में आए दिन उड़ानों के विलंब और अव्यवस्था से लाखों यात्री परेशान हैं, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नागर विमानन मंत्री राममोहन नायडू किंजरापु इस गंभीर समस्या पर मौन हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि भारत सरकार का एयरलाइंस के संचालन और समयबद्धता पर कोई प्रभावी नियंत्रण ही नहीं बचा है। सरकार को यह समझने की आवश्यकता है कि देश की विमानन व्यवस्था में जवाबदेही सुनिश्चित करना और यात्रियों के समय का सम्मान करना केंद्र सरकार की जिम्मेदारी है, इससे लगातार मुंह नहीं मोड़ा जा सकता।

पुलिस के डर से दुबई में ही बस गया लुत्फी

राजस्थान की लड़कियों को जाल में फंसाकर बनाई 'गैंग'

भीलवाड़ा, 27 जुलाई (एजेंसियां)। बहुचर्चित आदर्श तापड़िया हत्याकांड से तार जुड़ने के खौफ में वर्ष 2022 में भीलवाड़ा से दुबई भागे पूर्व पार्षद फजले रउफ उर्फ लुत्फी ने दुबई को ही अपने काले कारनामों का ठिकाना बना लिया था। भीलवाड़ा में जब मामला शांत दिखा, तो उसने वापसी की कोशिश की, लेकिन तत्कालीन पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह यादव के ऑनलाइन सट्टा, हवाला व अन्य संगीन मामलों पर कसे गए कानूनी शिकंजे से घबराकर वह दोबारा अपने गुर्गों संग दुबई भाग गया। सुभाषनगर पुलिस की कार्रवाई के दौरान गिरफ्तार किए गए योगेश मूंदड़ा, वसीम व मोइन खान की गिरफ्तारी के दौरान हुई पूछताछ में यह खुलासा हुआ है।

पूछताछ में सामने आया कि लुत्फी ने दुबई में भीलवाड़ा व राजस्थान की युवतियों को अपने जाल में फंसाकर 'गैंग' खड़ी कर दी। पांच युवतियों को तो उसने दुबई बुला भी लिया, जिनमें दो भीलवाड़ा की ही हैं। वहीं, चार अन्य लड़कियों के पासपोर्ट बनवाकर उन्हें दुबई लाने का जाल बिछाया जा रहा था। इन युवतियों के जरिए एनआरआई (प्रवासी भारतीयों) को जाल में फंसाकर, अपहरण कर मोटी रंगदारी वसूलना इस गैंग का मुख्य पेशा बन चुका था।

दुबई में रंगदारी, हवाला और अपहरण का साम्राज्य खड़ा करने वाले लुत्फी का अंत तब शुरू हुआ जब उसकी हरकतों से तंग आकर दुबई पुलिस ने शिकंजा कसा और जुलाई के प्रथम सप्ताह में उसे दबोच लिया। दुबई में पुलिस की इस बड़ी कार्रवाई के बाद वहां बैठे लुत्फी गैंग के गुर्गों योगेश मूंदड़ा, वसीम, मोइन और राजा आदि के पैर उखड़ गए और वे गिरफ्तारी के डर से भारत भाग आए।

सरेआम फाड़े गए पीएम और सीएम के पोस्टर

कांग्रेस के प्रदर्शन के बाद अब बीजेपी में भारी रोष

बूंदी, 27 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में बूंदी जिला इन दिनों ऐतिहासिक खूबसूरती के लिए नहीं, बल्कि एक सियासी 'हाई-वोल्टेज ड्रामे' को लेकर उबल रहा है। शहर के अदालत चौराहे पर हुई एक विरोध प्रदर्शन की घटना ने ऐसा तूल पकड़ा है कि भाजपा और कांग्रेस के बीच जुबानी तीर चलने शुरू हो गए हैं। वजह बना है सोशल मीडिया पर तेजी से शेयर हो रहा एक वीडियो, जिसमें देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के पोस्टरों को सरेआम फाड़ते हुए देखा जा सकता है।

दरअसल, मामला दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर हुए लाठीचार्ज से जुड़ा है। इसी घटना के विरोध में बूंदी के प्रमुख अदालत चौराहे पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जोरदार प्रदर्शन आयोजित किया था। इस उग्र प्रदर्शन की अगुवाई पूर्व मंत्री और हिंडोली के दबंग विधायक अशोक चांदना कर रहे थे। प्रदर्शन के दौरान केंद्र और राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी हो रही थी, माहौल पूरी तरह से गर्माया हुआ था।

प्रदर्शन के चरम पर पहुंचते ही वहां मौजूद कुछ उत्साहित कार्यकर्ताओं का गुस्सा सड़क किनारे लगे सरकारी पोस्टरों पर निकल पड़ा। देखते ही देखते कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के बड़े-बड़े पोस्टरों को फाड़कर जमीन पर फेंक दिया। चौराहे पर मौजूद कई राहगीरों और प्रत्यक्षदर्शियों ने इस पूरे वाकये को अपने मोबाइल कैमरों में कैद कर लिया। देखते ही देखते यह वीडियो सोशल मीडिया के अलग-अलग प्लेटफॉर्म्स पर आग की तरह फैल गया।

वीडियो के वायरल होते ही भारतीय जनता पार्टी के खेमे में भारी रोष व्याप्त हो गया है। भाजपा नेताओं और समर्थकों ने इसे 'लोकतांत्रिक मर्यादाओं का हनन' और संवैधानिक पदों का घोर अपमान करार देते हुए आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग उठाई है। दूसरी ओर, मामले पर कांग्रेस आलाकमान की ओर से आधिकारिक सफाई का इंतजार किया जा रहा है।

फिलहाल, इस पूरे घटनाक्रम के बाद बूंदी में राजनीतिक हलचल अपने शबाब पर है। हालांकि, स्थानीय पुलिस और प्रशासन की तरफ से अभी तक कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है और न ही यह साफ हो पाया है कि मामले में कोई प्राथमिकी दर्ज हुई है या नहीं। लेकिन एक बात तय है वीडियो के सामने आने के बाद बूंदी की सियासत में छिड़ी यह जंग इतनी जल्दी ठंडी होने वाली नहीं है

सूने मकान से लाखों के जेवर-नकदी चोरी, भोपाल गया था परिवार

अलवर, 27 जुलाई (एजेंसियां)। अलवर शहर के वैशाली नगर थाना क्षेत्र में चोरी की वारदातें रुकने का नाम नहीं ले रही हैं। ताजा मामला मन्नाका गांव से सामने आया है, जहां शातिर चोरों ने एक सूने मकान को निशाना बनाते हुए लाखों रुपए के सोने-चांदी के जेवरात और नकदी पर हाथ साफ कर दिया। इस घटना के पीड़ित परिवार मध्य प्रदेश के भोपाल शहर गया हुआ था, जिसका फायदा उठाकर अज्ञात बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया।

जानकारी के अनुसार मन्नाका निवासी 55 वर्षीय नोनीहाल पुत्र ईदू खां भोपाल में ठेकेदारी का काम करते हैं। बीते 12 जुलाई को वह अपने मकान का अच्छी तरह ताला लगाकर पत्नी और बच्चों के साथ भोपाल चले गए थे। इस दौरान 25 जुलाई को जब उनके भतीजे की पत्नी अपने घर की छत पर गेहूं सुखाने गई, तो उनकी नजर नोनीहाल के मुख्य दरवाजे पर पड़ी। दरवाजे का ताला टूटा हुआ देखकर उन्हें अनहोनी की आशंका हुई। जब उन्होंने अंदर जाकर देखा तो पूरा सामान अस्त-व्यस्त पड़ा हुआ था और अलमारी के ताले टूटे मिले। इसके बाद उन्होंने तुरंत फोन कर नोनीहाल को चोरी की इस घटना की सूचना दी।

चोरी की खबर मिलते ही नोनीहाल भोपाल से तुरंत अपने गांव अलवर पहुंचे। घर के अंदर जाकर जब उन्होंने सामान की जांच की, तो अलमारी से एक सोने की हसली, दो जोड़ी सोने की गूंदी (गुली बंद), तीन सोने के हार और करीब 9 हजार रुपये की नकदी गायब थी। पीड़ित के अनुसार चोर केवल कीमती गहने और नकदी ही समेट कर ले गए। इसके बाद पीड़ित नोनीहाल ने सीधे वैशाली नगर थाने पहुंचकर अज्ञात चोरों के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई।

'रेवड़ियों' की तरह बांटी फ़र्ज़ी डिग्रियां- मिली सरकारी नौकरी

दो यूनिवर्सिटीज के खिलाफ एसओजी करेगी जांच

जयपुर, 27 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में सरकारी नौकरियों की तैयारी कर रहे लाखों ईमानदार और मेहनती बेरोजगार युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाले अंतरराज्यीय फर्जी डिग्री रैकेट पर सुप्रीम कोर्ट ने 'चाबुक' चलाया है। सरकारी शिक्षक, पीटीआई और अन्य प्रतियोगी भर्तियों में बैकडेट डिग्रियों का खेल रचने वाली मध्य प्रदेश की श्री सत्य साई यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मेडिकल साइंसेज और उत्तराखंड की हिमालयन गढ़वाल यूनिवर्सिटी के खिलाफ अब राजस्थान पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स यानी एसओजी की जांच की रफ्तार तेज होने जा रही है। सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान एसओजी द्वारा दायर विशेष अनुमति याचिका पर सुनवाई करते हुए मध्य प्रदेश और राजस्थान (जोधपुर) हाईकोर्ट के उन विवादित आदेशों पर तुरंत प्रभाव से रोक लगा दी है, जिनकी आड़ लेकर आरोपी विश्वविद्यालय प्रशासन और बिचौलिए कानूनी कार्रवाई से बच रहे थे। इस अहम न्यायिक फैसले से राजस्थान के उन हजारों योग्य अभ्यर्थियों में उम्मीद की नई किरण जगी है, जिनके हक पर फर्जी डिग्रियों के सहारे डाका डाला जा रहा था। राजस्थान एसओजी की शुरुआती जांच में जो खुलासे हुए हैं, वे राजस्थान की पूरी शिक्षा और भर्ती प्रणाली की जड़ों को हिला देने वाले हैं। बीपीएड और पीटीआई भर्ती में फर्जीवाड़ाः एसओजी की जांच में सामने आया कि मध्य प्रदेश के सीहोर-भोपाल स्थित श्री सत्य साई यूनिवर्सिटी और उत्तराखंड की हिमालयन गढ़वाल यूनिवर्सिटी से बीपीएड सहित अन्य व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की डिग्रियां कथित रूप से भारी भरकम रकम लेकर बैकडेट में तैयार की गईं। राजस्थान की भर्तियों में सीधा इस्तेमालः इन फर्जी डिग्रियों और फर्जी मार्कशीट का सीधा उपयोग राजस्थान में आयोजित पीटीआई भर्ती परीक्षा और अन्य तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्तियों में अंतिम चयन पाने के लिए किया गया। यूनिवर्सिटी प्रबंधकों और दलालों के गठजोड़ ने मार्कशीट और डिग्रियों का वितरण इस तरह किया मानो वे कोई प्रतिष्ठित शैक्षणिक प्रमाणपत्र न होकर सामान्य कागज की रेवड़ियां हों। इससे वर्षों से दिन-रात एक कर तैयारी करने वाले वास्तविक और योग्य अभ्यर्थियों का हक सीधे तौर पर मारा गया। राजस्थान एसओजी द्वारा चलाए जा रहे इस बड़े अभियान में अब तक कई बड़ी गिरफ्तारियां और जब्तियां हो चुकी हैं, लेकिन अदालती रोक के कारण मुख्य आरोपी बचे हुए थे। एसओजी की टीम ने फर्जी डिग्री बेचने वाले गिरोह के मुख्य दलालों, एजेंटों और फर्जी डिग्री के सहारे नौकरी पाने वाले लगभग 30 से अधिक लोगों को पहले ही सलाखों के पीछे भेज दिया है। वर्तमान में राजस्थान के विभिन्न सरकारी विभागों में कार्यरत या चयन सूची में शामिल 300 से अधिक ऐसे अभ्यर्थियों की भूमिका की गहनता से जांच की जा रही है, जिन्होंने इन दो विश्वविद्यालयों से बैकडेटेड डिग्रियां हासिल की हैं। जनवरी 2026 में एसओजी ने मध्य प्रदेश स्थित यूनिवर्सिटी कैंपस में अचानक छापा मारा था, जहां से 67 से ज्यादा संदेहास्पद बीपीएड डिग्रियां, मुहरें, ब्लैंक मार्कशीट और हार्ड डिस्क बरामद की गई थीं।

पति ने भाइयों के साथ मिलकर काटी पत्नी की जीभ

मामला दर्ज कराने पहुंचे परिजन बोले-दोनों के 3 मासूम बच्चे हैं

चूरू, 27 जुलाई (एजेंसियां)। चूरू जिले के साहवा थाना क्षेत्र के धीरवास गांव में एक विवाहिता की जीभ ब्लेड से काटने का मामला सामने आया है। पीड़िता ने अपने पति, जेठ और देवर पर हमला करने का आरोप लगाया है। घटना करीब 20 दिन पुरानी बताई जा रही है और मामला अब पुलिस तक पहुंचा है। गंभीर हालत में महिला को तारानगर के राजकीय अस्पताल से चूरू के डीबी अस्पताल रेफर किया गया जहां इमरजेंसी वार्ड में उसका उपचार किया गया। फिलहाल महिला बयान देने की स्थिति में नहीं है।

अस्पताल में मौजूद पीड़िता की भांजी सुनीता ने बताया कि जोधपुर जिले के नीमड़ी निवासी 42 साल की सीता की शादी करीब 20 साल पहले धीरवास निवासी असमालनाथ के साथ हुई थी। करीब 20 दिन पहले घरेलू विवाद के दौरान पति असमालनाथ, जेठ सदानाथ और देवर मोडनाथ ने कथित रूप से ब्लेड से उसकी जीभ काट दी। घटना के बाद सीता अपने पीहर चली गई थी। शनिवार को वह वापस ससुराल पहुंची जिसके बाद उसकी तबीयत बिगड़ने पर अस्पताल में भर्ती कराया गया।

पीड़िता के तीन बच्चे हैं जिनमें 2 बेटे और 1 बेटी शामिल हैं। परिजनों का कहना है कि पति-पत्नी के बीच लंबे समय से घरेलू विवाद चल रहा था लेकिन उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि मामला इस हद तक पहुंच जाएगा। उनका कहना है कि दोनों के तीन मासूम बच्चों के भविष्य पर भी इस घटना का गहरा असर पड़ा है और वे अब अपनी मां की हालत को लेकर बेहद परेशान हैं।

साहवा थानाधिकारी जगदीश गोदारा ने बताया कि घटना लगभग 20 दिन पहले की होना सामने आया है। इस संबंध में जोधपुर के मंडोर थाने में जीरो नंबर एफआईआर दर्ज की गई थी जिसे जांच के लिए साहवा थाना भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि फिलहाल महिला बयान देने की स्थिति में नहीं है। चिकित्सकीय परीक्षण और मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर जीभ काटने के आरोपों की पुष्टि की जाएगी। इसके बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। थानाधिकारी ने बताया कि पीड़िता घुमंतू नाथ समाज से संबंधित है। घटना के बाद वह सीधे अपने पीहर चली गई थी। ऐसे मामलों में तत्काल पुलिस को सूचना दी जानी चाहिए थी। पुलिस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

नाबालिग को बेचने और नशा तस्करी की आरोपियों पर अजमेर पुलिस का प्रहार, दरगाह क्षेत्र में ढहाए गए अवैध मकान

अजमेर, 27 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के अजमेर शहर में अपराधियों के खिलाफ पुलिस और नगर निगम प्रशासन ने अब तक का सबसे सख्त रुख अपनाया है। 'अपराधियों में भय और आमजन में विश्वास' के ध्येय वाक्य को चरितार्थ करते हुए पुलिस-प्रशासन की संयुक्त टीम ने दरगाह थाना क्षेत्र स्थित नई सड़क की करीब 500 फीट ऊंची पहाड़ी पर बने दो अवैध मकानों को पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया। यह कार्रवाई उन बदमाशों के खिलाफ की गई है जिन्होंने गंभीर अपराधों के जरिए अवैध संपत्ति अर्जित कर यह निर्माण कराए थे।

प्रशासन की इस बड़ी कार्रवाई की जद में आईं आरोपी रोशनी खातून उर्फ नूरजहां और अफसाना उर्फ बिजली। पुलिस जांच में सामने आया है कि दोनों महिलाएं नाबालिग लड़की को बेचने (ह्यूमन ट्रैफिकिंग) के गंभीर मामले में नामजद आरोपी हैं। इसके अलावा, दोनों के अवैध रूप से नशे के काले कारोबार में भी लिप्त होने की पुष्टि हुई है। आरोपियों ने अपराध की कमाई से पहाड़ी क्षेत्र में सरकारी भूमि पर बिना किसी अनुमति के अवैध रूप से अपने आशियाने खड़े कर लिए थे।

अवैध निर्माण को जमींदोज करने के लिए नगर निगम और पुलिस प्रशासन ने एक विशेष रणनीति तैयार की। 500 फीट की दुर्गम ऊंचाई होने के कारण मौके पर भारी मशीनरी पहुंचाना संभव नहीं था, इसलिए नगर निगम के करीब 50 से अधिक कर्मचारियों ने हथौड़ों, सरियों और अन्य औजारों की मदद से मैन्युअली इस कार्रवाई को अंजाम दिया। सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए एडिशनल एसपी हिमांशु जांगिड़ और नगर निगम उपायुक्त व अधिकारी रमेश चौधरी के नेतृत्व में 50 से ज्यादा पुलिस जवान तैनात रहे। कार्रवाई के दौरान पहाड़ी की ओर जाने वाले रास्तों पर आम आवाजाही को पूरी तरह से नियंत्रित रखा गया।

नगर निगम अधिकारियों के अनुसार, पहाड़ी क्षेत्र में हुए अन्य अवैध निर्माणों का भी गहन सर्वे कराया जा रहा है। जिन मकानों में अवैध रूप से बिजली और पानी के कनेक्शन लिए गए हैं, उनकी रिपोर्ट तैयार कर संबंधित विभागों को सख्त कार्रवाई के लिए भेजी जा रही है। एडिशनल एसपी सिटी हिमांशु जांगिड़ ने स्पष्ट किया कि अपराध से संपत्ति अर्जित करने वाले बदमाशों की सूची तैयार कर ली गई है। उच्च अधिकारियों के निर्देशों पर यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा ताकि अपराधियों के हौसले पस्त किए जा सकें।

बच्चों को टंकी में फेंका, फिर खुद कूदे एक झटके में खत्म हो गया पूरा परिवार; जांच में जुटी पुलिस

जैसलमेर, 27 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के जैसलमेर जिले में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक दंपती ने कथित तौर पर पहले अपने दो मासूम बच्चों को पानी की टंकी में फेंक दिया और फिर खुद भी उसमें छलांग लगा दी। इस दर्दनाक हादसे में परिवार के चारों सदस्यों की मौत हो गई। पुलिस ने प्रारंभिक जांच में इसे सामूहिक आत्महत्या का मामला माना है, हालांकि अन्य सभी पहलुओं की भी जांच की जा रही है। पुलिस के अनुसार, यह घटना रामदेवरा थाना क्षेत्र के लोहारकी गांव में हुई। मृतकों की पहचान 30 वर्षीय जसराज, उसकी 28 वर्षीय पत्नी निर्मा, सात वर्षीय बेटे और पांच वर्षीय बेटी के रूप में हुई है। थाना प्रभारी देवकिशन ने बताया कि जसराज के भाई ने उसे पानी की टंकी में छलांग लगाते हुए देखा और तुरंत शोर मचाया। आवाज सुनकर परिवार के अन्य सदस्य मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक चारों पानी में डूब चुके थे।

ड्रोन के जरिए पाक से मंगवाते थे हेरोइन, पति-पत्नी चला रहे थे पूरा नेटवर्क; दुबई हवाला कनेक्शन भी आया सामने

श्रीगंगानगर, 27 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में सीमावर्ती श्रीगंगानगर में सामने आए हेरोइन तस्करी के मामले ने सुरक्षा एजेंसियों की चिंता कई गुना बढ़ा दी है। जांच में पहली बार ऐसा कथित नेटवर्क सामने आया है, जिसमें पति-पत्नी ने मिलकर पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए हेरोइन मंगवाने और उसे पंजाब के ड्रग सिंडिकेट तक पहुंचाने की जिम्मेदारी संभाल रखी थी। जांच एजेंसियों का मानना है कि सीमावर्ती इलाकों में परिवारों की इस तरह की कथित संलिप्तता केवल नशा तस्करी ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी गंभीर चुनौती बन सकती है।

पुलिस के अनुसार समेजा कोठी थाना क्षेत्र के सलेमपुरा निवासी जसविंद्र सिंह उर्फ जस्सी और उसकी पत्नी नवजोत कौर उर्फ ज्योति इस नेटवर्क के प्रमुख किरदार थे। पूछताछ में सामने आए तथ्यों के आधार पर पुलिस का दावा है कि दंपती ने पिछले तीन माह में पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए 80 किलो से अधिक हेरोइन मंगवाकर पंजाब के तस्करों तक पहुंचाई। हालांकि इस दावे का अभी अन्य साक्ष्यों से सत्यापन किया जा रहा है। मामले का सबसे अहम पहलू यह है कि पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश किसी केंद्रीय एजेंसी ने नहीं, बल्कि स्थानीय पुलिस के मुखबिर तंत्र ने किया। 27 जून को 10.5 किलो हेरोइन की नई खेप आने की सूचना मिली तो जैतसर और श्रीगंगानगर सदर थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई कर जस्सी और उसके साथी धर्मेंद्र सिंह उर्फ बब्बू (लुधियाना) को करीब 10 किलो हेरोइन और डेढ़ लाख रुपए की नकदी के साथ गिरफ्तार करने का दावा किया। दूसरी ओर समेजा कोठी थाना पुलिस ने नवजोत कौर को 500 ग्राम हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया।

जांच यहीं नहीं रुकी। पूछताछ में सामने आया कि इस नेटवर्क का तार दुबई के हवाला चैनल से भी जुड़ा था। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार हवाला कारोबारी हरप्रीत सिंह उर्फ टेंजी ने स्वीकार किया कि पाकिस्तान से खेप मंगवाने के लिए 9 लाख की अग्रिम राशि पहले हवाला के जरिए दुबई भेजी गई और वहां से पाकिस्तान पहुंचाई गई। पुलिस इस मामले में मुख्य सप्लायर बताए जा रहे अमरजीत सिंह उर्फ अम्बी उर्फ सरपंच और सिमरजीत सिंह उर्फ सिमर को भी गिरफ्तार कर चुकी है। अब जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि इस नेटवर्क से और कितने लोग जुड़े थे।

बेटे के प्रेम-प्रसंग की रंजिश में पिता की काटी नाक

6-7 बदमाशों ने किया हमला

बाड़मेर, 27 जुलाई (एजेंसियां)। बाड़मेर जिले के सदर थाना क्षेत्र में बेटे के प्रेम-प्रसंग की रंजिश ने खूनी रूप ले लिया। सुबह 58 साल के बुजुर्ग पर 6-7 बदमाशों ने जानलेवा हमला कर दिया। आरोपियों ने पहले उनके साथ जमकर मारपीट की और बाद में धारदार हथियार से उनकी नाक काट दी। घायल की चीख-पुकार सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे जिन्हें आता देख आरोपी फरार हो गए। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है। पुलिस के अनुसार घायल बुजुर्ग रोजाना की तरह सुबह करीब 6 से 7 बजे के बीच घर से करीब डेढ़ किलोमीटर दूर कबूतरों को दाना डालने जा रहे थे। इसी दौरान रास्ते में पहले से घात लगाए बैठे गांव के ही 6-7 लोगों ने उन्हें रोक लिया। आरोपियों ने उन्हें चारों ओर से घेरकर मारपीट शुरू कर दी। इसके बाद एक बदमाश ने धारदार हथियार से उनकी नाक पर वार कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए।

बुजुर्ग रिटायर्ड अफसर से ठगी, ठगों ने अपनाया नया तरीका; 65 वर्षीय जयराम राठौड़ बने शिकार

जोधपुर, 27 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के जोधपुर शहर में साइबर ठगी का एक नया मामला सामने आया है। ठगों ने अब बुजुर्गों को निशाना बनाने के लिए नए-नए तरीके अपनाने शुरू कर दिए हैं। बनाड़ थाना क्षेत्र के सारण नगर सी रोड निवासी रिटायर्ड अकाउंट ऑफिसर जयराम राठौड़ (65) ठगों के इस जाल में फंस गए और उनके साथ धोखाधड़ी हो गई।घटना के बाद पीड़ित ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और ठगों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार, ठगों ने जयराम राठौड़ को अपने झांसे में लेने के लिए एक सुनियोजित तरीका अपनाया। उन्होंने ऐसा माहौल बनाया कि पीड़ित को भरोसा हो गया कि सामने वाला व्यक्ति सही जानकारी दे रहा है।इसके बाद ठगों ने बातचीत के जरिए जरूरी जानकारी हासिल की और ठगी की वारदात को अंजाम दिया।

जो पानी बहकर पाकिस्तान चला जाता था, वो अब 6707 गांवों की बुझाएगा प्यास, तैयार हुई 28 किमी परिधि वाली कृत्रिम झील

जयपुर, 27 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के प्रयास से सूबे में एक नया इतिहास बना है। हाल ही, थार मरुस्थलीय क्षेत्र में जल संचय की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि सामने आई है। इंदिरा गांधी नहर परियोजना की मुख्य नहर पर स्थित आरडी-1356 पर बनी एस्केप संरचना को अब 28 किलोमीटर परिधि को बड़ी कृतिम झील के रूप में विकसित किया गया है। मानसून के दौरान पंजाब की ओर से आने वाला अतिरिक्त पानी इस विशाल कृत्रिम झील में इकट्ठा होगा। जैसलमेर जिले के घांटियाली क्षेत्र में निर्मित यह जलाशय जैलसमेर-बाड़मेर जिलों में पानी की बढ़ती मांग को पूरा करेगा। दरअसल इंदिरा गांधी मुख्य नहर की लंबी प्रणाली में शुरू से ही कई स्थानों पर एस्केप संरचनाएं बनी हुई हैं। ताकि आपात स्थिति के दौरान नहर के अतिरिक्त पानी को सुरक्षित बाहर निकाला जा सके। मानसून के समय जब सिंचाई की मांग घट जाती है, तब भारी मात्रा में पानी संग्रहण व्यवस्था के अभाव में बहकर अंतरराष्ट्रीय सीमा के पार पाकिस्तान में बेकार चला जाता है। इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए इंदिरा गांधी नहर परियोजना क्षेत्र में चार एस्केप रिजर्वायर जल जीवन मिशन के तहत सत्तासर (बीकानेर) में आरडी-507 के पास, गजनेर लिफ्ट परियोजना क्षेत्र (बीकानेर) में आरडी-750 के पास, जोधपुर जिले में आरडी-1121 के पास और जैसलमेर जिले में बुर्जी 1356 जलाशय बनाने की योजना को मंजूरी दी गई थी। भजनलाल सरकार में अब तक आरडी- 507 और बुर्जी 1356 एस्केप रिजर्वायर का काम पूरा हो चुका है।

बोलेरो ने 2 बाइक को मारी टक्कर, आरएसी के हेड कांस्टेबल समेत 3 की मौत

डूंगरपुर, 27 जुलाई (एजेंसियां)। वरदा थाना क्षेत्र में एक तेज रफ्तार बोलेरो ने 2 बाइक को टक्कर मार दी. हादसे में घायल एक बाइक पर सवार आरएसी के हेड कांस्टेबल की डूंगरपुर अस्पताल में मौत हो गई, जबकि उसके चचेरे भाई ने उदयपुर अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया. वहीं, दूसरी बाइक पर सवार एक युवक की मौत हो गई और एक अन्य युवक का डूंगरपुर अस्पताल में इलाज चल रहा है. वरदा थानाधिकारी देवेंद्र सिंह ने बताया कि वरदा निवासी दिग्विजय सिंह चौहान की ओर से रिपोर्ट दी गई है. इसमें बताया कि उसके पिता धुलसिंह (55) पुत्र कुर सिंह चौहान 13वी आरएसी बटालियन में हेड कांस्टेबल थे. वे ड्यूटी पर थे. देर रात को ड्यूटी से वापस घर लौट रहे थे. चाचा महिपाल सिंह (54) भी उनके साथ थे. दोनों बाइक से घर लौट रहे थे. रात करीब 8.30 बजे आंतरी के पास एक तेज रफ्तार बोलेरो ने पीछे से उनकी बाइक को टक्कर मार दी. दूसरी बाइक को भी मारी टक्करः जोरदार टक्कर से वे दोनों बाइक समेत नीचे गिर गए. उनके हाथ पैर ओर सिर में कई जगह चोटें आई. वहीं, ड्राइवर बोलेरो को लेकर भागने लगा, जिस पर आगे जाते ही दूसरी बाइक को फिर से टक्कर मार दी. उस बाइक पर सवार दिनेश रोत (21) निवासी तालाब फला हिराता ओर संदीप (29) पुत्र देवा उर्फ देवीलल रोत निवासी बयोडा भी गंभीर रूप से घायल हो गए.

आईआईटी और नीट में सफलता का लक्ष्य निर्धारित करें : मुख्य सचिव

महेश्वरम स्थित तेलंगाना मॉडल स्कूल का आकस्मिक दौरा, विद्यार्थियों से संवाद कर बढ़ाया उत्साह

सरकारी विद्यालयों के छात्र भी किसी भी ऊंचाई तक पहुंच सकते हैं : संजय जाजू

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्य सचिव संजय जाजू ने सोमवार को महेश्वरम स्थित तेलंगाना मॉडल स्कूल का आकस्मिक दौरा किया। विद्यालय पहुंचने पर विद्यार्थियों और शिक्षकों ने उनका पुष्पगुच्छ भेंट कर गर्मजोशी से स्वागत किया। इस अवसर पर मुख्य सचिव ने भी विद्यार्थियों और शिक्षकों को पुष्पगुच्छ तथा पौधा भेंट कर सभी को प्रसन्न कर दिया। मुख्य सचिव ने विद्यार्थियों से आत्मीय संवाद करते हुए कक्षाओं के संचालन और शिक्षण व्यवस्था की जानकारी ली।

उन्होंने पूछा कि क्या शिक्षक प्रभावी ढंग से पढ़ा रहे हैं। इस दौरान उन्होंने कहा कि तेलंगाना के माननीय मुख्यमंत्री ने भी सरकारी विद्यालय में शिक्षा प्राप्त की थी और आगे चलकर राज्य के मुख्यमंत्री बने।

उन्होंने कहा कि सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले विद्यार्थी भी जीवन में अपने हर लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को जीवन में स्पष्ट और सार्थक लक्ष्य निर्धारित करने के लिए प्रेरित किया। मुख्य सचिव ने कई विद्यार्थियों से व्यक्तिगत रूप से उनके भविष्य के सपनों और करियर की योजनाओं के बारे में पूछा तथा उनकी महत्वाकांक्षाओं की सराहना की। अपने जीवन का अनुभव साझा करते हुए उन्होंने बताया कि लगभग चालीस वर्ष पहले उनके विद्यालय में आए एक भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी से प्रेरित होकर उन्होंने भी भारतीय प्रशासनिक सेवा में जाने का संकल्प लिया था और उसी प्रेरणा ने उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाया। संजय जाजू ने विद्यार्थियों से राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध कराई जा रही फिजिक्स वाला और खान अकादमी की कक्षाओं का अधिकतम लाभ उठाने का आह्वान किया। उन्होंने विद्यार्थियों से वर्तमान शैक्षणिक वर्ष में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) और राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) में उत्कृष्ट रैंक प्राप्त करने का लक्ष्य निर्धारित कर पूरी मेहनत से तैयारी करने की अपील की।

उन्होंने शिक्षकों से भी विद्यार्थियों का निरंतर उत्साहवर्धन करने तथा उन्हें इन प्रतिष्ठित परीक्षाओं में सफलता दिलाने के लिए मार्गदर्शन देने का आग्रह किया। इसके बाद मुख्य सचिव ने विद्यालय के प्रधानाचार्य ई. गोपी से चर्चा कर विद्यालय की आवश्यकताओं और चुनौतियों की जानकारी ली।

आईसीएमआर-एनआईएन ने खाद्य विनियमन का एक नया मॉडल प्रस्तावित किया

भारत में मोटापे के संकट से निपटने के लिए पहल

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। आईसीएमआर-राष्ट्रीय पोषण संस्थान (आईसीएमआर-एनआईएन) के वैज्ञानिकों ने भारत में अति-प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों (यूपीएफ) और वसा, चीनी और नमक की उच्च मात्रा वाले खाद्य पदार्थों (एचएफएसएस) को बेहतर ढंग से विनियमित करने के लिए खाद्य प्रसंस्करण स्तरों और पोषक तत्वों की मात्रा को मिलाकर एक दोहरे अक्षीय नियामक ढांचे का प्रस्ताव दिया है।

द लैंसेट रीजनल हेल्थ-साउथईस्ट एशिया में प्रकाशित इस टिप्पणी में कहा गया है कि भारत को बढ़ते मोटापे और आहार संबंधी गैर-संक्रामक रोगों से निपटने के लिए औद्योगिक प्रसंस्करण और पोषण गुणवत्ता दोनों का आकलन करने वाले नियमों की आवश्यकता है। डॉ. सुब्बाराव एम. गवरवरपु, वैज्ञानिक जी और टीम प्रमुख ने कहा, भारत की खाद्य प्रणाली अनूठी है, और इसलिए इसका नियामक ढांचा भी अनूठा होना चाहिए।

खाद्य पदार्थों का मूल्यांकन केवल उनके प्रसंस्करण या पोषक तत्वों के आधार पर नहीं किया जा सकता। दोहरी दृष्टि वाला दृष्टिकोण खाद्य लेबलिंग, उपभोक्ता जागरूकता और भविष्य के नीतिगत निर्णयों के लिए वैज्ञानिक रूप से सुदृढ़ और सांस्कृतिक रूप से प्रासंगिक आधार प्रदान करेगा। आईसीएमआर-एनआईएन की निदेशक डॉ. भारती कुलकर्णी ने कहा, भारत कुपोषण और बढ़ते मोटापे की दोहरी मार झेल रहा है, ऐसे में साक्ष्य-आधारित खाद्य नीतियां अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। यह लेख पोषण नीति को मजबूत करने, उपभोक्ताओं की सुरक्षा करने और भारत की विविध खाद्य परंपराओं का सम्मान करते हुए स्वस्थ खाद्य वातावरण को बढ़ावा देने के लिए एक व्यावहारिक मार्ग प्रदान करता है।

शोधकर्ताओं ने पाया कि भारत में अति-प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों की कोई औपचारिक परिभाषा नहीं है, जिससे पैकेट के सामने पोषण संबंधी लेबलिंग और विपणन प्रतिबंधों का प्रभावी कार्यान्वयन सीमित हो जाता है। प्रस्तावित ढांचा, जो भारतीयों के लिए आहार दिशानिर्देश 2024 पर आधारित है, का उद्देश्य खाद्य लेबलिंग को मजबूत करना, भ्रामक स्वास्थ्य दावों पर अंकुश लगाना और साक्ष्य-आधारित पोषण नीतियों का समर्थन करना है, साथ ही भारत की विविध खाद्य परंपराओं को भी प्रतिबिंबित करना है।

डच महिला ने बॉयफ्रेंड के रूममेट के खिलाफ यौन उत्पीड़न की शिकायत दर्ज कराई

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। नीदरलैंड की एक महिला ने गच्चीबावली पुलिस में यौन उत्पीड़न की शिकायत दर्ज कराई है। महिला का आरोप है कि इस साल की शुरूआत में शहर में रहने के दौरान उसके बॉयफ्रेंड के रूममेट ने उसे बार-बार परेशान किया।

शिकायत के अनुसार, महिला मार्च में अपने बॉयफ्रेंड से मिलने हैदराबाद आई थी, जो कोंडापुर में रहता है। उसने आरोप लगाया कि संदिग्ध ने बार-बार उसका पीछा किया, उसे गलत नजर से देखा, बिना सहमति के उसे छूने की कोशिश की और अपार्टमेंट के अंदर आपत्तिजनक व्यवहार किया, जिससे वह सदमे में आ गई। शिकायतकर्ता इस महीने की शुरूआत में पुलिस के पास पहुंची, जिसके बाद भारतीय न्याय संहिता की धारा 75 के तहत मामला दर्ज किया गया, जो यौन उत्पीड़न से संबंधित है। गच्चीबावली पुलिस ने कहा कि महिला की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया गया है।

आरोप है कि संदिग्ध ने शिकायतकर्ता को मौखिक रूप से परेशान किया और उसे गलत नज़र से देखा। उसकी पहचान उजागर नहीं की गई है क्योंकि जांचकर्ता उसका पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि वह फिलहाल फरार है और उसका मोबाइल फोन बंद है। उसे खोजने और पकड़ने की कोशिशें जारी हैं, जबकि आरोपों की जांच चल रही है।

तिरुपति में 155 योग शिक्षकों को प्रशिक्षण

तिरुपति, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। गुरु पूर्णिमा पर, विद्योदय स्कूल परिसर में पतंजलि योग समिति और भारत स्वाभिमान जिला ट्रस्ट के तत्वावधान में गुरु पूजा का आयोजन किया गया।

मुख्य अतिथि के तौर पर सभा को संबोधित करते हुए, आरएसएस कुटुंब प्रबोधन के राज्य अध्यक्ष प्रभाकर राजू ने कहा कि भारत ने अपने पारिवारिक मूल्यों और सामाजिक व्यवस्था को संरक्षित और मजबूत करके दुनिया के लिए एक रोल मॉडल का काम किया है।

पतंजलि योगपीठ, हरिद्वार के केंद्रीय समन्वयक स्वामी ऋतदेव ने कहा कि तिरुपति जिला योग के प्रचार-प्रसार में उल्लेखनीय प्रगति कर रहा है। उन्होंने 155 योग शिक्षकों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

उन्होंने पतंजलि स्वयंसेवकों द्वारा डायबिटीज-मुक्त तिरुपति मिशन शुरू करने की भी घोषणा की। प्री-डायबिटीज और डायबिटीज से पीड़ित लोगों को एक विशेष योग शिविर के लिए पंजीकरण कराने के लिए आमंत्रित किया गया है, जिसे इस बीमारी को नियंत्रित करने और इसकी रोकथाम में मदद के लिए डिजाइन किया गया है। कार्यक्रम में भाग लेने वालों में पतंजलि योग के राज्य अध्यक्ष कैलाश राज पुरोहित, जिला अध्यक्ष हरि, महिला विंग की अध्यक्ष राधिका, उपाध्यक्ष उमा, भारत स्वाभिमान के राज्य उपाध्यक्ष बांडला सोमेश्वर और कई अन्य गणमान्य व्यक्ति शामिल थे।

गुरु पूर्णिमा महोत्सव पर भजन जागरण आज

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। माली समाज सेवा संस्थान, तत्वावधान में गुरु पूर्णिमा महोत्सव के उपलक्ष्य में मंगलवार, 28 जुलाई को श्रृंग ऋषि भवन, दालमंडी, फीलखाना में विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

संस्थान के अध्यक्ष भंवरलाल माली ने बताया कि कार्यक्रम के अंतर्गत सायं 4:30 बजे से 6 बजे तक विद्यार्थियों के लिए प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। इसमें प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया जाएगा।

रात्रि 8:31 बजे से 'एक शाम संत श्री लिखमीदासजी महाराज के नाम' भजन जागरण का आयोजन होगा। राजस्थान के भजन गायक सुनील माली एवं पार्टी अपने भजनों की प्रस्तुति देंगे। श्री माली एवं समस्त पदाधिकारियों ने समाजबंधुओं और धर्मप्रेमी सज्जनों से कार्यक्रम में सपरिवार उपस्थित होकर संत श्री लिखमीदास महाराज का आशीर्वाद प्राप्त करने तथा आयोजन को सफल बनाने की अपील की है।

सीआरपीएफ और सीआईएसएफ का ताइक्वांडो में दबदबा कायम रहा

ऑल इंडिया पुलिस जूडो चैंपियनशिप में पदक की दौड़ तेज

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। 11वीं अखिल भारतीय पुलिस जूडो क्लस्टर चैंपियनशिप 2026 में ताइक्वांडो प्रतियोगिताएं पांचवें दिन एक रोमांचक चरण में प्रवेश कर गईं, जिसमें केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और मेजबान केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) क्रमशः महिला और पुरुष वर्गों में शीर्ष प्रदर्शन करने वाले के रूप में उभरे। भारतीय पुलिस खेल नियंत्रण बोर्ड (एआईपीएससीबी) के तत्वावधान में सीआईएसएफ द्वारा आयोजित यह चैंपियनशिप हैदराबाद में हो रही है और इसमें क्योरुगी (स्पैरिंग) और पूमसे (फॉर्म) दोनों स्पर्धाओं में कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली है। महिला वर्ग में सीआरपीएफ ने चार स्वर्ण और दो रजत पदक जीतकर शीर्ष स्थान हासिल किया, जबकि असम राइफल्स ने दो स्वर्ण, तीन रजत और दो कांस्य पदक जीते। मेजबान सीआईएसएफ ने दो स्वर्ण और एक कांस्य पदक जीतकर तीसरा स्थान प्राप्त किया। पुरुषों के वर्ग में, सीआईएसएफ ने तीन स्वर्ण, दो रजत और दो कांस्य पदक जीतकर शीर्ष स्थान हासिल किया, जबकि सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने तीन स्वर्ण, एक रजत और तीन कांस्य पदक जीतकर मामूली अंतर से बढ़त बनाई। अरुणाचल प्रदेश पुलिस ने भी तीन स्वर्ण पदक जीतकर शानदार प्रदर्शन किया और खिताब की दौड़ को रोमांचक बनाए रखा। अब तक घोषित पदक 26 जुलाई तक संपन्न हुए स्पर्धाओं को कवर करते हैं, जबकि शेष ताइक्वांडो मुकाबले सोमवार को आयोजित किए जाएंगे। सभी श्रेणियों के समापन के बाद अंतिम रैंकिंग की पुष्टि की जाएगी। अनिल दामोर, डीआईजी (प्रशिक्षण), एनआईएसए, मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शामिल हुए और ताइक्वांडो प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पदक प्रदान किए। सोमवार को ताइक्वांडो प्रतियोगिता के समापन के साथ ही, चैंपियनशिप का ध्यान अब पेंचक सिलाट और कराटे पर केंद्रित होगा। यह बहु-विषयक पुलिस खेल प्रतियोगिता हैदराबाद में 30 जुलाई तक जारी रहेगी।

केटीआर ने बुनकर के बेटे की शिक्षा के लिए धन मुहैया कराने का बीड़ा उठाया

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव (केटीआर) ने सिरसिला के एक बुनकर परिवार के प्रतिभाशाली छात्र गदादास अभिनव की उच्च शिक्षा के लिए पूर्ण वित्तीय सहायता देने का वादा किया है, जिसने प्रतिष्ठित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), वाराणसी में प्रवेश प्राप्त किया है। हैदराबाद स्थित अपने आवास पर हुई एक बैठक के दौरान, केटीआर ने अभिनव को एक पारंपरिक शॉल भेंट करके सम्मानित किया और उनकी पढ़ाई में सहायता के लिए उन्हें एक उच्च प्रदर्शन वाला लैपटॉप भी भेंट किया। हथकरघा क्षेत्र में काम करने वाले अभिनव के माता-पिता, लक्ष्मीनारायण और श्रीलता द्वारा सामना की जाने वाली वित्तीय चुनौतियों को पहचानते हुए, केटीआर ने अपनी 'गिफ्ट ए स्माइल' पहल के तहत अभिनव की पूरी कॉलेज ट्यूशन और शैक्षिक खर्चों को वहन करने का वादा किया। युवा विद्वान को प्रोत्साहित करते हुए, केटी रामाराव ने अभिनव से अपनी शैक्षणिक प्रतिबद्धता बनाए रखने, अपने परिवार और गृहनगर का नाम रोशन करने और अपने भविष्य के करियर में उच्च लक्ष्य रखने का आग्रह किया। अभिनव और उनके माता-पिता ने प्रतिष्ठित संस्थान में उनकी पढ़ाई में वित्तीय बाधाओं को दूर करने के लिए आगे आने वाले केटीआर के प्रति गहरी कृतज्ञता व्यक्त की।

बीआरएस ने एचवाईडीआरएए को रद्द करने की मांग की

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस ने सोमवार को एचवाईडीआरएए आयुक्त ए.वी. रंगनाथ के खिलाफ उच्च न्यायालय के निर्देशों को मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी पर सीधा प्रहार बताते हुए एजेंसी को तत्काल भंग करने की मांग की। तेलंगाना भवन में मीडिया से बात करते हुए, बीआरएस के महासचिव आरएस प्रवीण कुमार ने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी के सत्ता में आने के तुरंत बाद सरकारी आदेश 99 के माध्यम से स्थापित हैदराबाद आपदा प्रतिक्रिया और संपत्ति संरक्षण एजेंसी (हाइड्रा) का व्यवस्थित रूप से कमजोर नागरिकों को निशाना बनाने के लिए इस्तेमाल किया गया है, बजाय इसके कि समान नगर नियोजन कानूनों को लागू किया जाए। प्रवीण कुमार ने कहा कि एजेंसी प्रमुख के खिलाफ अवमानना के 63 मामले कानूनहीनता, अवैध अतिक्रमण और वंचित नागरिकों को चुनिंदा रूप से निशाना बनाने के एक पैटर्न को दर्शाते हैं। प्रवीण कुमार ने कहा, किसी अधिकारी को बदलने से दोषपूर्ण नीति ठीक नहीं हो जाएगी। उन्होंने तर्क दिया कि संरचनात्मक सुधार के लिए सरकार की रणनीति में पूर्ण परिवर्तन आवश्यक है। उन्होंने नौकरशाहों को कानून का सख्ती से पालन करने की चेतावनी दी और बीआरएस पार्टी के सत्ता में लौटने पर जीओ 99 को रद्द करने और सभी एजेंसियों की कार्रवाइयों की गहन जांच करने के पार्टी के वादे को दोहराया।

तीन युवक डूबे, एक लापता

निजामाबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार शाम निज़ामाबाद ज़िले के मुपकल में श्रीराम सागर प्रोजेक्ट (एसआरएसपी) के बैकवाटर में तैरने गए तीन युवक डूब गए और एक लापता हो गया। मृतकों की पहचान अब्बू, खलीम और अम्मू के रूप में हुई है, जो सभी निजामाबाद शहर के ऑटो नगर के रहने वाले थे। अधिकारियों के अनुसार, इस रिपोर्ट को लिखे जाने तक बोकारो, महाराष्ट्र का रहने वाला रेहान लापता था।

ऑटो नगर के छह युवक पिकनिक मनाने एसआरएसपी गए थे। उनमें से पांच युवक तैरने के लिए प्रोजेक्ट के बैकवाटर में उतरे, तभी वे अचानक पानी में संघर्ष करने लगे और मदद के लिए चिल्लाने लगे। उनकी चीख-पुकार सुनकर स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और उनमें से एक युवक को बचाने में कामयाब रहे।

तुरंत पुलिस को सूचना दी गई और बचाव अभियान के लिए माहिर तैराकों को तैनात किया गया। रुक-रुक कर हो रही बारिश के बावजूद, टीमों ने तीनों पीड़ितों के शव बरामद कर लिए, जबकि लापता युवक की तलाश देर शाम तक जारी रही।

भारत को कॉमनवेल्थ गेम्स में पांचवां मेडल

ज्ञानेश्वरी ने 199केजी वजन उठाकर सिल्वर जीता, वेटलिफ्टिंग में चौथा मेडल मिला

ग्लासगो, 27 जुलाई (एजेंसियां)। भारत ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में पांचवां मेडल जीत लिया है। ज्ञानेश्वरी यादव ने महिला 53केजी वेटलिफ्टिंग इवेंट में कुल 199 किलोग्राम (88केजी स्नैच + 111केजी क्लीन एंड जर्क) वजन उठाकर सिल्वर मेडल अपने नाम किया। इसके साथ ही वेटलिफ्टिंग में भारत का यह चौथा और कुल मिलाकर पांचवां मेडल हो गया।

नाइजीरिया की ओनोमे ओमोलोला डिडिह ने 206 किलोग्राम (93+113) वजन उठाकर गेम्स और कॉमनवेल्थ रिकॉर्ड के साथ गोल्ड जीता।

23 साल की ज्ञानेश्वरी ने स्नैच में 88केजी उठाकर नया गेम्स रिकॉर्ड बनाया। क्लीन एंड जर्क में उन्होंने पहले 103, फिर 107 और आखिरी प्रयास में 111केजी उठाया। कुल 199केजी के साथ उन्होंने सिल्वर पक्का किया। हालांकि, डिडिह ने 113केजी उठाकर 206केजी के कुल वजन के साथ गोल्ड अपने नाम कर लिया। भारत अब मेडल टैली में आठवें स्थान पर पहुंच गया है। ऑस्ट्रेलिया 17 गोल्ड सहित 39 मेडल के साथ पहले स्थान पर है।

चानू ने गोल्ड जीता :

इससे पहले रविवार को मीराबाई चानू ने महिला 48केजी वर्ग में 190 किलोग्राम (85+105) वजन उठाकर भारत को गेम्स का पहला गोल्ड दिलाया था। वहीं ऋषिकांत सिंह (60 किग्रा) और राजा मुथुपांडी (65 किग्रा) सिल्वर जीत चुके हैं। झंडू कुमार ने पैरा पावरलिफ्टिंग में ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया था।

ज्ञानेश्वरी के पिता बॉडीबिल्डर, आर्थिक तंगी में छोड़ना पड़ा खेल :

छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव की रहने वाली ज्ञानेश्वरी यादव ने कम उम्र में ही वेटलिफ्टिंग की शुरुआत कर दी थी। उनके पिता बॉडीबिल्डर थे, लेकिन आर्थिक तंगी के कारण उन्हें अपना खेल छोड़कर इलेक्ट्रीशियन का काम करना पड़ा। पिता के साथ ट्रेनिंग करते हुए ज्ञानेश्वरी ने जूनियर स्तर पर लगातार शानदार प्रदर्शन किया और नेशनल टीम में जगह बनाई। 2026 एशियन वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में उन्होंने स्नैच में सिल्वर और कुल प्रदर्शन में ब्रॉन्ज मेडल जीता।

भाजपा ने हाइड्रा पर उच्च न्यायालय की फटकार की सराहना की

एजेंसी को भंग करने की अपनी मांग दोहराई

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा ने सोमवार को तेलंगाना उच्च न्यायालय के मुख्य सचिव को हाइड्रा आयुक्त को हटाने के निर्देश का स्वागत किया और कहा कि न्यायालय की टिप्पणियों से एजेंसी के प्रति पार्टी की लंबे समय से चली आ रही आलोचना की पुष्टि होती है। पार्टी ने रेवंत रेड्डी सरकार से हाइड्रा को भंग करने की अपनी मांग दोहराई। भाजपा के प्रदेश मुख्य प्रवक्ता और मीडिया प्रभारी एनवी सुभाष ने कहा कि अदालत का हस्तक्षेप उन नागरिकों की शिकायतों के बाद हुआ, जिनके खिलाफ एजेंसी द्वारा मनमानी कार्रवाई की जा रही थी। उन्होंने दावा किया कि उच्च न्यायालय की टिप्पणियों ने भाजपा और हाइड्रा के कामकाज के पीड़ितों द्वारा बार-बार उठाई गई चिंताओं को सही ठहराया है। सुभाष ने आरोप लगाया कि हाइड्रा चयनात्मक कार्रवाई का एक साधन बन गया है, और उस पर मनमानी तोड़फोड़ और लक्षित अतिक्रमण करने का आरोप लगाया, जबकि प्रभावशाली अतिक्रमणकारी कथित तौर पर कार्रवाई से बच निकले। उन्होंने स्पष्ट किया कि भाजपा झीलों, जल निकायों और सार्वजनिक भूमि के संरक्षण का समर्थन करती है, लेकिन पर्यावरण संरक्षण के नाम पर सत्ता के दुरूपयोग का विरोध करती है। भाजपा नेता ने वरिष्ठ नौकरशाहों के बार-बार तबादलों को लेकर राज्य सरकार की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि ऐसे कदम शासन और प्रशासनिक निष्पक्षता को कमजोर करते हैं। पार्टी के रुख को दोहराते हुए सुभाष ने कहा कि सरकार को न केवल हाइड्रा के कमिश्नर ए.वी. रंगनाथ को बदलना चाहिए, बल्कि इस बात की भी समीक्षा करनी चाहिए कि क्या एजेंसी अपने वर्तमान स्वरूप में जनता का विश्वास और विश्वसनीयता खो चुकी है। उन्होंने कहा, कानून हर नागरिक पर समान रूप से लागू होना चाहिए, चाहे वह धनवान हो, प्रभावशाली हो या किसी राजनीतिक दल से जुड़ा हो।

13 जिलों में तीन दिनों के लिए भारी बारिश का अलर्ट

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में कई हफ़्तों के सूखे मौसम और बारिश की कमी के बाद, भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी), हैदराबाद ने मंगलवार से शुरू होने वाले अगले तीन दिनों के लिए कई ज़िलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है।

आदिलाबाद, कुमुराम भीम आसिफाबाद, मंचरियल, निर्मल, जगतियाल, राजन्ना सिरसिल्ला, पेद्दापल्ली, जयशंकर भूपालपल्ली, मुलुगु, भद्राद्री कोत्तागुडेम, खम्मम, महबूबाबाद और वारंगल सहित 13 प्रमुख ज़िलों के लिए 64.5 मिमी से 115.5 मिमी तक बारिश की चेतावनी जारी की गई है।

इसके अलावा, राज्य के सभी जिलों के कुछ हिस्सों में 30 से 40 किमी/घंटा की गति से तेज जमीनी हवाएं चलने की उम्मीद है। आने वाले दिनों में बारिश का दौर जारी रहने का अनुमान है, जिसमें तेलंगाना के कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश होती रहेगी।

जुलाई के अंत तक आदिलाबाद, कुमुराम भीम आसिफाबाद, मंचरियल, जयशंकर भूपालपल्ली, मुलुगु, भद्राद्री कोत्तागुडेम, निर्मल और निजामाबाद जैसे जिलों के कुछ इलाकों में भारी बारिश का अलर्ट जारी रहेगा। महीने के अंत तक पूरे राज्य में तेज हवाएं भी एक खतरा बनी रहेंगी। भारी बारिश और तेज हवाओं को देखते हुए, मौसम अधिकारियों ने मौसम बुलेटिन में आम जनता को भारी बारिश और तेज हवाओं के दौरान सावधान रहने की चेतावनी दी है।

आईटी कॉरिडोर में यातायात व्यवस्था का संयुक्त पुलिस आयुक्त ने किया निरीक्षण

सड़क एवं यातायात सुधार कार्यों की समीक्षा

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद यातायात के संयुक्त पुलिस आयुक्त सुनप्रीत सिंह ने सोमवार को आईटी कॉरिडोर में आईकेईए जंक्शन से साइबर टावर्स तथा शिल्पारमम तक व्यापक क्षेत्रीय निरीक्षण कर सड़क अवसंरचना एवं यातायात सुधार से संबंधित चल रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विभिन्न स्थानों पर चल रहे सिविल कार्यों का जायजा लिया तथा शिल्पारमम के सामने प्रस्तावित यू-टर्न की व्यवहार्यता का भी परीक्षण किया। इस प्रस्ताव का उद्देश्य यातायात का सुचारु प्रवाह सुनिश्चित करना, जाम की समस्या कम करना तथा क्षेत्र में समग्र यातायात प्रबंधन को और अधिक प्रभावी बनाना है। संयुक्त पुलिस आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि लंबित कार्यों को शीघ्र पूरा किया जाए तथा प्रस्तावित यातायात अभियांत्रिकी उपायों को समयबद्ध तरीके से लागू किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि निर्माण कार्यों के दौरान ऐसे सभी आवश्यक प्रबंध किए जाएं, जिससे वाहनों का आवागमन सुगम, सुरक्षित और बाधारहित बना रहे तथा आम यात्रियों को न्यूनतम असुविधा हो। उन्होंने कहा कि साइबराबाद यातायात पुलिस आईटी कॉरिडोर में यातायात की स्थिति पर लगातार निगरानी रख रही है और सड़क सुरक्षा को सुदृढ़ बनाने, यातायात की सुगमता बढ़ाने तथा यात्रियों को निर्बाध यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए प्रभावी यातायात अभियांत्रिकी उपायों को चरणबद्ध ढंग से लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है।

ट्रैफिक पुलिस ने सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए दो सौ हेलमेट वितरित किए

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस ने तारक ट्रस्ट के सहयोग से सोमवार को एनटीआर जंक्शन पर 'अराइव अलाइव' सड़क सुरक्षा अभियान के तहत दोपहिया वाहन चालकों को आईएसआई प्रमाणित 200 हेलमेट वितरित किए। इस कार्यक्रम का नेतृत्व एसीपी (ट्रैफिक) जुबली हिल्स के हरि प्रसाद और बंजारा हिल्स ट्रैफिक एसएचओ के सुनील ने किया, जिन्होंने यात्रियों को घातक सिर की चोटों को कम करने के लिए हेलमेट पहनने के महत्व के बारे में भी शिक्षित किया। कार्यक्रम के दौरान, अधिकारियों ने यात्रियों से बातचीत की और घातक सिर की चोटों से बचने के लिए हेलमेट पहनने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने वाहन चालकों से गलत दिशा में गाड़ी चलाने, गाड़ी चलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल करने, नाबालिगों को वाहन में बैठने देने और अन्य यातायात नियमों का उल्लंघन करने से बचने का आग्रह किया।

ड्रग्स के संदिग्ध आरोपी ने पुलिस टीम पर कार चढ़ाई, तीन घायल

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को अबिड्स के तिलक रोड पर ड्रग्स विरोधी ऑपरेशन के दौरान भागने की कोशिश करते हुए एक संदिग्ध आरोपी ने पुलिसकर्मियों पर कार चढ़ा दी, जिससे तीन पुलिस अधिकारी घायल हो गए।

मिली जानकारी के अनुसार, हुसैनि आलम के रहने वाले संदिग्ध सैफ ने भागने की कोशिश में पुलिस टीम पर अपनी गाड़ी चढ़ा दी। इस घटना में कॉन्स्टेबल महेंद्र यादव का पैर टूट गया, जबकि अफज़लगंज के इंस्पेक्टर श्रीकांत और कॉन्स्टेबल वामसीधर को मामूली चोटें आईं।

हमले के बावजूद, पुलिस ने पीछा किया और संदिग्ध को अफजलगंज से पकड़ लिया। उसे हिरासत में ले लिया गया है और अबिडस रोड तथा अफजलगंज पुलिस स्टेशनों में उस पर हत्या की कोशिश का मामला दर्ज किया गया है। यह घटना ड्रग्स से जुड़ी संदिग्ध गतिविधियों के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन के दौरान हुई। पुलिस ने कहा कि ड्रग्स से जुड़े अपराधों में संदिग्ध की भूमिका और घटना के कारणों का पता लगाने के लिए आगे की जांच की जा रही है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

वैभव सूर्यवंशी प्लेयर ऑफ द सीरीज जीतने वाले यंगेस्ट प्लेयर

सचिन तेंदुलकर का भी रिकॉर्ड टूटा, इस साल टी-20 में 86 छक्के लगाए

हरारे, 27 जुलाई (एजेंसियां)। भारत ने तीसरे टी-20 मैच में जिम्बाब्वे को 35 रन से हराकर सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप किया। सबसे ज्यादा 151 रन बनाने वाले वैभव सूर्यवंशी को प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया। वे इंटरनेशनल क्रिकेट में यह अवॉर्ड जीतने वाले दुनिया के यंगेस्ट खिलाड़ी बन गए।

हरारे में सूर्यवंशी ने 49 गेंद पर 81 रन बनाए। वे प्लेयर ऑफ द मैच भी बने। सूर्यवंशी सबसे कम उम्र में ऐसा करने वाले भारतीय खिलाड़ी बन गए। उन्होंने सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ा। सूर्यवंशी इस साल टी-20 में भारत के लिए सबसे ज्यादा 86 छक्के लगा चुके हैं।

सूर्यवंशी सबसे कम उम्र में प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवॉर्ड जीतने वाले खिलाड़ी बन गए। उन्होंने 15 साल 121 दिन की उम्र में यह रिकॉर्ड अपने नाम किया। सूर्यवंशी ने अफगानिस्तान के मुजीब उर रहमान का रिकॉर्ड तोड़ा। मुजीब 16 साल 328 दिन की उम्र में प्लेयर ऑफ द सीरीज बने थे। सूर्यवंशी 15 साल 121 दिन की उम्र में प्लेयर ऑफ द मैच बने। वे इंटरनेशनल में यह अवॉर्ड जीतने वाले यंगेस्ट भारतीय बन गए। उन्होंने सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ा। सचिन ने 17 साल 112 दिन की उम्र में इंग्लैंड के खिलाफ यह उपलब्धि हासिल की थी।

सूर्यवंशी ऐसा करने वाले दुनिया के दूसरे खिलाड़ी भी बने। सिएरा लिओन के एलुसिन तुरे इंटरनेशनल में प्लेयर ऑफ द मैच जीतने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी हैं। उन्होंने 15 साल 74 दिन की उम्र में यह कारनामा किया था। सूर्यवंशी ने 16 साल की उम्र से पहले इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा 50+ स्कोर बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम किया। उन्होंने 15 साल 121 दिन की उम्र में दूसरी फिफ्टी लगाई। उनके अलावा नेपाल के कुशल मल्ला ने 16 साल की उम्र से पहले एक बार 50+ स्कोर बनाया था। सूर्यवंशी एक साल में सबसे ज्यादा टी-20 छक्के लगाने वाले भारतीयों की लिस्ट में शामिल हो गए हैं। वे इस साल सभी टी-20 मैच मिलाकर 86 छक्के लगाकर लिस्ट में तीसरे स्थान पर हैं। इस

मामले में अभिषेक शर्मा पहले स्थान हैं। उन्होंने 2025 में 108 छक्के लगाए थे। टी-20 में कम से कम 100 छक्के लगाने वाले खिलाड़ियों में सूर्यवंशी का प्रति बॉल सिक्स औसत सबसे बेहतर है। वे औसतन हर 5.21 बॉल पर छक्का लगाते हैं। बाकि खिलाड़ियों का रेशियों 7 से ऊपर है। अभिषेक शर्मा ने इस सीरीज में सिर्फ 11 रन बनाए। वे तीन मैचों की टी-20 सीरीज में सबसे कम रन बनाने वाले भारतीय ओपनर बन गए हैं। उन्होंने शिखर धवन का अनचाहा रिकॉर्ड तोड़ा। धवन ने 2018 में इंग्लैंड के खिलाफ 3 मैचों की सीरीज में 19 रन बनाए थे। मयंक यादव टी-20 में पारी की पहली गेंद पर सबसे ज्यादा बार विकेट लेने वाले भारतीयों में पहले स्थान पर पहुंच गए हैं। उन्होंने भुवनेश्वर कुमार के रिकॉर्ड की बराबरी की। दोनों टी-20 में 3-3 बार यह कारनामा कर चुके हैं। सिकंदर रजा टी-20 इंटरनेशनल में बतौर कप्तान सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट होने वाले खिलाड़ियों में शामिल हो गए हैं। वे बतौर कप्तान 7वीं बार शून्य पर आउट हुए। ऑस्ट्रेलिया के एरॉन फिंच 8 बार के साथ पहले स्थान पर हैं।

चोट, पीलिया और सर्जरी भी नहीं हरा सके

8 साल बाद लौटकर राजा मुतुपंडि ने जीता सिल्वर मेडल

ग्लासगो, 27 जुलाई (एजेंसियां)। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 का चौथा दिन भारत के लिए अच्छी खबरें लेकर आया, जहां देश की झोली में 3 मेडल आए. इसमें सबसे बड़ी सफलता देश की सफलतम वेटलिफ्टर मीराबाई चानू के दम पर आईं, जिन्होंने गोल्ड मेडल जीतकर इतिहास रचा. ये ग्लासगो गेम्स में भारत का पहला गोल्ड है. मगर इनके अलावा 2 सिल्वर मेडल भी वेटलिफ्टिंग से आए और इनमें दूसरा मेडल बेहद खास है, जो राजा मुतुपंडि ने जीता. पूरे 8 साल बाद कॉमनवेल्थ गेम्स में लौटने वाले राजा ने 286 किलोग्राम वजन उठाकर सिल्वर मेडल अपने नाम किया.

ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के चौथे दिन भारतीय वेटलिफ्टरों का जलवा रहा. इसकी शुरुआत ऋषिकांता सिंह ने की, जिन्होंने पुरुषों के 60 किलोग्राम भारवर्ग में सिल्वर मेडल जीता. फिर ओलंपिक मेडलिस्ट मीराबाई चानू ने कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड मेडल की हैट्रिक लगाकर इतिहास रचा. दिन के आखिरी वेटलिफ्टिंग इवेंट में राजा मुतुपंडि ने भारत के लिए दावेदारी पेश की और 26 साल का ये वेटलिफ्टर खाली हाथ नहीं लौटा.

पुरुषों के 65 किलो भारवर्ग में उतरे राजा के लिए चुनौती आसान नहीं थी. यहां तक कि दोनों ही राउंड में उनकी शुरुआत खराब रही. स्नैच में अपने पहले प्रयास में चूकने के बाद दूसरे प्रयास में राजा ने 126 किलोग्राम वजन उठाया, जो इस राउंड में उनका बेस्ट रहा और वो दूसरे स्थान पर रहे. इसके बाद कलीन एंड जर्क में 158 किलो उठाने की उनकी पहली कोशिश फेल रही. मगर दूसरी कोशिश में सबको चौंकाते हुए राजा ने वजन बढ़ाकर 160 किलो कर लिया. बढ़े हुए वजन के बावजूद उन्होंने इसे आसानी से उठाया. तीसरी कोशिश में राजा 170 किलो उठाना चाहते थे, लेकिन सफल नहीं हुए. इस तरह 126 और 160 किलो यानि कुल 286 किलोग्राम उठाकर राजा ने सिल्वर मेडल पर अपना नाम लिखवाया.

इस इवेंट में राजा के सामने चुनौती पहले से ही मुश्किल थी क्योंकि इसी वर्ग में मलेशिया के अजनिल मुहम्मद भी थे, जिन्होंने पिछले दोनों CWG में इस इवेंट का गोल्ड जीता था. यही इस बार भी हुआ और मीराबाई की तरह मलेशियाई वेटलिफ्टर ने भी यहां गोल्ड मेडल जीतकर अपनी हैट्रिक पूरी की. अजनिल ने कुल 299 किलोग्राम के कॉमनवेल्थ गेम्स रिकॉर्ड के साथ गोल्ड जीता. वहीं पापुआ-न्यू गिनी के नाम ब्रॉन्ज मेडल रहा.

तमिलनाडु के कोविलपट्टी से आने वाले राजा मुतुपंडि की ये सफलता बहुत खास और भावुक है. ऐसा इसलिए क्योंकि ये दूसरी बार था, जब उन्होंने कॉमनवेल्थ गेम्स में दावेदारी पेश की. पिछली बार वो 2018 में गेम्स का हिस्सा बने थे, लेकिन तब 18 साल के राजा छठे स्थान पर रहे थे. इसके बाद जब उन्हें अपने गेम को मजबूत करके दोबारा मेडल के लिए दावेदारी पेश करनी थी, उनका बुरा दौर शुरू हो गया. 2019 में उन्हें कोहनी में चोट लगी, जिसकी सर्जरी करनी पड़ी. मगर इसके तुरंत बाद कोरोनावायरस महामारी फैल गई और उनकी रिहैबिलिटेशन प्रोसेस में रुकावट आने लगी.

द ब्रिज की रिपोर्ट के मुताबिक, किसी तरह ठीक होकर उन्होंने 2021 में वापसी की और अपनी लय हासिल करते हुए 2022 के गेम्स के लिए खुद को तैयार कर रहे थे. मगर इसी बीच राजा को पीलिया हो गया और उससे उबरने के बाद उन्हें अपेंडिसाइटिस की सर्जरी भी करानी पड़ी. इन नई परेशानियों के चलते वो 10 महीने तक दूर रहे. मगर धीरे-धीरे उन्होंने वापसी की और खुद को मजबूत किया. इसी साल नेशनल चैंपियनशिप में 302 किलोग्राम वजन उठाकर उन्होंने नेशनल रिकॉर्ड बनाया था.

टीम इंडिया से कोच की 'विदाई' पर भावुक हुए श्रेयस अय्यर!

जिम्बाब्वे में 3-0 से जीत के बाद कही दिल की बात

हरारे, 27 जुलाई (एजेंसियां)। भारत ने तीन मैचों की टी20आई सीरीज में जिम्बाब्वे को हराया. इंग्लैंड और आयरलैंड के खिलाफ हार के बाद आखिर टीम इंडिया को जिम्बाब्वे में जीत मिली. गौतम गंभीर इंग्लैंड दौरे के बाद ब्रेक पर थे और उनकी गैरमौजूदगी में वीवीएस लक्ष्मण ने टीम इंडिया के कार्यवाहक हेड कोच का पद निभाया. अब वीवीएस लक्ष्मण के बाद गौतम गंभीर फिर से मुख्य कोच की जिम्मेदारी संभालेंगे. लक्ष्मण की कोच पद से विदाई पर श्रेयस अय्यर का भावुक मैसेज सामने आया. उन्होंने लक्ष्मण के लिए दिल की बात कही.

बीसीसीआई ने जिम्बाब्वे के खिलाफ 3-0 से जीत के बाद ड्रेसिंग रूम की एक वीडियो पोस्ट की. यहां श्रेयस अय्यर ने वीवीएस लक्ष्मण को अपने योगदान के लिए धन्यवाद बोला. उन्होंने कहा, 'वीवीएस लक्ष्मण सर को भी धन्यवाद, जिन्होंने हमें हर दिन प्रेरित किया और मैदान पर कदम रखते ही हमारा हौसला बढ़ाया. मुझे लगता है कि आपने जो कुछ भी कहा, वह एकदम सही था और हम सभी उस बात से सहमत हैं. इसी वजह से आपको बहुत-बहुत धन्यवाद और सभी लोगों को मेरी ओर से शुक्रिया.'

टीम इंडिया के कार्यवाहक कोच वीवीएस लक्ष्मण ने श्रेयस अय्यर की तारीफ करते हुए कहा, 'हम सभी ने सीरीज जीतने का लक्ष्य रखा था. मैं श्रेयस अय्यर को जीत की बधाई देना चाहता हूं, क्योंकि उनके कप्तान के रूप में कार्यकाल की शुरुआत मुश्किलों भरी थी लेकिन उन्होंने जिस तरह से वापसी की, वह शानदार था. श्रेयस आप सभी लोगों के साथ खेलने के लिए बहुत उत्साहित थे. हमें पता था कि इंग्लैंड दौरे से सिर्फ 4-5 खिलाड़ी ही यहां होंगे लेकिन हमें काफी आत्मविश्वास था. मुझे लगता है कि इस जीत का सबसे अधिक क्रेडिट कप्तान को जाना चाहिए. उन्होंने सभी खिलाड़ियों का लगातार उत्साह बढ़ाया.'

कुछ दिनों पहले रिपोर्ट्स सामने आई थी कि वीवीएस लक्ष्मण एशियन गेम्स में टीम इंडिया के कोच रहेंगे और गौतम गंभीर को यहां भी आराम दिया जाएगा. हालांकि, अभी तक बीसीसीआई ने कोई भी आधिकारिक ऐलान नहीं किया है.

बॉक्सर सचिन सिवाच क्वार्टरफाइनल में पहुंचे

श्रीशंकर लॉन्ग जंप और साजन स्विमिंग के फाइनल में

ग्लासगो, 27 जुलाई (एजेंसियां)। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में सोमवार को सचिन सिवाच ने बॉक्सिंग के क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई। अब वे मेडल जीतने से सिर्फ एक जीत दूर हैं। वहीं लॉन्ग जंप में श्रीशंकर और स्विमिंग में साजन प्रकाश फाइनल में मेडल के लिए उतरेंगे। हाई जंप फाइनल में तेजस्विन शंकर, सर्वेश कुशारे और जे. आदर्श राम चुनौती पेश करेंगे। वेटलिफ्टिंग में ज्ञानेश्वरी यादव, बिंद्यारानी देवी और वी. अजया बाबू से भारत को तीन मेडल की उम्मीद है। इसके अलावा भारतीय खिलाड़ी बॉक्सिंग, पैरा एथलेटिक्स, आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक्स, लॉन बॉल्स और व्हीलचेयर बास्केटबॉल में भी एक्शन में नजर आएंगे। कॉमनवेल्थ गेम्स के राउंड ऑफ 16 मुकाबले में भारतीय बॉक्सर सचिन सिवाच ने इंग्लैंड के विलियम हेविट को 4-1 के अंतर से हराया। वे पुरुषों की 60 किलो भार वर्ग के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे। पांच में से चार जजों ने सचिन के पक्ष में फैसला सुनाया। चार जजों ने सचिन को 29-27 से विजेता घोषित किया। वहीं एक जज ने 29-27 के स्कोर के साथ हेविट को बेहतर माना। क्वार्टर फाइनल में उनका मुकाबला बोत्सवाना के ट्रेजर मोरेमी से होगा। भारत के लॉन्ग जंप के एथलीट मुरली श्रीशंकर फाइनल में पहुंच गए हैं। क्वालिफाइंग राउंड के दौरान अपनी पहली ही कूद में 8.01 मीटर दूरी तय कर श्रीशंकर ने फाइनल में जगह बनाई। 2022 बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स में श्रीशंकर ने सिल्वर मेडल जीता था। फाइनल के लिए क्वालिफाई करने के लिए 8 मीटर की दूरी तय करनी थी।

जादुमणि ने पाकिस्तानी मुक्केबाज को पहले जमकर धोया

55 किग्रा वर्ग के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली

ग्लास्गो, 27 जुलाई (एजेंसियां)। ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेल 2026 में भारत और पाकिस्तान के बीच हुए बहुप्रतीक्षित मुक्केबाजी मुकाबले में भारतीय मुक्केबाज जादुमणि सिंह मांडेंगबाम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तान के सुमामा रहमान को एकतरफा अंदाज में 5-0 से हराकर पुरुषों के 55 किग्रा वर्ग के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। खास बात यह रही कि यह मुकाबला 26 जुलाई, यानी कारगिल विजय दिवस के दिन खेला गया। जीत के बाद जादुमणि ने अपना यह शानदार प्रदर्शन कारगिल युद्ध के वीर जवानों को समर्पित कर दिया।

मुकाबले के बाद जादुमणि ने कहा कि पाकिस्तान के खिलाफ जीत उनके लिए खास रही और वह इसे देश के उन वीर सैनिकों को समर्पित करना चाहते हैं जिन्होंने कारगिल युद्ध में सर्वोच्च बलिदान दिया। उन्होंने कहा, 'मैं अपनी यह जीत कारगिल के वीरों को समर्पित करता हूं। पाकिस्तान के खिलाफ जीत हासिल करके मुझे बहुत अच्छा लगा। अब मैं क्वार्टर फाइनल में इससे भी बेहतर प्रदर्शन करूंगा और भारत के लिए स्वर्ण पदक जीतकर लौटूंगा।' जादुमणि अब मंगलवार को क्वार्टर फाइनल मुकाबले में उतरेंगे। यदि वह यह मुकाबला जीत लेते हैं तो सेमीफाइनल में पहुंच जाएंगे। राष्ट्रमंडल खेलों की मुक्केबाजी स्पर्धा में दोनों सेमीफाइनल में हारने वाले खिलाड़ियों को कांस्य पदक मिलता है। ऐसे में क्वार्टर फाइनल जीतते ही जादुमणि का कम से कम एक पदक पक्का हो जाएगा।

पिछले साल नोएडा में आयोजित विश्व बॉक्सिंग कप फाइनल्स में 50 किग्रा वर्ग का रजत पदक जीतने वाले जादुमणि इस बार 55 किग्रा वर्ग में खेल रहे हैं और अब तक उनका प्रदर्शन बेहद प्रभावशाली रहा है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए बांग्लादेश की टीम घोषित, सौम्य सरकार की 5 साल बाद वापसी

ढाका, 27 जुलाई (एजेंसियां)। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले के लिए 15 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। टीम की कमान नजमुल हुसैन शांतो को सौंपी गई है। बांग्लादेश की 15 सदस्यीय टीम में ऑलराउंडर सौम्य सरकार को शामिल किया गया है। सौम्य आखिरी बार 2021 में टेस्ट फॉर्मेट में खेले थे। दूसरी तरफ, 2023 की डब्ल्यूटीसी चैंपियन ऑस्ट्रेलियाई टीम पहले ही इस सीरीज के लिए अपनी टीम का ऐलान कर चुकी है।

बांग्लादेश टीम

नजमुल हुसैन शंतो (कप्तान), सौम्य सरकार, शादमान इस्लाम, तंजीद हसन, मोमिनुल हक, मुश्फिकुर रहीम, अमीत हसन, जाकिर अली अनिक, मेहदी हसन मिराज (उप-कप्तान), तैजुल इस्लाम, तास्किन अहमद, हसन महमूद, सैयद खालिद अहमद, इबादत हुसैन चौधरी, मुश्फिक हसन।

तारोबा टेस्ट में मसूद के नाबाद 88 रन, पाकिस्तान 199/3

तारोबा, 27 जुलाई (एजेंसियां)। वेस्टइंडीज और पाकिस्तान के बीच तारोबा के ब्रायन लारा क्रिकेट अकादमी स्टेडियम में खेले जा रहे पहले टेस्ट के दूसरे दिन का खेल पाकिस्तान के नाम रहा। वेस्टइंडीज को पहली पारी में 311 रन पर समेटने के बाद पाकिस्तान ने दिन का खेल खत्म होने तक 3 विकेट पर 199 रन बना लिए।

कप्तान शान मसूद 88 रन बनाकर नाबाद हैं और अपने शतक से सिर्फ 12 रन दूर हैं। पाकिस्तान अभी पहली पारी के आधार पर 112 रन पीछे है, जबकि उसके 7 विकेट बाकी हैं।

दूसरे दिन की शुरुआत में पाकिस्तान के तेज गेंदबाजों ने पुरानी गेंद से शानदार स्विंग कराई। मोहम्मद अली ने 4 विकेट लेकर वेस्टइंडीज के निचले क्रम को ज्यादा देर टिकने नहीं दिया।

दिन के तीसरे ओवर में खुर्रम शहजाद ने वेस्टइंडीज के सबसे सफल बल्लेबाज कावेम हॉज को आउट कर पहली सफलता दिलाई। इसके बाद

मोहम्मद अली ने जस्टिन ग्रीव्स को पवेलियन भेजा। लंच के बाद उन्होंने लगातार दो गेंदों पर पहले शमार जोसेफ को बाउंसर पर आउट किया, फिर शाई होप को एलबीडब्ल्यू कर वेस्टइंडीज की पारी 311 रन पर खत्म कर दी।

जवाब में उतरी पाकिस्तान की शुरुआत अच्छी रही। कप्तान शान मसूद और इमाम-उल-हक ने दूसरे विकेट के लिए 155 रन जोड़े और टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। हालांकि मसूद को शुरुआत में किस्मत का साथ भी मिला। पहली ही गेंद पर वे बोल्ड होने से बचे। इसके बाद दूसरी गेंद पर जोमेल वारिकन ने उनका आसान कैच छोड़ दिया। शुरुआती ओवरों में उनके कई एज चौके के लिए निकल गए। शुरुआती संघर्ष के बाद मसूद ने संयम से बल्लेबाजी की और इमाम के साथ बड़ी साझेदारी निभाई।

दिन के अंतिम सत्र में वेस्टइंडीज ने दो अहम विकेट लेकर मुकाबले में वापसी की। इमाम-उल-हक अर्धशतक लगाने के बाद शमार जोसेफ की बाहर जाती गेंद पर स्लिप में कैच दे बैठे।

इसके बाद बाबर आजम भी बड़ी पारी नहीं खेल सके। जयडेन सील्स की गेंद पर विकेटकीपर को कैच देने से पहले उन्होंने 16 रन बनाए। स्टंप्स तक शान मसूद 88 रन पर नाबाद थे। उनके साथ नाइटवॉचमैन क्रीज पर मौजूद थे।

वर्ल्ड कप में ईशा सिंह ने निशानेबाजी में जीता गोल्ड, मनु भाकर को ब्रॉन्ज

हांगझोउ, 27 जुलाई (एजेंसियां)। हांगझोउ में चल रहे आईएसएसएफ वर्ल्ड कप में भारतीय निशानेबाजों का शानदार प्रदर्शन जारी है। सोमवार (27 जुलाई) को विमेंस 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में भारत की ईशा सिंह ने गोल्ड मेडल जीता, जबकि मनु भाकर ने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। ईशा सिंह के गोल्ड और मनु भाकर के ब्रॉन्ज के साथ मौजूदा टूर्नामेंट में भारत ने कुल तीन मेडल अपने नाम कर लिए हैं। इससे पहले भारतीय निशानेबाज सैन्यम ने विमेंस की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में सिल्वर जीतकर भारत का खाता खोला था। हांगझोउ वर्ल्ड कप में चीन अब तक 14 पदक जीत चुका है, जबकि भारत तीन पदकों के साथ दूसरे स्थान पर बना हुआ है।

पहली बार जीता गोल्ड मेडल, डोपिंग ने वो भी छीन लिया

भारत की ऐतिहासिक सफलता हुई दागदार

खेल डेस्क, 27 जुलाई (एजेंसियां)। क्रिकेट के लिए दीवाने भारत में दूसरे खेलों में सफलता काफी कम ही देखने को मिलती है. खास तौर पर ऐसे खेल, जिनके अस्तित्व से भी देश की ज्यादातर आबादी अनजान हो, उनमें हिस्सेदारी ही अपने आप में बड़ी उपलब्धि लगती है. अगर ऐसे खेल में भारत को गोल्ड मेडल मिल जाए तो वो इतिहास बन जाता है. ऐसा ही कुछ हाल ही में हुआ था, जब भारत ने रोइंग में पहली बार वर्ल्ड कप का गोल्ड मेडल जीता था. मगर डोपिंग के रोग ने ये ऐतिहासिक मेडल भी देश से छीन लिया. जून 2026 में हुए रोइंग वर्ल्ड कप में भारत ने लाइटवेट में मेंस डबल्स स्कल्स का गोल्ड मेडल जीता था. इस खेल में पहली बार भारत के हिस्से में गोल्ड मेडल आया था. मगर देश की ये उपलब्धि और उसकी खुशी एक महीने भी नहीं टिक पाई क्योंकि

गोल्ड जिताने वाला एक खिलाड़ी डोपिंग में पकड़ा गया है. रोइंग टीम के 2 सदस्यों में से एक लक्ष्य डोप टेस्ट में पॉजिटिव पाए गए हैं, जिसके चलते उन्हें अस्थायी रूप से सस्पेंड कर दिया गया है. एक रिपोर्ट के मुताबिक, जून के अंत में स्विट्जरलैंड में हुए वर्ल्ड कप में गोल्ड जीतने वाली रोइंग टीम के सदस्य लक्ष्य का एक पुराना सैंपल पॉजिटिव आया है. ये सैंपल कम्पटीशन से एक महीना पहले 25 मई को लिया गया था. जांच के बाद लक्ष्य के इस सैंपल में स्टैनोजोलोल पाया गया, जो प्रदर्शन बढ़ाने वाला एक प्रतिबंधित पदार्थ है. इसके चलते न सिर्फ उन पर प्रोविजिनल सस्पेंशन लगाया गया है, बल्कि सैंपल लिए जाने के बाद के उनके सारे रिकॉर्ड हटा दिए गए हैं. इसके ही कारण वर्ल्ड कप का प्रदर्शन भी रद्द घोषित हो जाएगा और भारत के हिस्से से ऐतिहासिक गोल्ड मेडल छिन जाएगा. इस डबल्स स्कल्स टीम में लक्ष्य के साथ उज्ज्वल कुमार सिंह भी थे.

लक्ष्य को अब नेशनल एंटी डोपिंग एजेंसी की ओर से पेश होने का नोटिस जारी किया जा चुका है. उन्हें एजेंसी के सामने अपनी बेगुनाही साबित करनी होगी और अगर वो इसमें नाकाम रहते हैं तो उन पर 4 साल का बैन लग जाएगा. इस घटना ने एक बार फिर भारतीय खेलों को दागदार बना दिया है. हाल ही में कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए चुने गए अलग-अलग खेलों के 3 खिलाड़ियों को डोपिंग के मामलों में पकड़े जाने के कारण भारतीय टीम से बाहर कर दिया गया था.

ग्लासगो में ब्रॉन्ज जीतने वाले झांडू कुमार का दिल्ली में स्वागत

नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)। ग्लासगो में चल रहे कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत का खाता खोलने वाले 28 साल के पैरा पावरलिफ्टर झांडू कुमार का दिल्ली लौटने पर जोरदार स्वागत हुआ। उन्होंने मेंस के हेवीवेट कैटेगरी में 130.9 पॉइंट्स के साथ ऐतिहासिक कांस्य पदक हासिल कर देश का मान बढ़ाया। एयरपोर्ट पर परिवार, प्रशंसकों और अधिकारियों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया, हालांकि झांडू ने स्वर्ण पदक न जीत पाने पर थोड़ी मायूसी भी जाहिर की। स्वदेश लौटने पर प्रशंसकों से मिले प्यार के लिए झांडू ने सभी का आभार जताया।

क्या विराट कोहली से अब भी नाराज हैं ट्रेविस हेड?

'नो हैंडशेक' विवाद पर ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर ने तोड़ी चुप्पी

मेलबोर्न, 27 जुलाई (एजेंसियां)। ट्रेविस हेड और विराट कोहली के बीच आईपीएल 2026 में थोड़ा तनाव देखने को मिला था. एक मैच के दौरान विराट कोहली ने गुस्से में ट्रेविस हेड को मैच के बाद इग्नोर किया और हाथ मिलाए बिना चले गए. ट्रेविस यह देखकर हैरान रह गए थे. इसके बाद उनके परिवार को सोशल मीडिया पर काफी नफरत का सामना करना पड़ा. ट्रेविस हेड ने अब विराट कोहली के साथ रिश्ते पर बात की और अपनी पत्नी की तारीफ की, जिन्होंने फैंस से मिली हेट के बीच खुद को संभाला.

आईपीएल 2026 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच मैच में विराट कोहली और ट्रेविस हेड के बीच तनाव नजर आया. विराट ने ट्रेविस से हाथ भी नहीं मिलाया और यह नो हैंडशेक मामला चर्चा में रहा. अब हेड ने बताया कि विराट और उनके बीच कोई अनबन नहीं है और वह सिर्फ मैच तक ही सीमित था. उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि कुछ ठीक करने जैसा है. जो है, सो है. इसमें कोई सरप्राइज नहीं है कि यह प्रतिस्पर्धा थी, तो कुछ ऐसी ही उम्मीद थी.'

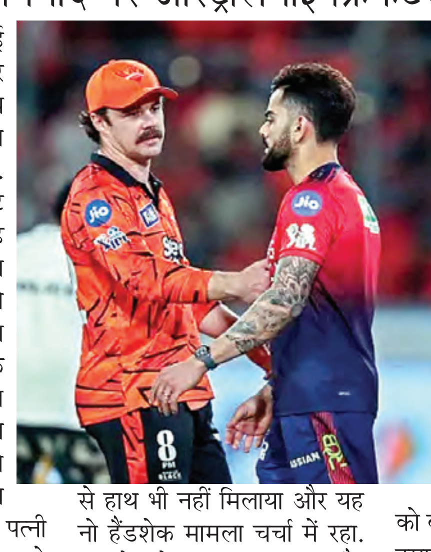

विराट कोहली से नो हैंडशेक के बाद ट्रेविस हेड और उनके परिवार को ऑनलाइन हेट का सामना करना पड़ा. ट्रेविस ने इसी बारे में बात की और अपनी पत्नी की तारीफ की, जिन्होंने परिस्थिति को समझदारी से संभाला. उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि मेरा और जेसी का सोचने का तरीका काफी अच्छा है. वो इन सभी चीजों को बढ़िया तरह से हैंडल करती हैं. हमारा पारिवारिक जीवन इसी के इर्द-गिर्द चलता है और फर्क उन लोगों को पड़ता है, जो इन बातों पर ज्यादा ध्यान देते हैं. कुछ दिन बाद लोग सब कुछ भूल जाते हैं. मेरी पत्नी ने इसे बहुत अच्छे से संभाला.

फीस प्रतिपूर्ति के 12 हजार करोड़ जारी करे कांग्रेस सरकार: भाजपा

शिक्षा मंत्री पद से इस्तीफे की मांग

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पर शिक्षा व्यवस्था को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाते हुए उनसे तत्काल शिक्षा मंत्री पद से इस्तीफा देने की मांग की है। उन्होंने कहा कि विधानसभा और लोकसभा चुनाव लड़ने की न्यूनतम आयु 25 वर्ष से घटाकर 21 वर्ष करने का प्रस्ताव कांग्रेस सरकार की विफलताओं से ध्यान भटकाने की कोशिश है। रामचंदर राव ने सोमवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में कहा कि कांग्रेस सरकार ने युवाओं और छात्रों से किए गए अधिकांश चुनावी वादे पूरे नहीं किए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में लगभग 20 लाख विद्यार्थियों की 12 हजार करोड़ की फीस प्रतिपूर्ति (फीस रिइम्बर्समेंट) की राशि लंबित है, जिसके कारण अनेक छात्रों के मूल प्रमाणपत्र कॉलेजों में ही रुके हुए हैं।

उन्होंने कहा कि राज्य के 17 सरकारी विश्वविद्यालय वित्तीय संकट और शिक्षकों की कमी से जूझ रहे हैं। सरकार ने विश्वविद्यालयों को <1,000 करोड़ देने का वादा किया था, लेकिन अब तक कोई राशि जारी नहीं की गई। उन्होंने कहा कि शिक्षकों के वेतन और सेवानिवृत्ति लाभों में भी देरी हो रही है, जिससे उच्च शिक्षा व्यवस्था प्रभावित हुई है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कांग्रेस पर दो लाख सरकारी नौकरियां, 4,000 मासिक बेरोजगारी भत्ता, शिक्षा भरोसा कार्ड, छात्राओं को मुफ्त स्कूटी, निजी क्षेत्र में 75 प्रतिशत स्थानीय युवाओं को आरक्षण, यूथ कमीशन और रोजगार सहायता प्रणाली जैसे वादे पूरे न करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यदि कांग्रेस वास्तव में युवाओं को नेतृत्व देना चाहती है तो पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद और राज्य के शिक्षा विभाग की जिम्मेदारी किसी युवा नेता को सौंपनी चाहिए।इस अवसर पर पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। रामचंदर राव ने कहा कि डॉ. कलाम का जीवन युवाओं और शिक्षा के उत्थान के लिए समर्पित था तथा सरकार को उनके आदर्शों के अनुरूप शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करना चाहिए। कार्यक्रम में जेएनटीयू के शोध पर आधारित प्रोफेसर मल्लिकार्जुन और प्रोफेसर सुजाता द्वारा संयुक्त रूप से लिखित पुस्तक 'श्रीमन् भगवद्गीता' का भी विमोचन किया गया। इस अवसर पर विधायक पायल शंकर सहित भाजपा के कई पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बेलमपल्ली गुरुकुल घटना : दुंद्रा ने निलंबन का स्वागत किया

सुरक्षा ऑडिट की मांग की

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। नेशनल बीसी दल के अध्यक्ष और अधिवक्ता दुंद्रा कुमारस्वामी ने हाल ही में छात्राओं के साथ हुई खाद्य विषाक्तता की घटना के बाद बेलमपल्ली स्थित महात्मा ज्योतिबा फुले तेलंगाना बीसी गर्ल्स गुरुकुल के प्रिंसिपल और डिप्टी वार्डन को निलंबित करने के तेलंगाना सरकार के फैसले का स्वागत किया है। कुमारस्वामी ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि उन्होंने तेलंगाना राज्य मानवाधिकार आयोग से संपर्क किया था, जिसने उनकी शिकायत दर्ज कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। सरकार की त्वरित कार्रवाई की सराहना करते हुए उन्होंने अधिकारियों से एक स्वतंत्र उच्च स्तरीय जांच का आदेश देने और सभी लापरवाह अधिकारियों के खिलाफ सख्त विभागीय और कानूनी कार्रवाई शुरू करने का आग्रह किया। आवासीय शिक्षण संस्थानों में बार-बार हो रही खाद्य विषाक्तता की घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए, उन्होंने तेलंगाना भर के गुरुकुल विद्यालयों के व्यापक निरीक्षण की मांग की, जिसमें भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता, पेयजल, छात्रावास प्रबंधन और आपातकालीन चिकित्सा तैयारियों पर विशेष ध्यान दिया जाए।

सिंगरेणी को कोयला ब्लॉक दिए जाएं जेनको प्रतिस्पर्धा से हटे : केंद्रीय मंत्री

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने कहा कि दक्षिण भारत की सबसे बड़ी कोयला कंपनी सिंगरेणी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) को बचाने और मजबूत बनाने के लिए केंद्र सरकार लगातार सहयोग कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्ववर्ती बीआरएस सरकार और वर्तमान कांग्रेस सरकार की नीतियों के कारण सिंगरेणी पर लगभग 54,000 करोड़ की बकाया राशि जमा हो गई है, जो किसी भी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम के लिए बेहद गंभीर स्थिति है।

हैदराबाद में आयोजित प्रेस वार्ता में किशन रेड्डी ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी सरकार ने आर्थिक संकट से जूझ रही सिंगरेणी को राहत देने के लिए ऋण पर मोरेटोरियम और वित्तीय सहायता प्रदान की थी। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 से सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुसार कोयला ब्लॉकों का पारदर्शी तरीके से आवंटन किया जा रहा है, लेकिन तत्कालीन राज्य सरकार ने नई कोयला खदानों के लिए पहल नहीं की। उन्होंने बताया कि ओडिशा के नैनी कोल ब्लॉक, ताडिचेरला-2 कोल ब्लॉक और पीकेओसी (प्रकाशम खनि ओपन कास्ट) डिप साइड एक्सटेंशन परियोजनाओं से सिंगरेनी को बड़ा लाभ होगा। उनके अनुसार इन तीनों परियोजनाओं से लगभग 6,500 लोगों को रोजगार, 830 मिलियन टन कोयला उत्पादन तथा करीब <1.95 लाख करोड़ का कारोबार होने की संभावना है। साथ ही राज्य सरकार को लगभग <40,000 करोड़ का राजस्व प्राप्त हो सकता है। किशन रेड्डी ने राज्य सरकार से आग्रह किया कि पीकेओसी डिप साइड एक्सटेंशन ब्लॉक सिंगरेनी को ही दिया जाए और तेलंगाना जेनको इस निविदा प्रक्रिया से हट जाए।

उन्होंने कहा कि इस संबंध में वह मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को पत्र भी लिखेंगे। संसद में पेश किए गए सार्वजनिक परीक्षा अनियमितता निवारण विधेयक-2026 का उल्लेख करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार ने प्रश्नपत्र लीक जैसी घटनाओं पर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए कानून को और सख्त बनाया है। उन्होंने विपक्ष से इस विधेयक का समर्थन करने और रचनात्मक सुझाव देने की अपील की। किशन रेड्डी ने कांग्रेस पर संसद में विधेयक का विरोध करने का आरोप लगाया और कहा कि छात्रों के हितों से जुड़े ऐसे महत्वपूर्ण कानून पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रश्नपत्र लीक की घटनाओं पर सभी दलों को एकजुट होकर समाधान निकालना चाहिए। तेलंगाना की राजनीति पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से राज्य में हुई प्रश्नपत्र लीक की घटनाओं की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा देने की मांग की। उन्होंने कहा कि भाजपा की प्राथमिकता हमेशा "राष्ट्र प्रथम" रही है और केंद्र सरकार लोकतांत्रिक तरीके से सभी मुद्दों का समाधान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

तेलंगाना फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला में 57 नए वैज्ञानिक कर्मियों की नियुक्ति

पुलिस महानिदेशक ने प्रदान किए नियुक्ति पत्र

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (टीजीएफएसएल) को 57 नए वैज्ञानिक कर्मियों की नियुक्ति से बड़ी मजबूती मिली है। इन नव-नियुक्त वैज्ञानिकों को नियुक्ति पत्र तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) सीवी आनंद द्वारा प्रदान किए गए। गृह विभाग की प्रधान सचिव एवं टीजीएफएसएल की निदेशक शिखा गोयल ने नए वैज्ञानिकों का स्वागत करते हुए उन्हें प्रयोगशाला की कार्यप्रणाली, उपलब्धियों और जिम्मेदारियों से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि सीमित वैज्ञानिक स्टाफ होने के बावजूद टीजीएफएसएल अपने 80 प्रतिशत से अधिक मामलों का समयबद्ध निस्तारण कर रही है और प्रति विशेषज्ञ मामलों के निपटान के मामले में देश के अग्रणी संस्थानों में शामिल है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2025 में प्रयोगशाला ने 18,647 मामलों का निस्तारण करते हुए 86 प्रतिशत की डिस्पोजल दर हासिल की। प्राथमिकता वाले मामलों की जांच निर्धारित समयसीमा के भीतर पूरी कर रिपोर्ट उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे जांच एजेंसियों को समय पर वैज्ञानिक सहायता मिल रही है। शिखा गोयल ने बताया कि टीजीएफएसएल डीएनए विश्लेषण, कंप्यूटर फॉरेंसिक, नारकोटिक्स, टॉक्सिकोलॉजी और अन्य आधुनिक फॉरेंसिक क्षेत्रों में अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस है। प्रयोगशाला अंतरराष्ट्रीय सहयोग कार्यक्रमों में भी भाग ले रही है। उन्होंने बताया कि नियुक्त किए गए 57 वैज्ञानिकों में 36 पीएचडी, 12 एमएससी, 6 एमटेक तथा 3 एमसीए डिग्रीधारी शामिल हैं। इनकी नियुक्ति से प्रयोगशाला की वैज्ञानिक क्षमता और मजबूत होगी तथा पुलिस और आपराधिक न्याय प्रणाली को अधिक सटीक और विश्वसनीय फॉरेंसिक सेवाएं मिल सकेंगी। इस अवसर पर डीजीपी ने नव-नियुक्त वैज्ञानिकों को बधाई देते हुए कहा कि नए आपराधिक कानूनों के तहत वैज्ञानिक साक्ष्यों का महत्व और बढ़ गया है। उन्होंने अधिकारियों से पेशेवर दक्षता बढ़ाने, गुणवत्ता से समझौता किए बिना साक्ष्यों की समयबद्ध जांच सुनिश्चित करने और संवेदनशील मामलों में विशेष सतर्कता बरतने का आह्वान किया। डीजीपी ने कहा कि टीजीएफएसएल सीमित संसाधनों के बावजूद उत्कृष्ट कार्य कर रही है और इन 57 उच्च प्रशिक्षित वैज्ञानिकों की नियुक्ति से प्रयोगशाला की क्षमता एवं दक्षता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। उन्होंने भविष्य में भी आवश्यक जनशक्ति, आधारभूत संरचना और आधुनिक उपकरण उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया।टीजीएफएसएल एनएबीएल मान्यता प्राप्त प्रयोगशाला है तथा सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 की धारा 79ए के तहत इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों की सरकारी परीक्षक संस्था के रूप में अधिसूचित है। प्रयोगशाला ने वैज्ञानिक उत्कृष्टता और साक्ष्य-आधारित न्याय प्रणाली को सुदृढ़ करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है।

आदिलाबाद एयरपोर्ट उत्तर तेलंगाना के विकास का बेंचमार्क बनेगा : पायल शंकर

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा विधायक एवं आदिलाबाद के विधायक पायल शंकर ने कहा कि आदिलाबाद एयरपोर्ट की मंजूरी केवल एक जिले की उपलब्धि नहीं, बल्कि पूरे उत्तर तेलंगाना के समग्र विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है।

उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के समन्वय से यह परियोजना संभव हो सकी है। भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में पायल शंकर ने कहा कि तेलंगाना गठन के बाद भी पूर्ववर्ती सरकारों की उपेक्षा के कारण विकास, उद्योग और रोजगार के अवसर केवल हैदराबाद तक सीमित रहे। उन्होंने कहा कि नीति आयोग के अनुसार देश के सबसे पिछड़े जिलों में शामिल आदिलाबाद को एयरपोर्ट मिलना क्षेत्र के लिए बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने बताया कि एयरपोर्ट निर्माण के लिए राज्य सरकार ने 2,278 करोड़ आवंटित किए हैं, जबकि रक्षा मंत्रालय की ओर से लगभग <3,000 करोड़ खर्च किए जाएंगे। लगभग <5,500 करोड़ की लागत से बनने वाला यह संयुक्त उपयोग (जॉइंट यूज़र) एयरपोर्ट रक्षा मंत्रालय और भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) की साझेदारी में विकसित किया जाएगा।

पायल शंकर ने कहा कि चुनाव के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आदिलाबाद के विकास का वादा किया था। भाजपा के सांसद और विधायक चुने जाने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समक्ष जिले के विकास से जुड़े मुद्दे रखे गए, जिसके बाद इस परियोजना को गति मिली।उन्होंने आरोप लगाया कि वर्ष 2014-15 में तत्कालीन रक्षा मंत्री निर्मला सीतारमण ने एयरपोर्ट निर्माण को लेकर तत्कालीन बीआरएस सरकार को कई पत्र लिखे थे, लेकिन उस समय कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने कहा कि विधानसभा और केंद्र सरकार के समक्ष लगातार यह मुद्दा उठाने के बाद परियोजना को मंजूरी मिली। पायल शंकर ने बताया कि हैदराबाद के बाद राज्य का सबसे बड़ा औद्योगिक पार्क भी आदिलाबाद में विकसित किया जाएगा। इसके लिए 2,200 एकड़ भूमि अधिग्रहण का आदेश जारी हो चुका है और अतिरिक्त 6,000 एकड़ भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया तेज़ी से चल रही है। एयरपोर्ट और औद्योगिक कॉरिडोर के विकसित होने से आदिलाबाद राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स हब और ट्राई-पोर्ट कार्गो टर्मिनल के रूप में उभरेगा।

उन्होंने कहा कि एशिया के दूसरे सबसे बड़े कपास बाजार वाले आदिलाबाद में वस्त्र और कृषि प्रसंस्करण उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही जनजातीय कौशल विकास, पर्यटन और रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे। पायल शंकर ने आदिलाबाद एयरपोर्ट की मंजूरी के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय मंत्रियों जी. किशन रेड्डी, बंडी संजय कुमार, राममोहन नायडू, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह तथा मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि शीघ्र ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में एयरपोर्ट परियोजना का शिलान्यास किया जाएगा।

सरूरनगर में देसी पिस्तौल के साथ गिरफ्तार

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सरूरनगर पुलिस ने रविवार रात भगत सिंह नगर में देसी पिस्तौल लेकर घूमने और निवासियों के बीच दहशत फैलाने के आरोप में 22 साल के एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। संदिग्ध, जिसकी पहचान मोहम्मद इमरान के तौर पर हुई है, को पुलिस कार्रवाई के दौरान पकड़ा गया।

अधिकारियों ने उसके पास से एक देसी पिस्तौल और एक जिंदा कारतूस ज़ब्त किया। पुलिस ने बताया कि इमरान कथित तौर पर इलाके में हथियार लेकर घूम रहा था, जिससे निवासियों में डर पैदा हो गया था। मामला दर्ज कर लिया गया है और हथियार के स्रोत तथा क्या इसका इस्तेमाल किसी आपराधिक गतिविधि में किया गया था, यह पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है।

परिवार रजिस्टर गरीबों पर बोझ कम करेगा : शब्बीर अली

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार के सलाहकार मोहम्मद अली शब्बीर ने सोमवार को राज्य सरकार द्वारा तेलंगाना परिवार रजिस्टर और परिवार रजिस्टर प्रमाणपत्र शुरू करने के फैसले की सराहना करते हुए इसे एक बड़ा नागरिक-केंद्रित सुधार बताया, जिससे सरकारी सेवाओं तक पहुंच सरल हो जाएगी, खासकर गरीब और कमजोर परिवारों के लिए। राजस्व विभाग द्वारा जारी सरकारी आदेश संख्या 172 का स्वागत करते हुए शब्बीर अली ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी को कागजी कार्रवाई कम करने और पारदर्शिता बढ़ाने के उद्देश्य से शुरू किए गए प्रशासनिक सुधार के लिए धन्यवाद दिया।

उन्होंने कहा कि खाद्य सुरक्षा कार्ड डेटाबेस पर आधारित डिजिटल परिवार रजिस्टर से नागरिकों को कल्याणकारी योजनाओं और सार्वजनिक सेवाओं का लाभ उठाते समय पारिवारिक संबंधों को साबित करने के लिए बार-बार कई दस्तावेज जमा करने की आवश्यकता समाप्त हो जाएगी। उन्होंने कहा, पात्र परिवार अब निर्धारित समय सीमा के भीतर डिजिटल रूप से हस्ताक्षरित परिवार रजिस्टर प्रमाणपत्र प्राप्त कर सकते हैं, जिससे सरकारी सेवाओं तक पहुंच बहुत आसान हो जाएगी।

तहसीलदार की मंजूरी के बाद मीसेवा के माध्यम से जारी किया जाने वाला डिजिटल रूप से सत्यापित पारिवारिक पंजीकरण प्रमाणपत्र, परिवार के सदस्यों, रिश्तों, आधार कार्ड की जानकारी और पते की जानकारी शामिल करेगा। शब्बीर अली ने कहा कि इस पहल से नागरिकों का समय और पैसा बचेगा, अंतर-विभागीय समन्वय मजबूत होगा और तेलंगाना में भविष्य की डिजिटल शासन पहलों के लिए एक आधार बनेगा।

शब्बीर अली ने याद दिलाया कि 13 जुलाई को उन्होंने मुख्यमंत्री को एक ज्ञापन सौंपा था जिसमें प्रस्ताव दिया गया था कि तेलंगाना में कर्नाटक की तर्ज पर स्थायी निवास प्रमाण पत्र (पीआरसी) लागू किया जाए ताकि दस्तावेजीकरण संबंधी कठिनाइयों का सामना कर रहे वास्तविक निवासियों की मदद की जा सके, विशेष रूप से चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) के दौरान। परिवार रजिस्टर का स्वागत करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार की यह नवीनतम पहल खाद्य सुरक्षा कार्ड डेटाबेस के आधार पर परिवार संरचना का एक प्रामाणिक डिजिटल रिकॉर्ड बनाकर एक व्यापक प्रशासनिक आवश्यकता को पूरा करती है।

सुरक्षित परिचालन सुनिश्चित करने वाले पांच कर्मचारियों को सुरक्षा पुरस्कार

महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने ट्रेन परिचालन सुरक्षा की समीक्षा की

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने सोमवार को रेल निलयम, सिकंदराबाद में आयोजित सुरक्षा समीक्षा बैठक के दौरान जून, 2026 के लिए 'एम्प्लॉयी ऑफ द मंथ' सुरक्षा पुरस्कार पांच कर्मचारियों को प्रदान किए।

ठक में दक्षिण मध्य रेलवे के अपर महाप्रबंधक सत्य प्रकाश सहित सभी प्रधान विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे, जबकि सिकंदराबाद, हैदराबाद और नांदेड़ मंडलों के मंडल रेल प्रबंधक वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बैठक में शामिल हुए। हाप्रबंधक ने सिकंदराबाद और नांदेड़ मंडलों के पाँच कर्मचारियों को उनकी उत्कृष्ट सतर्कता, कर्तव्यनिष्ठा तथा असुरक्षित परिस्थितियों को समय रहते रोककर सुरक्षित रेल परिचालन सुनिश्चित करने के लिए सम्मानित किया। पुरस्कार प्राप्त कर्मचारियों में ट्रैक अनुरक्षक, प्वाइंट्समैन, वरिष्ठ तकनीशियन तथा स्टेशन मास्टर श्रेणियों के कर्मचारी शामिल हैं। इस अवसर पर संजय कुमार श्रीवास्तव ने सभी पुरस्कार विजेताओं को बधाई देते हुए उनकी समर्पित कार्यशैली की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसे सम्मान अन्य कर्मचारियों को भी अधिक सतर्क रहने तथा पूरी निष्ठा के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित करेंगे, जिससे रेल परिचालन की सुरक्षा और अधिक सुदृढ़ होगी। सुरक्षा समीक्षा बैठक के दौरान महाप्रबंधक ने इंजीनियरिंग, परिचालन, वाणिज्य, विद्युत तथा सिग्नल एवं दूरसंचार विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा किए गए विभागवार रात्रिकालीन निरीक्षणों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने निरीक्षणों के दौरान सामने आए बिंदुओं तथा उन्हें दूर करने के लिए उठाए गए सुधारात्मक उपायों की भी समीक्षा की। महाप्रबंधक ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि पूरे दक्षिण मध्य रेलवे क्षेत्र में सुरक्षा मानकों की निरंतर निगरानी सुनिश्चित की जाए तथा प्रत्येक स्तर पर सर्वोच्च सुरक्षा मानकों का पालन किया जाए। मानसून के दौरान जलभराव की आशंका वाले सड़क अधोपुलों (आरयूबी) पर विशेष सतर्कता बरतने की आवश्यकता पर भी महाप्रबंधक ने जोर दिया। बैठक में मंडल रेल प्रबंधकों ने बताया कि ऐसे स्थानों पर बैरिकेड लगाने, चौबीसों घंटे चौकीदारों की तैनाती करने तथा प्रत्येक चार घंटे में स्थल के छायाचित्र साझा कर लगातार निगरानी रखने सहित विभिन्न एहतियाती उपाय लागू किए जा रहे हैं। महाप्रबंधक ने निर्देश दिया कि इन सभी सुरक्षा उपायों का पूरी गंभीरता और प्रतिबद्धता के साथ पालन किया जाए, ताकि सड़क उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा हर हाल में सुनिश्चित की जा सके।

गुरू पूर्णिमा के उत्सव के उपलक्ष्य में
॥ सत्यनारायण भगवान जी की कथा ॥
दिनांक : 29 जुलाई 2026, बुधवार
समय : प्रातः 8:30 बजे
कथावाचक
महंत ठाकुरदास जी महाराज
कथा स्थल
श्री सखी बाबा मठ, पुराना पुल, हैदराबाद
आप सभी सादर आमंत्रित हैं।

महन्त ठाकुर दास जी महाराज

गुरू पूर्णिमा के उत्सव के उपलक्ष्य में
॥ गुरु वंदना एवं गुरुजी का आशीर्वाद ॥
भक्तों के लिए गुरु वंदना एवं गुरुजी का आशीर्वाद
दिनांक : 29 जुलाई 2026, बुधवार
समय : प्रातः 8:30 बजे से संध्या 7:00 बजे तक
जिस भक्त को जैसे समय मिलता है, गुरूजी का आशीर्वाद लेने अवश्य पधारें।
स्थान
श्री सखी बाबा मठ, पुराना पुल, हैदराबाद
आप सभी सादर आमंत्रित हैं।

गुरू पूर्णिमा के उत्सव के उपलक्ष्य में
॥ सुंदरकांड का पाठ ॥
दिनांक : 29 जुलाई 2026, बुधवार
समय : दोपहर 12:00 बजे से
आइए, पुण्य लाभ प्राप्त करें और अपने जीवन को मंगलमय बनाएं।
स्थान
श्री सखी बाबा मठ, पुराना पुल, हैदराबाद
आप सभी सादर आमंत्रित हैं।
सत्यनारायण गोपाल बल्दवा
ब्रिगेट रोड नं 7, बंजारा हिल्स, हैदराबाद, मोबाईल 9000366660
GB GOPAL BALDAWA GROUP

माली समाज सेवा संस्थान
हैदराबाद (तेलंगाना)
के तत्वावधान में गुरु पूर्णिमा महोत्सव-2026 के उपलक्ष्य में
आज मंगलवार 28 जुलाई 2026 रात्रि 8:31 बजे से
एक शाम संत श्री लिखमीदासजी महाराज के नाम
शुभ स्थल : श्रृंग ऋषि भवन
दालमंडी, फीलखाना, हैदराबाद
भजन प्रस्तुतकर्ता :
राजस्थान के भजन गायक
श्री सुनीलजी माली एण्ड पार्टी
भजन जागरण
प्रतिभा सम्मान समारोह : सायं 4:30 से 6 बजे
सभी समाज बंधुओं से निवेदन है कि जागरण में पधारकर
गुरु महाराज का आशीर्वाद एवं भजनों का आनन्द प्राप्त करें।
निवदेक : माली समाज सेवा संस्थान
समस्त पदाधिकारीगण, कार्यकारिणी एवं सदस्यगण
संपर्क सूत्र : 9000044251

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.